आज का विचार

दीपक का जीवन इसलिए वंदनीय नहीं है कि वह जलता है अपितु इसलिए वंदनीय है कि वह दूसरों के लिए जलता है।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ I वीरवार, 19 मार्च, 2026 | वर्ष 24, अंक 68, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

पंजाब द्वारा राजस्थान सरकार से दशकों से पानी के इस्तेमाल का 1.44 लाख करोड़ का बकाया वसूला जायेगा: मान

राजस्थान पानी तो साल 1920 के समझौते के मुताबिक ले रहा, लेकिन बकाया मांगने पर 1960 के समझौते का सहारा ले लेता है : मुख्यमंत्री

यज्ञांश शर्मा
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जोर देकर कहा कि पंजाब सरकार द्वारा राजस्थान सरकार के पास दशकों से बिना भुगतान किए पानी के उपयोग के लिए 1.44 लाख करोड़ रुपये की वसूली का दावा पेश किया जाएगा। उन्होंने साथ ही कहा कि राजस्थान को या तो पंजाब के जायज बकाए जारी करने चाहिए या पानी लेना बंद कर देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस व्यवस्था को संचालित करने वाले वर्ष 1920 के ऐतिहासिक समझौते की समीक्षा करने की मांग की।

मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, राजस्थान सरकार वर्ष 1960 से फिरोजपुर फीडर के जरिए निकाले गए पानी के लिए पंजाब को 1.44 लाख करोड़ रुपये की देनदार है, जिसके लिए एक पैसा भी अदा नहीं किया गया है। राजस्थान को या तो पंजाब का जायज बकाया जारी करना चाहिए या पानी लेना बंद करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि साल 1920 के दशक में बीकानेर रियासत, साझा पंजाब और ब्रिटिश राज के बीच हुए एक समझौते के अनुसार राजस्थान प्रति एकड़ के आधार पर पानी का भुगतान करने के लिए सहमत हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा, साल 1960 तक भुगतान किए जाते थे, लेकिन सिंधु जल समझौते के बाद राजस्थान ने के बावजूद भुगतान करना बंद कर दिया।

राजस्थान के रुख में विरोधाभास लगातार 18,000 क्यूसेक पानी लेने का जिक्र करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आज भी, राजस्थान 1920 के समझौते के तहत पानी ले रहा है, लेकिन जब बकाए के भुगतान की बात आती है तो यह 1960 के समझौते का सहारा ले लेता है।

- पिछली सरकारों ने 1960 के नए समझौते में पैसे का जिक्र नहीं किया, लेकिन 1920 के समझौते को रद्द नहीं किया
- पंजाब सरकार ने इस मुद्दे को लेकर बैठक करने के लिए राजस्थान को पत्र भी लिखा
- हर 25 साल बाद समझौते की समीक्षा होनी थी, लेकिन पिछली सरकारों ने कभी भी इस मुद्दे पर बात नहीं की
- हमारी सरकार राजस्थान से बकाए का हक लेने के लिए 1920 के समझौते की समीक्षा चाहती है

उन्होंने आगे कहा, उस समय की सरकारों ने 1960 में नई व्यवस्था में शामिल होते समय भुगतान का जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने 1920 के समझौते को भी कभी रद्द नहीं किया।

इस मामले में पिछले समय की कार्रवाइयों पर गंभीर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, समझौते में स्पष्ट रूप से हर 25 साल बाद समीक्षा को अनिवार्य किया गया था, लेकिन पिछली सरकारों ने कभी भी इस मुद्दे को नहीं उठाया और न ही पंजाब के जायज दावे की पैरवी की।

ऐतिहासिक संदर्भ को दोहराते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, वर्ष 1920 में ब्रिटिश राज के दौरान बीकानेर के साथ हुए एक समझौते के तहत 1960 तक पंजाब का 18,000 क्यूसेक पानी लगातार सप्लाई किया जाता रहा। हालांकि, सिंधु जल संधि के बाद इस समझौते का कोई जिक्र नहीं था। अगर हम 1960 से 2026 तक के बकाए का हिसाब लगाएं तो राजस्थान पंजाब का ₹1.44 लाख करोड़ बकाया है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा, हमने यह मुद्दा केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार, दोनों के पास उठाया है। उन्होंने आगे कहा, पंजाब सरकार ने राजस्थान सरकार को इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए बैठक की मांग करने के लिए एक पत्र भी लिखा है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि पंजाब इस मामले को मजबूती से आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा, हमारी सरकार साल 1920 के समझौते की समीक्षा की मांग करती है ताकि पंजाब अपने जायज बकाए की वसूली कर सके। हम इस मुद्दे को सभी मंचों पर जोरदार तरीके से उठाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि पंजाब को वह मिले, जो उसका हक है। हम इस पैसे की वसूली के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

राजनीति में फुल स्टॉप नहीं होता, जनसेवा सदन के बाहर भी जारी रहती है : प्रधानमंत्री

राज्यसभा के 59 सदस्यों को दिए गए विदाई समारोह में बोले नरेंद्र मोदी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अप्रैल से जुलाई के बीच सेवानिवृत्त हो रहे राज्यसभा के 59 सदस्यों को विदाई देते हुए कहा कि राजनीति में कभी 'पूर्ण विराम' नहीं होता और जनसेवा का कार्य सदन के बाहर भी निरंतर जारी रहता है। उन्होंने कहा कि संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि एक 'ओपन यूनिवर्सिटी' है, जहां हर सदस्य को सीखने, विचार साझा करने और खुद को विकसित करने का अवसर मिलता है।

राज्यसभा में आयोजित विदाई समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सदन में विभिन्न विषयों पर होने वाली चर्चाओं में हर सदस्य का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने स्वीकार किया कि कार्यकाल के दौरान खट्टे-मीठे अनुभव भी सामने आते हैं, लेकिन विदाई के समय सभी दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर एक समान भावना व्यक्त करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विदाई ले रहे कुछ सदस्य भविष्य में फिर से सदन में लौट सकते हैं, जबकि कुछ अपने अनुभवों के आधार पर सामाजिक जीवन

में नए योगदान की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, जो सदस्य जा रहे हैं, उन्हें मैं कहना चाहता हूं कि राजनीति में कोई फुल स्टॉप नहीं होता है। भविष्य आपका इंतजार कर रहा है और आपका अनुभव राष्ट्र जीवन में हमेशा उपयोगी रहेगा।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने एचडी देवगौड़ा, मल्लिकार्जुन खरगे और शरद पवार आदि वरिष्ठ नेताओं के योगदान का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि लंबे संसदीय अनुभव वाले नेताओं से नई पीढ़ी को बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा संसदीय कार्यप्रणाली को समर्पित किया है और उनका अनुभव लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रधानमंत्री ने राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश की सराहना करते हुए उन्हें मृदुभाषी और कुशल संचालक बताया। उन्होंने कहा कि सदन को सुचारु रूप से चलाने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है। साथ ही उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हरिवंश सदन के बाहर भी युवाओं के बीच सक्रिय रहते हैं और उन्हें देश की परिस्थितियों से अवगत कराने का कार्य करते हैं।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने रामदास अठावले के हास्यपूर्ण और व्यंग्यात्मक अंदाज का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में 24७7 मीडिया के कारण सदन में हास्य-विनोद के अवसर कम हो गए हैं, लेकिन अठावले अपने अंदाज से वातावरण को सहज बनाए रखते हैं और लोगों को जोड़ने का कार्य करते हैं।

प्रधानमंत्री ने संसदीय प्रणाली में सेकंड ओपिनियन की अवधारणा को लोकतंत्र की बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि एक सदन में लिए गए निर्णय दूसरे सदन में विचार के लिए जाते हैं, जिससे निर्णय प्रक्रिया और अधिक समृद्ध और व्यापक बनती है। यह व्यवस्था लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होती है।

पुराने सदस्यों करें नए सांसदों का मार्गदर्शन

उन्होंने कहा कि हर दो वर्ष में राज्यसभा के एक बड़े समूह का कार्यकाल समाप्त होता है, लेकिन यह प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है। नए सदस्यों को पुराने सदस्यों के अनुभव का लाभ मिलता है, जिससे सदन की कार्यप्रणाली में निरंतरता बनी रहती है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि जो सदस्य अभी सदन में बने रहेंगे, वे नए सांसदों का मार्गदर्शन करेंगे और संस्था को और मजबूत बनाएंगे। प्रधानमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि विदाई ले रहे कई सांसदों को पुराने और नए दोनों संसद भवनों में कार्य करने का अवसर मिला, जो उनके सार्वजनिक जीवन की एक विशेष उपलब्धि और यादगार अनुभव रहेगा। उन्होंने कहा कि नए संसद भवन के निर्माण और उसकी कार्यप्रणाली में भागीदारी इन सदस्यों के लिए एक महत्वपूर्ण स्मृति के रूप में हमेशा बनी रहेगी। अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद में बिताए गए छह वर्ष किसी भी सदस्य के जीवन को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह केवल निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनने का अवसर नहीं होता, बल्कि व्यक्तिगत विकास और राष्ट्रीय दृष्टिकोण को व्यापक बनाने का भी माध्यम होता है। उन्होंने विदाई ले रहे सभी सांसदों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका अनुभव राष्ट्र निर्माण में आगे भी उपयोगी रहेगा, चाहे वे किसी भी भूमिका में क्यों न हों। प्रधानमंत्री ने सभी सदस्यों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भारत में नवजात एवं शिशु मृत्यु दर में आई गिरावट: संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारत में नवजात एवं शिशु मृत्यु दर में गिरावट दर्ज की गई है। संयुक्त राष्ट्र बाल मृत्यु अनुमान समूह द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत में नवजात मृत्यु दर में 1990 से 70 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार 1990 में भारत की नवजात मृत्यु दर 57 थी, जो 2024 में घटकर 17 हो गई है।

5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में 1990 के आंकड़ों से 79 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। साल 1990 में यह दर 127 थी, जबकि 2024 में घटकर 27 हो गई।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि अधिकांश बाल मृत्यु रोकथाम योग्य या इलाज योग्य हैं। भारत के द्वारा यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम, सुविधा-आधारित नवजात देखभाल और नवजात एवं शिशु रोगों का एकीकृत प्रबंधन जैसी पहलों के विस्तार ने बचपन में मृत्यु दर को काफी कम किया है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि नवजात शिशुओं की देखभाल में सुधार, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की मौजूदगी, और स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट्स की स्थापना ने मृत्यु दर घटाने में अहम योगदान दिया है।

हालांकि, चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। नवजात मृत्यु दर अब कुल बाल मृत्यु का बड़ा हिस्सा बन गई है। इसके अलावा समय से पहले जन्म, जन्म संबंधी जटिलताएं और ग्रामीण-शहरी असमानताएं चिंता का विषय हैं।

संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के तहत भारत का लक्ष्य पांच साल के कम उम्र के बच्चों में मृत्यु दर को 25 प्रति 1000 और नवजात मृत्यु दर को 12 प्रति 1000 से नीचे लाना है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की यह प्रगति दिखाती है कि बड़े पैमाने पर लागू की गई स्वास्थ्य योजनाएं और लगातार प्रयास किस तरह स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। भारत का मॉडल अब अन्य देशों के लिए भी प्रेरणा बन रहा है।

पिछले दो दशकों में, भारत ने दक्षिण एशिया क्षेत्र में बाल मृत्यु दर कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस तेज कमी में भारत जैसे देशों की भूमिका अहम रही है, जिनके प्रयासों में लक्षित सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, बेहतर संस्थागत प्रसव प्रणाली और टीकाकरण कवरेज का विस्तार शामिल है।

दक्षिण एशिया में पाँच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर 2000 में 1,000 जीवित जन्मों पर 92 से घटकर 2024 में लगभग 32 हो गई है, जो बच्चों के स्वास्थ्य में निरंतर प्रगति को दशार्ता है।

सिलेंडर बुकिंग के बाद इंतजार करें, लाइन लगाने से बचें: सरकार

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने लोगों से अपील की है कि लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडर की बुकिंग के बाद इंतजार करें और वितरणकताओं के यहां लाइन लगाने से बचें। वर्तमान में एलपीजी की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है लेकिन घरेलू उपभोक्ताओं को पर्याप्त वितरण किया जा रहा है। वहीं बुकिंग के लिए अब 93 प्रतिशत लोग ऑनलाइन तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। सरकार ने लोगों से अफवाहों पर विश्वास नहीं करने और गैस का उचित उपयोग करने को कहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भले ही कीमतें बढ़ रही हों, फिलहाल भारत में डीजल-

पेट्रोल की कीमतों में कोई इजाफा नहीं होगा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बुधवार को राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि कच्चे तेल की उपलब्धता पर्याप्त बनी हुई है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही है। घरेलू एलपीजी उत्पादन में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। खुदरा दुकानों पर पेट्रोल और डीजल की कमी की कोई खबर नहीं है और पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों, विशेषकर छात्रों के लिए, आर्मेनिया और अजरबैजान की भूमि सीमा से यात्रा करने के संबंध में एक सलाह जारी की है। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे सुगम सीमा पार आवागमन के लिए अपनी सुविधानुसार इस सलाह का पालन करें। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की, जिनमें निर्दोष लोगों की जान गई और नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। दोनों नेताओं ने होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने पर जोर दिया और शांति, सुरक्षा एवं स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की।

सेवानिवृत्ति अंत नहीं, नई जिम्मेदारियों की शुरूआत: राधाकृष्णन

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने आगामी अप्रैल से जुलाई के बीच अपना कार्यकाल पूरा कर सेवानिवृत्त हो रहे 59 सांसदों को विदाई देते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति को अंत नहीं, बल्कि नई भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की शुरूआत के रूप में देखना चाहिए।

सभापति ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान के प्रावधानों के अनुसार हर दो वर्ष में सदन के एक-तिहाई सदस्य सेवानिवृत्त होते हैं, जिससे सदन की कार्यप्रणाली में निरंतरता बनी रहती है और नए सदस्यों को अपने विचार रखने का अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, जो अनुभव और नई ऊर्जा के संतुलन को बनाए रखती है। सेवानिवृत्ति अंत नहीं, बल्कि नई जिम्मेदारियों की शुरूआत है। यह परंपरा नए सदस्यों को अवसर देने के साथ-साथ अनुभवी सदस्यों के मार्गदर्शन को भी बनाए रखती है। सेवानिवृत्त सदस्य अपने अनुभव और ज्ञान के माध्यम से आगे भी सार्वजनिक जीवन में योगदान देते रहेंगे।

विदाई भाषण में सभापति ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के योगदान का

विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने किसानों और ग्रामीण भारत से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से सदन में उठाया। उनके अनुभव और किसानों एवं ग्रामीण समुदायों के प्रति प्रतिबद्धता ने सदन की चर्चाओं को समृद्ध किया।

विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे की भूमिका को भी उन्होंने महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि खरगे ने संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत किया।

इसके साथ ही उपसभापति हरिवंश के कार्यकाल की सराहना करते हुए सभापति ने कहा कि उन्होंने सदन का संचालन गरिमा, निष्पक्षता और धैर्य के साथ किया और सभी दलों का सम्मान अर्जित किया।

सभापति ने सभी सेवानिवृत्त सदस्यों के स्वस्थ, सुखद और सफल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे आगे भी राष्ट्र सेवा में सक्रिय रहेंगे।

बजट सत्र सफलतापूर्वक संपन्न, 55 घंटे चली सार्थक चर्चा: नायब सिंह सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बजट सत्र 2026-27 की समाप्ति के उपरांत पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सत्र 20 फरवरी को माननीय राज्यपाल के अभिभाषण से प्रारंभ होकर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि कुल 13 दिनों तक चले इस सत्र में 13 बैठकें आयोजित हुईं, जिनमें लगभग 55 घंटे सकारात्मक और सार्थक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने 2 मार्च को वित्त मंत्री के रूप में अपना दूसरा बजट प्रस्तुत किया, जिस पर सदन में 10 घंटे 3 मिनट तक विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान विपक्ष के 7 सदस्यों ने 2 घंटे 47 मिनट तथा सत्ता पक्ष के 15 सदस्यों ने 6 घंटे 47 मिनट तक अपनी बात रखी, जबकि निर्दलीय सदस्यों ने भी अपने विचार साझा किए।

उन्होंने बताया कि सत्र के दौरान 3 महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए, जिनमें आवासन बोर्ड को भंग करने, सफाई कर्मचारी नियोजन एवं शुष्क शौचालय निर्माण अधिनियम, 1993 के निरसन तथा जीएसटी से जुड़े टैक्स ढांचे में संशोधन शामिल हैं। इसके अलावा विकसित भारत जी-राम योजना के प्रावधानों पर भी चर्चा हुई और जनता व ग्रामीण मजदूरों की आशंकाओं पर विचार किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न विधायकों द्वारा दिए गए ध्यानाकर्षण प्रस्तावों पर भी विषयवार चर्चा की गई। इनमें धान एवं अन्य फसलों की खरीद, राज्य में गन्ने की प्रति एकड़ घटती पैदावार तथा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत निजी अस्पतालों द्वारा सेवाएं बंद करने जैसे मुद्दे प्रमुख रहे।

- सर्वसम्मति से पारित हुए महत्वपूर्ण प्रस्ताव, जनहित के मुद्दों पर विस्तृत मंथन

उन्होंने बताया कि सदन में कुल 8 विधेयकों पर चर्चा की गई, जिनमें हरियाणा विनियोग (संख्या 1 व 2) विधेयक 2026, प्राध्यापक सेवा सुरक्षा संशोधन विधेयक, ट्रैवल एजेंट्स पंजीकरण एवं विनियमन संशोधन विधेयक, पुलिस संशोधन विधेयक, राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन संशोधन विधेयक, नगरीय क्षेत्र विकास संशोधन विधेयक तथा भूमि समेकन संशोधन विधेयक शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने सत्र के अंतिम दिन गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत द्वारा प्राकृतिक खेती पर दिए गए व्याख्यान का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से सदन को नई

दिशा मिली। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यसभा चुनाव पूरी तरह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अनुरूप संपन्न हुआ है, जिसमें उनके प्रत्याशी संजय भाटिया की जीत हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा किया जा रहा धरना-प्रदर्शन उनकी आंतरिक स्थिति को दशार्ता है और यह स्पष्ट नहीं है कि पार्टी के अंदर क्या चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में पहली बार ऐसा देखने को मिला है कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व ही पोलिंग एजेंट की भूमिका में नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में नेतृत्व को अपने ही नेताओं पर विश्वास नहीं रहा और जनता का भरोसा भी पार्टी से उठ चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि जो ईमानदार लोग कांग्रेस से जुड़े थे, उनका विश्वास भी अब डगमगा गया है।

श्री सैनी ने कहा कि विधानसभा में कांग्रेस की भूमिका निराशाजनक रही। वे मुद्दे लेकर तो आए, लेकिन जब जवाब देने का समय आया तो सदन छोड़कर चले गए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के पास न तो स्पष्ट नीति है और न ही ठोस दिशा, जिसके कारण आने वाले समय में पार्टी और कमजोर होगी।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्दलीय उम्मीदवार का चुनाव लड़ना पूरी तरह लोकतांत्रिक अधिकार है और किसी को रोका नहीं जा सकता। उन्होंने कांग्रेस पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचलने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी के नेताओं के बयान और व्यवहार में विरोधाभास साफ नजर आता है।

उन्होंने अभय चौटाला के संदर्भ में कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को वोट देने या न देने का अधिकार है। यदि किसी को आश्वासन दिया गया था, तो उसे निभाना चाहिए था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका एक वोट भी रद्द किया गया, जिस पर उन्होंने चुनाव आयोग से आपत्ति जताई थी, लेकिन उसे स्वीकार नहीं किया गया।

सुक्खू सरकार का बड़ा फैसलाः दागी और सेवा विस्तार वाले अधिकारियों की सेवाएं होंगी खत्म

मुख्यमंत्री ने कहा, यदि विपक्ष के पास और भी संदिग्ध नाम हैं, तो सरकार उन पर भी तुरंत कार्रवाई करेगी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश की सुखविन्द्र सिंह सुक्खू सरकार ने संवेदनशील पदों पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन प्रश्नकाल के दौरान घोषणा की है कि ओडीआई सूची में शामिल ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों को तुरंत उनके पदों से हटाया जा रहा है। इसके साथ ही, जिन लोगों को सेवा विस्तार (एक्सटेंशन) के बाद संवेदनशील पदों पर तैनाती दी गई है, उनकी सेवाएं भी तत्काल प्रभाव से समाप्त की जाएंगी।

यह मामला उस समय उठा जब विधायक सतपाल सिंह सत्ती ने अपने क्षेत्र से जुड़ा मुद्दा विधानसभा में उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तहसीलदार, जो रिश्वत के मामले में पकड़ा गया था, उसे सरकार ने सेवा विस्तार देकर फिर से तैनात कर दिया। उन्होंने कहा कि इसको लेकर स्थानीय लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि प्रभावशाली लोगों के दबाव में ऐसी नियुक्तियां की जा रही हैं, जिनके जरिए जमीनों के मामले प्रभावित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपने जवाब में बताया कि फिलहाल ओडीआई सूची में शामिल तीन अधिकारी संवेदनशील पदों पर तैनात पाए गए हैं और सरकार ने उनकी सेवाएं समाप्त करने का निर्णय लिया है। इनमें विजय कुमार राय, तहसीलदार युद्धवीर सिंह ठाकुर (ओएसडी) और राय बहादुर सिंह नेगी शामिल हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि पिछले दो वर्षों में दो कर्मचारी ओडीआई सूची से बाहर भी आए हैं, जिनमें महेंद्र लाल (वरिष्ठ सहायक) और राय बहादुर नेगी (रीडर) शामिल हैं। इस मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश उच्च न्यायालय ने सरकार से ओडीआई सूची मांगी है, लेकिन मुख्यमंत्री ने सदन में केवल तीन नामों का ही जिक्र किया है। उन्होंने पूछा कि क्या यही सूची अदालत में पेश की जाएगी या इसमें और नाम भी शामिल हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके पास फिलहाल पूरी जानकारी नहीं है और यदि विपक्ष के पास अन्य नाम हैं तो वे सरकार को दें, उन पर भी कार्रवाई की जाएगी। विधानसभा में एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में विभिन्न मामलों की जांच के लिए राज्य सरकार ने कुल दस जांच समितियां गठित की थीं, जिनमें से नौ अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप चुकी हैं। इन रिपोर्टों के आधार पर संबंधित विभागों द्वारा कार्रवाई भी की गई है।

इसके अलावा उन्होंने बताया कि 31 जुलाई 2025 तक सरकार ने विभिन्न विभागों में कुल 25 मंत्रिमंडलीय उप समितियां बनाई थीं, जिनका उद्देश्य अलग-अलग प्रशासनिक और नीतिगत मामलों की समीक्षा करना है। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में एक विशेष कैबिनेट उप समिति भी बनाई गई है, जो मंत्रिमंडल के लागू और लंबित फैसलों की समीक्षा कर रही है। इस समिति ने 31 दिसंबर 2024 तक के फैसलों की समीक्षा पूरी कर ली है, जबकि 1 जनवरी 2025 से 30 जून 2025 तक के फैसलों की समीक्षा अभी जारी है।

हिमाचल एचआरटीसी घाटे वाले रूटों पर नहीं चलाएगा बसें

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश सरकार ने साफ किया है कि राज्य परिवहन निगम (एचआरटीसी) आर्थिक रूप से नुकसान वाले बस रूटों पर सेवाएं नहीं चलाएगा। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने बुधवार को विधानसभा के बजट सत्र के दौरान प्रश्नकाल में यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों की वजह से कई रूट अस्थायी रूप से बंद किए गए हैं और जैसे ही सड़कें ठीक होंगी, इन पर बस सेवाएं फिर से शुरू कर दी जाएंगी।

विधायक डीएस ठाकुर के सवाल का जवाब देते हुए अग्निहोत्री ने कहा कि सरकार बिना किसी भेदभाव के काम कर रही है और विपक्षी विधायकों के क्षेत्रों के साथ किसी तरह का पक्षपात नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चंबा जिले में इस समय एचआरटीसी की 203 बसें चल रही हैं, लेकिन कुछ रूट ऐसे हैं जहां यात्रियों की संख्या बहुत कम है। ऐसे रूट आर्थिक रूप से घाटे में हैं, इसलिए वहां बसें चलाना संभव नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि परिवहन निगम अपने बेड़े को भी चरणबद्ध तरीके से अपडेट कर रहा है। जिन बसों ने 9 लाख किलोमीटर का सफर पूरा कर लिया है या जिनकी उम्र 15 साल से ज्यादा हो गई है, उन्हें सेवा से हटाया जाएगा। उन्होंने विपक्ष द्वारा निगम की कार्यप्रणाली पर उठाए गए सवालों पर आपत्ति जताई और कहा कि एचआरटीसी हर दिन करीब पांच लाख यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचा रहा है, जो अपने आप में बड़ी जिम्मेदारी है। अग्निहोत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि लगेरा और सलूणी से टांडा के लिए सीधी बस सेवा शुरू नहीं की जाएगी, क्योंकि इस रूट पर पहले से ही कनेक्टिंग बस सेवा उपलब्ध है।

हालांकि, इस मुद्दे पर विपक्षी विधायकों ने सरकार के रुख पर सवाल उठाए। विधायक डीएस ठाकुर और हंसराज ने कहा कि एक कल्याणकारी राज्य होने के नाते सरकार का दायित्व है कि वह लोगों को बस सेवा उपलब्ध कराए, भले ही कोई रूट आर्थिक रूप से लाभकारी न हो। विधायक हंसराज ने यह भी आरोप लगाया कि चंबा जिले में कई रूट बसों की कमी के कारण बंद किए गए हैं। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने भी सरकार से अपील की कि वह आर्थिक लाभ से ऊपर उठकर लोगों की सुविधा को प्राथमिकता दे। उन्होंने मांग की कि बिना किसी भेदभाव के विपक्षी क्षेत्रों में भी बस सेवाएं चलाई जाएं, जिससे लोगों को परिवहन सुविधा से वंचित न रहना पड़े।

भाजपा जिला अनुसूचित जाति मोर्चा की कार्यसमिति बैठक संपन्न, संगठन की मजबूती पर दिया जोर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

जिला मुख्यालय मंडी में भाजपा जिला अनुसूचित जाति मोर्चा की कार्यसमिति की बैठक पंचायत समिति संवाद कक्ष में आयोजित की गई। जिसमें मंडी जिला अनुसूचित जति मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। मंडी जिला अनुसूचित जति मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष मनीष चौहान ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत। बैठक में प्रदेश के पदाधिकारी एवं समिति सदस्य एवं जिला मंडी अनुसूचित जाति मांर्चा की पूर्ण कार्यकारणी ने भाग लिया। जबकि जिला मोर्चा के सभी मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, मोर्चा के सभी आईटी संयोजक व सोशल मीडिया संयोजक विशेष रूप से शामिल हुए।

बैठक के दौरान संगठनात्मक विषयों पर सार्थक चर्चा की गई। बैठक में संगठन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने पर विशेष बल दिया गया। प्रदेशाध्यक्ष मनीष चौहान ने संगठन को मजबूत बनाने एवं संगठन के प्रति एकजुट होकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अनुसूचित जति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनीष चौहान, विधायक इंद्र सिंह गांधी, मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष चेतराम एवं जिला भाजपा अध्यक्ष निहाल चंद, जिला मोर्चा के अध्यक्ष खेम चंद संधयाना, महामंत्री अंकुश घोष तथा मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी प्रताप अरनोट उपस्थिति रहे।

खोए सामान के लिए इंडिगो को 1.19 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपभोक्ता फोरम ने इंडिगो एयरलाइन को सऊदी अरब से वापसी यात्रा के दौरान खोए हुए सामान के लिए दो यात्रियों को 1.19 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है। बारामूला-बांदीपोरा जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एयरलाइन को खोए हुए सामान के मूल्य के रूप में 89 हजार रुपये, मानसिक पीड़ा और असुविधा के लिए 20 हजार रुपये और मुकदमेबाजी में खर्च के लिए 10 हजार रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया। आयोग ने आगे निर्देश दिया कि यह राशि 30 दिनों के भीतर भुगतान की जाए, अन्यथा आदेश की तिथि से भुगतान होने तक इस पर 10 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज लगेगा। शिकायतकर्ता मोहम्मद मकबूल हकीम और उनकी पत्नी फरहत आरा ने दम्माम (सऊदी अरब) से दिल्ली होते हुए श्रीनगर की यात्रा की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि दम्माम हवाई अड्डे पर इंडिगो के कर्मचारियों ने उचित सत्यापन के बिना उनके समूह के सामान को एक साथ रख दिया और उन्हें अलग-अलग सामान नहीं दिया। दिल्ली पहुंचने पर एक बैग गायब पाया गया। तस्वीरों सहित सभी आवश्यक विवरण प्रदान करने के बावजूद एयरलाइन सामान का पता लगाने में विफल रही।

6 महीने का निर्णय नहीं, स्थायी सुधार जरूरीः शांता

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने हिमाचल प्रदेश सरकार की आर्थिक नीतियों पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि आर्थिक संकट से जूझ रही सरकार द्वारा कुछ नेताओं का कैबिनेट रैंक वापस लेना स्वागत योग्य कदम तो है, लेकिन यह केवल अस्थायी राजनीतिक निर्णय नहीं होना चाहिए।

शांता कुमार ने बुधवार को एक बयान में कहा कि सरकार ने यह फैसला केवल छह महीने के लिए लिया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह कदम दीर्घकालिक बचत के बजाय तात्कालिक राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या छह महीने बाद प्रदेश का आर्थिक संकट समाप्त हो जाएगा शांता कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार करोड़ों रुपये के कर्ज के बोझ तले दबी हुई है, जिसका मुख्य कारण लगातार बढ़ते खर्चे और आय के साधनों को बढ़ाने में विफलता है। उन्होंने कहा कि खर्चों में कटौती के साथ-साथ संसाधनों को बढ़ाने की दिशा में भी ठोस प्रयास होने चाहिए। उन्होंने अपने कार्यकाल का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकार एक विशाल संस्था होती है, जिसमें एक-एक पैसे की बचत से बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है।

मैंने स्वयं अपने कार्यकाल में मितव्ययिता अपनाकर करोड़ों की बचत की और प्रदेश में विकास कार्यों को गति दी। पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार से आग्रह किया कि अनुभवी नेताओं की एक समिति बनाकर सभी विभागों में खर्चों की समीक्षा की जाए और बचत के स्थायी उपाय लागू किए जाएं। इसके साथ ही आय बढ़ाने के नए स्रोतों की भी तलाश की जानी चाहिए।

बिजली परियोजनाओं का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि हिमाचल की पनबिजली योजनाओं में रॉयल्टी का सिद्धांत उन्होंने ही लागू किया था, लेकिन वर्षों में बिजली के दाम बढ़ने के बावजूद रॉयल्टी में उसी अनुपात में वृद्धि नहीं हुई। उन्होंने प्रदेश सरकार से केंद्र के समक्ष यह मुद्दा मजबूती से उठाने की मांग की।

इसके अलावा उन्होंने जोगिंदरनगर स्थित शानन बिजली परियोजना का मुद्दा भी उठाया और कहा कि यह परियोजना हिमाचल की भूमि और जल संसाधनों पर आधारित होने के बावजूद पंजाब के नियंत्रण में है, जो प्रदेश के साथ अन्याय है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस मुद्दे पर सरकार और विपक्ष मिलकर एक संयुक्त समिति बनाएं और केंद्र सरकार से इसे हिमाचल को सौंपने के लिए संघर्ष करें।

संक्षिप्त-समाचार

शिवसेना हिंदुस्तान ने एलपीजी की कालाबाजारी का पदार्फाश किया, सख्त कार्रवाई की मांग की

जम्मू। बिशनाह में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिवसेना हिंदुस्तान जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष पंडित राजेश केसरी ने कुछ एजेंसियों और डिलीवरी कर्मियों द्वारा घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की व्यापक कालाबाजारी की कड़ी निंदा की। बताया जा रहा है कि ये एजेंसियां और डिलीवरी कर्मी उपभोक्ताओं से 1,100 से 1,300 रुपये प्रति सिलेंडर तक की मनमानी कीमत वसूल रहे हैं। यह सब तब हो रहा है जब सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि केंद्र शासित प्रदेश में एलपीजी की आपूर्ति में कोई कमी नहीं है। केसरी ने इस अत्यधिक मूल्य वसूली को न केवल अनैतिक बल्कि एक गंभीर आपराधिक कृत्य बताया जो आम परिवारों का शोषण करता है और आवश्यक सेवाओं में जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाता है। केसरी ने सरकारी अधिकारियों से सरकारी दरों का उल्लंघन करने वाली एजेंसियों या डिलीवरी कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने सहित तत्काल और निर्णायक कार्रवाई करने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आवश्यक वस्तुओं से मुनाफाखोरी किसी भी परिस्थिति में अस्वीकार्य है और यह जनता के कल्याण पर सीधा हमला है। पार्टी के सक्रिय दृष्टिकोण को उजागर करते हुए केसरी ने घोषणा की कि शिवसेना हिंदुस्तान के स्वयंसेवक आने वाले दिनों में एलपीजी वितरकों के बाहर तैनात रहेंगे ताकि बिक्री पर कड़ी निगरानी रखी जा सके वास्तविक उपभोक्ताओं की सहायता की जा सके और किसी भी अनुचित प्रथा को रोका जा सके

सिविल सेवाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को उपायुक्त ने दिए टिप्स

मंडी। जिला प्रशासन मंडी द्वारा सिविल सेवाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए भविष्य सेतु कार्यक्रम के अंतर्गत सिविल सर्विसिज प्रीमियर वर्कशॉप फॉर आईएएस/एचपीएएस एस्पीरेंट्स का आयोजन आज डीआरडीए हॉल में किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता उपायुक्त अपूर्व देवगन ने की। इस अवसर पर अपूर्व देवगन ने कहा कि सिविल सेवाएं युवाओं के लिए देश और समाज की सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि सही दिशा, निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ युवा इन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हुए अनुशासन और धैर्य के साथ तैयारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए और उसके अनुरूप रणनीति बनानी चाहिए। नियमित अध्ययन, मॉक टेस्ट और उत्तर लेखन अभ्यास सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने युवाओं को समय का सदुपयोग करने और समसामयिक विषयों पर मजबूत पकड़ बनाने की भी सलाह दी। उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा शुरू किया गया भविष्य सेतु कार्यक्रम युवाओं को करियर मार्गदर्शन प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

हिमाचल में सरकारी कर्मचारियों के लिए सख्त ड्रेस कोड, जींस-टीशर्ट पर रोक

शिमला। हिमाचल प्रदेश की सूक्खु सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए ड्रेस कोड को सख्ती से लागू करने और सोशल मीडिया पर अनुशासन बनाए रखने के स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। नए आदेश के मुताबिक अब दफ्तरों में जींस और टी-शर्ट पहनने पर रोक रहेगी, कर्मचारियों को केवल औपचारिक और सादे कपड़े पहनने होंगे और सोशल मीडिया पर सरकार की नीतियों या राजनीतिक-धार्मिक मुद्दों पर टिप्पणी करने से भी बचना होगा। बिना अनुमति किसी भी सरकारी दस्तावेज या जानकारी को साझा करने पर भी सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जारी इस आदेश में मुख्य सचिव कार्यालय ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, उपायुक्तों और विभिन्न बोर्ड, निगम, विश्वविद्यालय और स्वायत्त संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे इन नियमों का पालन सुनिश्चित करें। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन निर्देशों का उल्लंघन करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने अपने आदेश में 3 अगस्त 2017 को जारी निर्देशों का हवाला देते हुए कहा है कि सरकारी कर्मचारियों को हमेशा औपचारिक, साफ-सुथरे और सादे रंगों के कपड़े पहनने चाहिए। कोर्ट में पेशी या कार्यालय में उपस्थिति के दौरान कैजुअल या पार्टी वियर से पूरी तरह परहेज करना होगा। आदेश में कहा गया है कि सरकारी कर्मचारी का पहनावा उसके पेशेवर व्यवहार और कार्यस्थल की गरिमा को दशार्ता है। ड्रेस कोड को लेकर आदेश में स्पष्ट किया गया है कि पुरुष कर्मचारी शर्ट-पैंट, ट्राउजर या कॉलर वाली शर्ट के साथ जूते या सैंडल पहनें, जबकि महिला कर्मचारियों के लिए साड़ी, सलवार-सूट, चूड़ीदार-कुर्ता या अन्य औपचारिक परिधान निर्धारित किए गए हैं।

मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान जारी

उधमपुर। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ जारी अभियान के तहत ऊधमपुर पुलिस ने रामनगर में अलग-अलग घटनाओं में दो मादक पदार्थों के तस्करों 12.53 ग्राम हैरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस स्टेशन रामनगर की एक पुलिस टीम ने नाका प्वाइंट, रामनगर पर नाका चेकिंग ड्यूटी के दौरान एक स्कूटी सवार नंबर (जे.के,14,एफ-8194) है, को पकड़ा। पूछताछ करने पर सवार ने अपनी पहचान राहत अमान पुत्र मोहम्मद फारूक मलिक निवासी किरमू, तहसील रामनगर, वर्तमान में वार्ड नंबर 06 रामनगर के रूप में बताई। व्यक्तिगत तलाशी के दौरान उसके पास से 6.21 ग्राम हैरोइन बरामद की गई। तदनुसार पुलिस स्टेशन रामनगर में धारा 8/21/22 एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 35/2026 दर्ज की गई है और जांच शुरू कर दी गई है। वहीं एक अन्य मामले में रामनगर पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने नाका प्वाइंट पर चेकिंग ड्यूटी के दौरान बाइक नंबर (जे.के,14,डी-2375) के सवार को पकड़ा।

दैनिक **सिटी दर्पण** आईना सच का

नवोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा, स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः स्व. सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।

संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

जिले में आर्थिक विकास प्रदान करने के लिए आपसी समन्वय से करें कार्यः गुरसिमर सिंह

मंडी। जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक आज अतिरिक्त उपायुक्त गुरसिमर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें जिले में संचालित विभिन्न बैंकिंग योजनाओं और वित्तीय समावेशन कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। अतिरिक्त उपायुक्त ने सभी बैंकों को निर्देश दिए कि वे ऋण वितरण में तेजी लाएं और विशेष रूप से स्वरोजगार योजनाओं, किसान क्रेडिट कार्ड तथा महिला स्वयं सहायता समूहों को प्राथमिकता दें, ताकि पात्र लाभार्थियों तक सरकार की योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित हो। उन्होंने उपस्थित सभी विभागों के अधिकारियों को एक सप्ताह में अपने-अपने विभाग से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम की सूची उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए ताकि लोगों को ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र (आरसेटी) के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्वावलंबी बनाया जा सके। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि सभी बैंक और संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें ताकि जिले में आर्थिक विकास को और गति मिल सके। बैठक में बताया गया कि आरसेटी द्वारा अप्रैल से दिसंबर, 2025 तक 16 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें 488 लोगों को प्रशिक्षित किया गया।

भाजपा शास्त्री नगर मंडल की ओर से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शास्त्री नगर मंडल ने पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के अंतर्गत गंग्याल कार्यालय रामलीला मैदान में दो दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया। यह पहल पार्टी की वैचारिक नींव और संगठनात्मक शक्ति को सुदृढ़ करने के राष्ट्रव्यापी अभियान के अनुरूप थी जिसका उद्देश्य पार्टी कार्यकताओं की क्षमता बढ़ाना, वैचारिक स्पष्टता को गहरा करना और मंडल से लेकर बूथ तक सभी स्तरों पर अनुशासित कार्यप्रणाली को बढ़ावा देना था। यह कार्यशाला भाजपा जिला अध्यक्ष जम्मू दक्षिण नरेश सिंह जसरोटिया के गतिशील नेतृत्व में आयोजित की गई जिन्होंने जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कार्यक्रम का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ जो ज्ञान, समर्पण और ज्ञान की खोज का प्रतीक है। इस अवसर पर राज्य और जिला स्तर के सम्मानित वरिष्ठ भाजपा नेताओं की उपस्थिति रही। मंडल स्तर की इस कार्यशाला का प्राथमिक उद्देश्य कार्यकताओं को उन्नत कौशल, पार्टी की विचारधारा की स्पष्ट समझ और पार्टी गतिविधियों के प्रति अनुशासित दृष्टिकोण प्रदान करके भाजपा की संगठनात्मक संरचना को सुदृढ़ करना था। यह कार्यशाला सार्थक चचाओं, विचार-विमर्श और ज्ञान-साझाकरण सत्रों के लिए एक संवादात्मक मंच के रूप में कार्य करती है जिससे प्रतिभागियों को भारतीय मूल्यों पर आधारित एक सशक्त, एकजुट और कुशल संगठन के निर्माण के भाजपा के व्यापक दृष्टिकोण के साथ अपने प्रयासों को बेहतर ढंग से संरेखित करने में मदद मिलती है।

सर्व देवता सेवा समिति ने देवी-देवताओं के प्रति सराहनीय भूमिका के लिए उपायुक्त को किया सम्मानित

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

सर्व देवता सेवा समिति जिला मंडी की ओर से शिवरात्रि मेलों के दौरान देवी-देवताओं के प्रति सराहनीय भूमिका के लिए मेला कमेटी अध्यक्ष उपायुक्त मंडी को सम्मानित किया है। सर्व देवता सेवा समिति के अध्यक्ष शिवपाल शर्मा ने बताया कि कारदारों की कार्यकारिणी द्वारा उपायुक्त अपूर्व देवगन को उनकी देवताओं के प्रति कार्यशैली को देखते हुए सम्मानित किया गया।

उन्होंने बताया कि बीते तीन शिवरात्रि मेलों के आयोजन में उपायुक्त महोदय की देवी देवताओं के प्रति सराहनीय भूमिका रही है। जैसे पहली शिवरात्रि में जो माननीय मुख्यमत्री हिमाचल प्रदेश ने आधा बीघा भूमि देवताओं के मंदिरों के पास सामुदायिक भवन बनाने हेतु घोषणा की थी। भूमि को स्वीकृत करने के लिए अपने अधिनिष्ट अधिकारियों को मामलों को तैयार करने के लिए समय निर्धारित किया। उस निर्धारित समय में ही कुछ मामले स्वीकृत कर दिएगए। इसके अतिरिक्त सर्व देवता समिति और जन मानस की मांग पर पंजीकृत देवी-देवताओं को पड्डल मैदान में बैठने के लिए स्थाई स्थान उपलब्ध करवाया गया। जिसकी समस्त कारदारों ओर आम जनमानस ने सराहना की।

देवताओं के कार्य के अतिरिक्त प्राकृतिक आपदा के दौरान मार्ग अवरुद्ध होने के कारण भी उन्होंने पैदल चलकर लोगों को राहत पहुंचाई, यह भी एक सराहनीय कार्य है। इस बैठक में भीम चंद सरोच वरिष्ठ उप प्रधान, तीर्थ राज, हुकम चंद, राजू राम, गोविंद ठाकुर उप प्रधान, दिनेश शर्मा महासचिव, सुरेंद्र गुलेरिया सचिव, राजेंद्र गुलेरिया कोषाध्यक्ष, घनश्याम ठाकुर, तोलू राम, लेखराज पटियाल, खीमा राम संगठन सचिव, रेवती राम, डिक पाल शर्मा मुख्य सलाहकार, इंद्र सिंह, बाले राम, गुलाब ठाकुर, हीरा सिंह, तेज राम, हरि सिंह आदि आदि मौजूद रहे।

हरिनगर में पंजाब के श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, एक की मौत

एजेंसी (हि.स.)
ऊना

बंगाणा पुलिस थाना क्षेत्र के तहत हरिनगर में श्रद्धालुओं की बस पलटने से बस परिचालक की मौत हो गई। जबकि हादसे में 10 श्रद्धालु घायल हो गए। मृतक की पहचान त्रिलोक सिंह (28) निवासी फगवाड़ा (पंजाब) के रुप में हुई है। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ बीएनएसव व मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार कपूरथला जिला के खलवाड़ा कालोनी से 60 श्रद्धालु बस में सवार होकर बाबा बालक नाथ मंदिर में माथा टेकने के लिए जा रहे थे। मंगलवार रात करीब साढे 9 बजे बंगाणा के हरि नगर के समीप अचानक बस अनियंत्रित होकर सडक पर पलट गई। हादसे के बाद श्रद्धालुओं में चीखों-पुकार मच गई। बस पलटने के बाद जोरधार आवाज को सुनकर आसपास के लोग घटना स्थल पर पहुंचे। लोगों ने बस में फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकाला। इसके बाद स्थानीय लोगों ने अपने वाहनों में घायल श्रद्धालुओं को उपचार के लिए बंगाणा अस्पताल में पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने परिचालक त्रिलोक सिंह को मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य घायलों का उपचार जारी है। हादसे के बाद बस चालक मौका से फरार हो गया। जिसे दबोचने के लिए पुलिस जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि मृतक त्रिलोक सिंह की अभी हाल ही में शादी हुई है। उक्त सूचना जैसे ही उसके घर पहुंची तो गांव में मातम का माहौल छा गया। उधर, एसपी सचिन हिरेमथ ने बताया कि पुलिस ने अज्ञात बस चालक के खिलाफ बीएनएस व एमवी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मृतक युवक का क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में पोस्टमार्टम करवाया गया है। पुलिस मामले को लेकर जांच में जुटी हुई है। हादसे में कमला पत्नि गुरजीत, स्वर्ण कौर पत्नि गुरविंद्र सिंह, बुध राज पुत्र सरदारी लाल, चमन लाल पुत्र भगत राम, मंगा पुत्र त्रिलोक चंद, मंजीत कौर पत्नि बलकार सिंह, कृष्णा पत्नि सेवा राम घायल हुए है।

मौसम 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी

हिमाचल में फिर बर्फबारी, 20 मार्च तक ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में मौसम के कड़े तेवर जारी हैं। राज्य के ऊंचाई वाले इलाकों में एक बार फिर ताजा बर्फबारी से ठंड बढ़ गई है, जबकि शिमला, मनाली और अन्य निचले क्षेत्रों में बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने 20 मार्च तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। विभाग के अनुसार इस दौरान कई इलाकों में भारी बारिश, बर्फबारी और ओलावृष्टि हो सकती है। साथ ही 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी चेतावनी दी गई है। बीती रात लाहौल-स्पीति के गोंदला, कुकुमसेरी, केलंग और हंसा जैसे क्षेत्रों में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई। किन्नौर, कुल्लू और लाहौल-स्पीति के ऊंचे इलाकों में लगातार बर्फ गिरने से जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार 18 से 20 मार्च तक मौसम ज्यादा सक्रिय रहेगा, जबकि 20 मार्च को येलो अलर्ट रहेगा। इसके बाद 22 से 24 मार्च तक भी मौसम खराब बना रहेगा, हालांकि इन दिनों के लिए कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। इस बीच भारी बर्फबारी के कारण कुल्लू-लाहौल क्षेत्र में हालात चुनौतीपूर्ण हो गए थे। अटल टनल रोहतांग के साउथ पोर्टल, सिस्सू और आसपास के इलाकों में करीब 2 हजार वाहन फंस गए थे। पुलिस ने बॉर्डर रोड्स ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) और प्रशासन के सहयोग से बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। यह अभियान 15 मार्च से शुरू होकर 17 मार्च की शाम तक जारी रहा। इस दौरान करीब 10 हजार से अधिक पर्यटकों को सुरक्षित निकालकर मनाली की ओर भेजा गया। राहत की बात यह रही कि पूरे अभियान में कोई भी अप्रिय घटना सामने नहीं आई। प्रशासन ने आगामी दिनों में फिर बर्फबारी की संभावना को देखते हुए लोगों और पर्यटकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। खासकर ऊंचाई वाले क्षेत्रों की यात्रा से बचने को कहा गया है।

कश्मीर के ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई, घाटी में बारिश का दौर

श्रीनगर। कश्मीर के ऊंचाई वाले कुछ इलाकों में बुधवार को ताजा बर्फबारी हुई, जबकि घाटी के अधिकांश हिस्सों में बारिश होने से तापमान में गिरावट आई। शोपियां जिले में मुगल रोड के पास पीर की गली और सोनमर्ग से ताजा बर्फबारी की खबरें मिलीं, जबकि घाटी के अधिकांश पहाड़ बर्फ की परतों से ढके रहे। श्रीनगर समेत मैदानी इलाकों में बारिश हुई, जो बुधवार को आखिरी रिपोर्ट आने तक जारी रही। रविवार से घाटी के ऊंचे इलाकों में रुक-रुक कर बर्फबारी हो रही है। मंगलवार को श्रीनगर में अधिकतम तापमान 14.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम है। घाटी के अन्य मौसम केन्द्रों पर भी तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। पिछले कुछ दिनों से कश्मीर में बादल छाए रहने के कारण दिन ठंडे और रातें गर्म हो रही हैं। दिन के निचले तापमान ने पिछले कुछ हफ्तों से घाटी में चल रहे असामान्य रूप से उच्च तापमान के रुझान को तोड़ दिया है। मौसम विभाग ने 20 मार्च तक अनियमित मौसम की संभावना जताई है। कई स्थानों पर रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है। चिनाब घाटी और दक्षिण कश्मीर के कुछ ऊंचे इलाकों में मध्यम से भारी बर्फबारी हो सकती है। मौसम कार्यालय के अनुसार 26-28 मार्च तक एक और बारिश की संभावना है और ऊंचाई वाले स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है। इसमें कहा गया है कि 20 मार्च तक कुछ स्थानों पर लगभग 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गरज तेज हवाएं चलने की संभावना है। साथ ही अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है। मौसम विभाग ने किसानों को 20 मार्च तक कृषि कार्य स्थगित करने की सलाह दी है।

धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र ने पूरी धरा को दिया कर्म करने का संदेश: सुमन सैनी

अष्टकोसी तीर्थों की यात्रा पूरी करने पर मोक्ष की होती है प्राप्ति

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र एक धार्मिक नगरी है। इस धरा ने सदा पूरे विश्व को कर्म करने का संदेश दिया है और इस मार्ग पर चलते हुए कर्म करते रहना ही मनुष्य का प्रथम लक्ष्य होना चाहिए। इसी कड़ी में शहर की धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से अष्टकोसी तीर्थों की यात्रा का शुभारंभ किया गया है। यह अष्टकोसी यात्रा पवित्र सरस्वती के किनारे स्थित विभिन्न तीर्थों पर पहुंचेंगी।

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी बुधवार को अष्टद्दकोसी यात्रा को लेकर चिट्टद्दा मंदिर पिपली में आयोजित कार्यक्रम में बोल रही थी। इसके बाद उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने अष्टद्दकोसी यात्रा में तीर्थ यात्रियों के साथ यात्रा भी की। इससे पहले सुबह के समय दर्रा खेड़ा नाभकमल मंदिर में केडीबी व संस्थाओं के सहयोग से आयोजित अष्टद्दकोसी यात्रा का हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुमन सिंह किरमच, नप की पूर्व अध्यक्षा उमा सुधा, केडीबी के मानद सचिव उपेंद्र सिंघल, सीईओ केडीबी पंकज सेतिया ने नाभकमल मंदिर में पूजा-अर्चना कर अष्टकोसी तीर्थ यात्रा का विधिवत शुभारंभ किया।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र के अष्टकोसी तीर्थों की यात्रा ऐतिहासिक और यादगार रहेगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से कुरुक्षेत्र की प्राचीन और ऐतिहासिक परम्पराओं को जीवंत करने का प्रयास किया जा रहा है। इन प्रयासों में अष्टकोसी यात्रा भी शामिल है। कुरुक्षेत्र की परिक्रमा वास्तव में सन्निहित सरोवर की परिक्रमा है इस तीर्थ का विस्तार चारों दिशाओं में दो-दो कोस था, तीर्थ के तट पर स्थापित मंदिरों में दान व स्नान की परम्परा सदियों से चली आ रही है कुरुक्षेत्र की अष्टकोसी परिक्रमा भी पितृ जनों की मुक्ति दिलाने वाली व अक्षय फल प्राप्त गामी होती है।

हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुमन सिंह किरमच ने कहा कि कुरुक्षेत्र अष्टकोसी परिक्रमा हजारों साल पुरानी है। सर्वप्रथम ब्रह्मा विष्णु महेश त्रिदेवों ने उपवास रख जन नियंता भगवान ने सृष्टि का निर्माण करने के लिए अष्टकोशी की परिक्रमा की और अपने-अपने देवत्व भार को ग्रहण कर सृष्टि संयोजन का कार्य प्रारंभ किया। त्रिदेवों के पश्चात सैकड़ों सालों से सदैव प्रतिवर्ष देवता और धार्मिक पुरुषों ने अष्टकोसी भूमि की यात्रा अनवरत रूप से जारी रखी। एक बार यात्रा करने पर मनुष्य की समस्त मनोकामना को पूरा करने वाली, दो बार अष्टकोसी यात्रा करने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है और तीन बार अष्टकोसी यात्रा करने पर अक्षय लोक की प्राप्ति होती है। आदिकाल से चली आ रही यह परिक्रमा साहसिक तीर्थ यात्रा है। खेतों की छोटी-छोटी पगडंडी पर सरस्वती नदी के किनारे किनारे चलते हुए लगभग 24 किलोमीटर की यह यात्रा सूर्योदय से नाभकमल मंदिर से चलकर नाभ कमल मंदिर में सूर्यास्त तक पूर्ण होती है।

केडीबी के मानद सचिव उपेंद्र सिंघल ने कहा कि कुरुक्षेत्र मोक्षदायक धार्मिक प्रसिद्ध ऐतिहासिक तीर्थ है। यह केवल महाभारत युद्ध भूमि ही नहीं, भगवान कृष्ण के मुखारविंद से प्रकट हुई गीता जन्मस्थली भी है, राजा कुरु के अष्टांग योग यज्ञ, तप,सत्य, क्षमा, दया, शौच, दान, ब्रह्मचर्य से परिपूर्ण मोक्ष प्रदायक स्थान भी है। यह यात्रा नाभकमल तीर्थ से शुरू होकर सरस्वती के किनारे ओजस तीर्थ से होते हुए स्थानेश्वर तीर्थ, कुबेर तीर्थ, बदर पाचन तीर्थ, क्षीर सागर तीर्थ, पूर्ववाहिनी सरस्वती तीर्थ खेडी मारकंडा, दधीचि तीर्थ, वृद्ध कन्या तीर्थ, रन्तुक यक्ष, पावन तीर्थ, औघड़ तीर्थ, बाणगंगा, उपगया तीर्थ, नरकतारी बाणगंगा से होते हुए नाभकमल पर समाप्त हुई।

इस मौके पर सीएम मीडिया कोआर्डिनेटर कुरुक्षेत्र तुषार सैनी, सैनी समाज सभा के प्रधान गुरनाम सिंह सैनी, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र दबखेड़ा, केडीबी सदस्य विजय नरुला, अशोक रोशा, राजेश शांडिल्य, हरमेश सैनी, अखिलेश मोदगिल, अमित रोहिला, महंत बंसीपुरी महाराज, महंत रामावतार, महंत विशाल मुनी, पूनम सैनी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

राज्य में घरेलू गैस की कोई किल्लत नहीं नागरिक आश्वस्त रहें : राजेश नागर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर ने आज खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग और तेल कंपनियों के अधिकारियों के साथ एक बैठक की। बैठक में वर्तमान में मध्य पूर्व में उत्पन्न युद्ध जैसी परिस्थितियों के कारण एलपीजी गैस की आपूर्ति बाधित होने सम्बन्धी फैल रही अफवाहों की स्थिति की समीक्षा की गई।

बैठक में राज्य मंत्री श्री नागर ने कहा कि राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य है। श्री नागर ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य भर में तेल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा 17.3.2026 को 14.2 किलो के कुल 2,26,162 घरेलू गैस सिलेंडरों की सप्लाई की गई है। इस समय राज्य भर में बॉटलिंग प्लांट्स पर एलपीजी गैस सिलेंडर की कुल भंडार 11,39,787 है।

उन्होंने बताया कि राज्य भर में 17.3.2026 को 19 किलो के कुल 1422 कमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई की गई है तथा इस समय राज्य भर में बॉटलिंग प्लांट्स पर कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कुल भंडार संख्या 1,90,088 है। राज्य मंत्री ने कहा कि उपरोक्त के मद्देनजर हरियाणा राज्य में घरेलू एवं व्यावसायिक सिलेंडरों की भरपूर मात्रा में उपलब्धता है।

राज्यमंत्री श्री नागर ने कहा कि भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा 9 मार्च, 2026 को जारी एक महत्वपूर्ण पत्र में प्राथमिक क्षेत्रों के लिए घरेलू एलपीजी गैस की आपूर्ति, उसके समुचित एवं समान वितरण तथा उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इन दिशा-निर्देशों के अनुपालन में हरियाणा सरकार ने तत्काल प्रभाव से सभी आवश्यक कदम उठाए हैं।

वर्तमान में हरियाणा राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू रूप से चल रही है। प्रमुख तेल कंपनियां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) एवं हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

प्राथमिकता के आधार पर कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों एवं अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े प्रतिष्ठानों को सुनिश्चित की जा रही है। शेष वितरण को सामान्य करने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है।

राज्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का प्राथमिक उद्देश्य हर घर में रसोई गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करवाना और सुनिश्चित करना है कि वाहनों के इंजन सुचारू रूप से चलते रहें। केंद्र सरकार के सहयोग से हमने राज्य स्तर पर मजबूत वितरण नेटवर्क विकसित किया है, जिसमें 600 से अधिक वितरक शामिल हैं। इनके माध्यम से प्रतिदिन लाखों सिलेंडर वितरित किए जा रहे हैं।

अन्नदाता की सुविधा के लिए तकनीक और व्यवहार दोनों में किया बदलाव

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति राज्य मंत्री श्री राजेश नागर ने आज वीसी के माध्यम से प्रदेश के सभी जिला आपूर्ति नियंत्रकों की बैठक ली जिसमें आगामी रबी सीजन में जिला वार गेहूं खरीद का लक्ष्य निर्धारित करने, खरीद एजेंसियों की तैयारी और स्टाफ की उपलब्धता आदि मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजा शेखर वुंडरु भी उपस्थित थे। इस दौरान राज्य मंत्री श्री नागर ने हरियाणा की मंडियों में आगामी एक अप्रैल से रबी सीजन के अन्तर्गत गेहूं की खरीद के दौरान मंडियों में तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। श्री नागर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में किसान भाइयों के लिए पीने के पानी, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, शेड व बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित करने सहित सफाई एवं स्वच्छता की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बैठक में श्री नागर ने प्रचुर बारदाना की आपूर्ति एवं प्रबंध करने, खरीदे गए गेहूं का मंडियों से समय पर उठान करवाने, गोदाम में भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था करने, अनाज उठाने के लिए पर्याप्त ट्रांसपोर्ट की उपलब्धता करवाने, परिवहन में हेराफेरी की आशंका को रोकने और न्यूनतम समर्थन मूल्य का भुगतान निर्धारित समय सीमा 48 से 72 घंटे में सुनिश्चित करने के बारे में भी दिशा-निर्देश दिए।

राज्य मंत्री श्री राजेश नागर ने कहा कि किसान को भुगतान में किसी प्रकार से देरी नहीं होनी चाहिए। इसके साथ-साथ गेहूं खरीद में गुणवत्ता मानकों का सही तरीके से पालन करने, नमी की मात्रा, आदि की सही जांच करने, खरीद एजेंसी, मंडी बोर्ड और जिला प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल कर अन्नदाता किसान को अच्छा अनुभव देने के लिए भी निर्देश दिए।

श्रीदेवीकूप भद्रकाली मंदिर प्रदेश का एकमात्र प्राचीन शक्तिपीठ: प्रो. घोष

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि हरियाणा प्रदेश का श्री देवीकूप भद्रकाली मंदिर एकमात्र प्राचीन शक्तिपीठ है, जहां पांडवों ने युद्ध में विजय के बाद पूजा की थी। इसका प्रदेशभर में मान्यता है। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर श्री देवीकूप भद्रकाली मंदिर में भव्य शोभायात्रा निकाली जा रहा है। ये त्योहार हिंदू नववर्ष के आगमन का प्रतीक है। इस दौरान पवित्र ज्योति के साथ शोभायात्रा पूरे नगर का भ्रमण कर रही है।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष बुधवार को श्री देवीकूप भद्रकाली मंदिर की शोभायात्रा को विधि पूर्वक पूजा अर्चना कर आरंभ किया। इसके बाद राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने धर्मपत्नी मित्रा घोष के साथ भद्रकाली मंदिर में मंत्रोच्चारण के साथ पूजा की और हवन में पूणार्हुति डाली। यहां पर पीठाध्यक्ष पंडित सतपाल शर्मा ने परम्परा अनुसार राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष से पूजा करवाई और स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस मौके पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली, पीठाध्यक्ष पंडित सतपाल शर्मा भी मौजूद रहे। राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को चैत्र नवरात्र व हिंदू नववर्ष की बधाई व शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि हम सभी सनातन से जुड़े हुए हैं। सभी को अपने धर्म के प्रति सजग रहना है और आने वाली पीढ़ी को भी सनातन से साथ जोडना है। हमारे प्राचीन मंदिर हमें अपने संस्कारों को जिंदा रखने की सीख देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की लगभग 500 वर्ष पुरानी मांग श्रीराम मंदिर की स्थापना की। जिसे पूरे देश ने त्योहार की तरह मनाया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार ने देशवासियों को सनातन के साथ जोडने का काम किया है। युवाओं व आने वाली पीढ़ी को संस्कार देने के लिए प्रदेश सरकार महापुरुषों की जयंती को प्रदेश स्तर पर सरकारी लेवल पर मना रही है। उन्होंने कहा कि महापुरुष किसी विशेष समाज व धर्म से जुड़े हुए नहीं है, बल्कि समाज को रास्ता दिखाने वाले होते हैं। ऐसे महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। पीठाध्यक्ष पंडित सतपाल शर्मा ने कहा कि इस शोभायात्रा में भक्तों की भारी भीड़ और आस्था देखने को मिली है। यात्रा में 1100 महिलाएं कलश लेकर साथ-साथ चली, 1100 युवाओं ने हाथ में ध्वजा लेकर यात्रा में शामिल हुए। इसके साथ विभिन्न देवी-देवताओं पर आधारित झांकियां निकाली गई। उन्होंने कहा कि चैत नवरात्र के अवसर पर नौ दिवसीय नवरात्रि उत्सव में कलश स्थापना, भजन संध्या, भंडारे और मां का खजाना वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस मौके पर उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, डीएमसी अमन कुमार, मुख्यमंत्री के मीडिया कोर्डिनेटर तुषार सैनी, जयभगवान शर्मा डीडी, मां भद्रकाली सेवा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र वालिया, सौरभ चौधरी, सुशील राणा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

सैकण्डरी की 25 मार्च एवं सीनियर सैकेण्डरी की 30 व 31 मार्च को संचालित होगी रद्द हुए विषयों की पुन: परीक्षा

चंडीगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा संचालित करवाई गई सैकेण्डरी व सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक) परीक्षा मार्च-2026 में कुछ परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा की पवित्रता भंग होने के कारण रद्द विषयों की पुनः परीक्षा सैकेण्डरी की 25 व सीनियर सैकेण्डरी की 30 व 31 मार्च को दोपहर 12:30 से सायं 03:30 बजे तक संचालित करवाई जाएगी। इन परीक्षाओं में 968 परीक्षार्थी भाग लेंगे। परीक्षा की पवित्रता भंग होने के कारण सैकेण्डरी परीक्षा के रद्द किए गए विषयों की पुनः परीक्षा 25 मार्च, 2026 को करवाई जाएगी। बोर्ड अध्यक्ष डॉ० पवन कुमार ने बताया कि जिला चरखी-दादरी के परीक्षा केंद्र रा.क.व.मा.वि., रानीला-02 की गणित(आधार/मानक) विषय की 26 फरवरी की रद्द हुई परीक्षा अब रा.क.व.मा.वि., नजदीक काठ मंडी, चरखी-दादरी-02(बी-1) परीक्षा केंद्र पर तथा जिला-जींद के परीक्षा केन्द्र पीएसपीएम व.मा.वि.,झमोला परीक्षा केंद्र की हिन्दी विषय की 28 फरवरी की रद्द हुई परीक्षा अब रा.क.व.मा.वि., जुलाना-01(बी-1) परीक्षा केंद्र पर 25 मार्च, 2026 को दोपहर 12:30 से सायं 03:30 बजे तक संचालित करवाई जाएगी। इस प्रकार सीनियर सैकण्डरी परीक्षा के रद्द किए गए विषयों की पुनः परीक्षा 30 व 31 मार्च, 2026 को संचालित करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला-झज्जर के परीक्षा केन्द्र रा.व.मा.वि., लडरावन की इतिहास व जीव विज्ञान विषय की 06 मार्च की रद्द हुई परीक्षा अब परीक्षा केन्द्र रा.क.व.मा.वि., झज्जर-04 (बी-1) एवं जिला पलवल के परीक्षा केन्द्र रा.क.व.मा.वि., अलावलपुर-02(बी-1) की रसायन विज्ञान एवं लेखांकन विषय की 09 मार्च की रद्द हुई परीक्षा अब परीक्षा केन्द्र डी.जी. खान हिन्दू व.मा.वि., रेलवे रोड, पलवल -04(बी-1)परीक्षा केंद्र पर तथा जिला-चरखी-दादरी के परीक्षा केन्द्र रा.क.व.मा.वि., बाढड़ा-03(बी-1) पर संचालित हुई रसायन विज्ञान की 09 मार्च की रद्द हुई परीक्षा 30 मार्च, 2026 को एवं इसी केंद्र पर 11 मार्च संचालित हुई कंप्यूटर साइंस की रद्द हुई परीक्षा 31 मार्च, 2026 को दोपहर 12:30 से सायं 03:30 बजे तक पुनः संचालित करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस संदर्भ में संबंधित विद्यालय मुखियाओं को ई-मेल व दूरभाष के माध्यम से भी सूचित कर दिया गया है। परीक्षाओं का समय दोपहर 12:30 बजे से सायं 03:30 बजे तक रहेगा। परीक्षार्थियों को परीक्षा से 30 मिनट पूर्व अर्थात 12:00 बजे केन्द्र पर पहुँचना होगा। इसके पश्चात परीक्षार्थियों का केन्द्र में प्रवेश वर्जित रहेगा।

ईआरएसएस-112 संचार अधिकारियों हेतु मानसिक स्वास्थ्य संकट प्रबंधन पर प्रशिक्षण आयोजित

चंडीगढ़। ईआरएसएस-112 के संचार अधिकारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य संकट प्रबंधन पर एक विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण सत्र प्रतिष्ठित मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य निदेशक डॉ. ब्रह्मदीप, डॉ. एम.पी. शर्मा तथा सिविल अस्पताल, पंचकूला की मनोवैज्ञानिक सामाजिक कार्यकर्ता अंकिता चौधरी ने मुख्य भूमिका निभाई। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य 112 संचार अधिकारियों की क्षमता को सुदृढ़ करना था, ताकि वे आत्महत्या, आत्म-क्षति, अवसाद एवं तनाव से जुड़े मामलों जैसे मानसिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों को प्रभावी ढंग से संभाल सकें। चूंकि ये अधिकारी संकट की स्थिति में प्रथम संपर्क बिंदु होते हैं, इसलिए उन्हें संवेदनशीलता, सहानुभूति और पेशेवर तरीके से प्रतिक्रिया देने हेतु व्यावहारिक कौशल प्रदान किए गए। प्रशिक्षण के दौरान ₹कॉल के दौरान मौखिक संकेतों के माध्यम से आत्महत्या एवं आत्म-क्षति के चेतावनी संकेतों की पहचान करने₹ , सक्रिय सुनने एवं डी-एस्केलेशन तकनीकों के माध्यम से तनावग्रस्त कॉलर्स का प्रबंधन करने , फोन पर त्वरित भावनात्मक सहयोग एवं आश्वासन प्रदान करने ,अवसाद, चिंता एवं तनाव जैसी सामान्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की समझ होने , आपातकालीन एवं मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ समयबद्ध समन्वय एवं रेफरल सुनिश्चित करने जैसे प्रमुख बिंदुओं की समझ होने पर बल दिया गया। प्रशिक्षण में इंटरैक्टिव अभ्यासों एवं वास्तविक जीवन पर आधारित परिदृश्य शामिल किए गए, जिससे प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ और उनका आत्मविश्वास बढ़ा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत त्रि-भाषाई सूत्र लागू

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को पढ़ना होगा एक अतिरिक्त अनिवार्य विषय
- बोर्ड प्रकाशित करवाने जा रहा है स्मार्ट पाठ्यपुस्तक, क्यूआर कोड को स्कैन करके विषय को विस्तार से समझ सकेंगे विद्यार्थी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत त्रि-भाषाई सूत्र लागू करने का निर्णय लिया है। इसके अनुसार कक्षा 9वीं व 10वीं के विद्यार्थियों को हिन्दी व अंग्रेजी के अलावा एक अन्य भाषा पढ़नी होगी, जिसमें संस्कृत/उर्दू/पंजाबी में से किसी एक भाषा को अनिवार्य भाषा के रूप में चयन करना आवश्यक होगा। इस आशय की विस्तृत जानकारी देते हुए बोर्ड अध्यक्ष डॉ० पवन कुमार ने बताया कि इस निर्णय से विद्यार्थियों के भाषाई कौशल में सुधार होगा और बहुभाषिक शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस नई व्यवस्था के तहत अब विद्यार्थियों को कुल सात विषयों का अध्ययन करना होगा, जिनमें छः अनिवार्य एवं एक वैकल्पिक विषय होगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर हरियाणा के विद्यार्थी वैकल्पिक भाषा पढ़ेंगे तो इससे रोजगार के अवसर अन्य प्रदेशों में भी बढ़ेंगे, दूसरे प्रदेशों से अच्छा समन्वय भी स्थापित होगा और प्रदेश में शिक्षा का स्तर भी ऊंचा होगा। उन्होंने बताया कि त्रि-भाषाई सूत्र लागू होने से विद्यार्थियों को कुल छः अनिवार्य विषयों एवं एक वैकल्पिक विषय सहित कुल सात विषयों का अध्ययन करना होगा और छः विषयों को पास करने की बाध्यता रहेगी। ऐसे में वर्तमान में प्रचलित बेस्ट फाइव फॉमूर्ले के स्थान पर बेस्ट सिक्स फॉमूर्ला लागू किया जाएगा। त्रि-भाषाई सूत्र हरियाणा मुक्त विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए भी लागू रहेगा। उन्होंने आगे बताया कि शारीरिक रूप से अक्षम विद्यार्थियों को वर्तमान में विषय प्रणाली अनुसार अनिवार्य दो भाषाओं में से किसी एक भाषा के चयन में छूट रहेगी। अक्षम विद्यार्थियों के लिए स्थापित विशेष विद्यालयों में इंडियन साइन लैंग्वेज पहले से ही काफी सहयोगी व उपयोगी रही है। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड देश का पहला ऐसा बोर्ड होगा जो अक्षम विद्यार्थियों के लिए पठन-पाठन में सांकेतिक भाषा अलग से एक विषय के तौर पर लागू करने जा रहा है। बोर्ड अध्यक्ष डॉ० पवन कुमार ने आगे बताया कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए अब स्मार्ट पाठ्य पुस्तक प्रकाशित करवाने जा रहा है, जिसमें हर पाठ्य पुस्तक के साथ प्रकाशित क्यूआर कोड को स्कैन करके विद्यार्थी विषय को विस्तार से समझ सकेंगे। क्यूआर कोड को स्कैन करते ही विद्यार्थी के मोबाइल पर संबंधित पाठ का लेक्चर वीडियो चल जाएगा।

हरियाणा के विकास को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिले कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के लोक निर्माण (भवन एवं सड़क) तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर राज्य में सड़क एवं आधारभूत ढांचे के विकास को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की। मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने केंद्रीय मंत्री को हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय राष्ट्रीय आई.आर.सी (इंडियन रोड्स कांग्रेस) सेमिनार के उद्घाटन के लिए औपचारिक निमंत्रण दिया। यह सेमिनार 27 व 28 मार्च, 2026 को चंडीगढ़ में आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर से सड़क सुरक्षा से जुड़े विशेषज्ञ भाग लेंगे।

मुलाकात के दौरान कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने हरियाणा में राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार, सड़क नेटवर्क के सुदृढ़ीकरण तथा आधुनिक परिवहन सुविधाओं के विकास के लिए केंद्र सरकार से सहयोग का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे शहरीकरण और औद्योगिक विकास को देखते हुए आधारभूत ढांचे को और मजबूत करने की आवश्यकता है। मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि केंद्रीय मंत्री के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में सकारात्मक बातचीत हुई, जिसमें हरियाणा की सड़कों एवं विभिन्न हाईवे परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने विश्वास जताया कि इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में केंद्र सरकार का पूरा सहयोग मिलेगा।

उन्होंने राज्य में चल रही एवं प्रस्तावित परियोजनाओं को गति देने के लिए केंद्र सरकार से विशेष अनुदान (स्पेशल ग्रांट) उपलब्ध कराने का भी अनुरोध किया, ताकि विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके। श्री गंगवा ने कहा कि केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में देश में सड़क अवसंरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और सड़क सुरक्षा को लेकर भी कई प्रभावी पहल की गई हैं।

राज्यसभा चुनाव में लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत: कुमारी सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सिरसा से सांसद, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने हरियाणा में हुए राज्यसभा चुनाव को लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोकतांत्रिक परंपराओं को प्रभावित करने के प्रयास किए गए, जो लोकतंत्र की भावना के अनुरूप नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से विभिन्न राज्यों में यह प्रवृत्ति देखने को मिल रही है कि जहां भाजपा को स्वाभाविक समर्थन नहीं मिलता, वहां परिस्थितियों को प्रभावित करने और चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की जाती है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वाली शक्तियों के लिए यह आवश्यक है कि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। हरियाणा में जो घटनाक्रम सामने आया है, उसे कांग्रेस नेतृत्व ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने बताया कि पार्टी के प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने भी इस पूरे प्रकरण पर अपनी स्पष्ट प्रतिक्रिया व्यक्त की है और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की बात कही है। उन्होंने हरियाणा से राज्यसभा के लिए निर्वाचित कर्मवीर सिंह बौद्ध को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे संसद में प्रदेश और समाज के मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे। कुमारी सैलजा ने कहा कि चुनाव के दौरान गलत तरीकों से जीत हासिल करने के लिए कई प्रयास किए गए, लेकिन अंततः सत्य और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत हुई। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के ऐसे प्रयासों से बचना चाहिए ताकि लोकतंत्र की गरिमा बनी रहे। बॉक्स अमेरिका ट्रेड डील किसानों के साथ विश्वासघात कुमारी सैलजा ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह समझौता देश के किसानों के हितों के खिलाफ है।

पवित्र सरस्वती तीर्थ में श्रद्धालुओं ने स्नान कर किया पिंडदान

सिटी दर्पण संवाददाता
पिहोवा

देश के विभिन्न हिस्सों से आए लाखों श्रद्धालुओं ने पावन सरस्वती तीर्थ में स्नान, पूजा व पिंडदान करके अपने पितरों की अक्षय मोक्ष की कामना की है। पिंडदान का विशेष महत्व होने के कारण आज भारी संख्या में श्रद्धालु पावन सरस्वती तीर्थ पर पहुंचे। श्रद्धालुओं ने अपने पुरोहितों से वंशावली भी देखी। भौर होते ही हजारों की संख्या में श्रद्धालु सरस्वती मां की जय जयकार करते हुए पावन सरस्वती तीर्थ पर स्नान के लिए पंहुचे व पावन जल में श्रद्धा की डुबकी लगा अपने पितरों को जल अर्पित किया।

इस दिन पिंडदान का विशेष महत्व माना जाता है। मान्यता है कि यहां पर जो भी श्रद्धालु अपने पितरों का पिंडदान व उनको जल अर्पण करते है तो उनके पितर प्रसन्न होकर परिवार में सुख समृद्धि की वर्षा करते हैं। श्रद्धालुओं ने पिंडदान के बाद प्रेत पीपल पर जल व स्वामी कार्तिकेय मंदिर में तेल व दरगाही शाह पर घोड़े चढ़ाए। चैत्र चौदस मेले के तीसरे दिन पंजाब, हिमाचल, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, जम्मू कश्मीर, चंडीगढ़ सहित देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु यहां पहुंचे लेकिन सबसे ज्यादा संख्या पंजाब से आने वाले सिख श्रद्धालुओं की रही। श्रद्धालुओं ने विभिन्न मंदिरों व गुरुद्वारों में पूजा अर्चना भी की। मेला प्रशासक उपमंडल अधिकारी नागरिक अनिल कुमार दून ने कहा कि प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई। मेले में तैनात अधिकारी ओर कर्मचारी दिन रात श्रद्धालुओं को सुविधा मुहैया करवाने मे लगे हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा यात्रियों के चिकित्सा सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही है। पुलिस प्रशासन श्रद्धालुओं को सुरक्षा देने के लिए तत्पर है।

उपमंडल अधिकारी नागरिक अनिल कुमार दून ने बुधवार को चैत्र चौदस मेला क्षेत्र में विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया और स्वयं नाकों को चैक भी किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आदेश दिए कि मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाए जारी रहनी चाहिए और पुलिस विभाग सुरक्षा व्यवस्था में जरा सी भी लापरवाही ना करे। मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा व्यवस्था पर पूरा फोकस रखना है। पावन चैत्र चौदस मेले में पंहुचे यात्रियों की सेवा के लिए नगर वासियों व विभिन्न शहरों से आए लोगों ने जगह जगह भंडारे लगाकर श्रद्धालुओं को भोजन करवाया। भंडारों का आलम यह था कि सरस्वती तीर्थ, पवन मार्किट कमेटी, गोल मार्किट, अंबाला रोड, अनाज मंडी, गुहला रोड, गुरुद्वारा रोड, प्राची तीर्थ, ब्रहम योनि सहित स्थान स्थान पर भंडारे लगाए गए थे, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

चैत्र चौदस मेले में आए श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए जिला सूचना एवं जन संपर्क विभाग द्वारा रात को विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलाकारों ने गीतों व भजनों के माध्यम से जहां लोगों को परमात्मा का संदेश दिया, वहीं उन्होंने सामाजिक कुरीतियों के प्रति भी जागरूक किया। इन कलाकारों ड्रामा पार्टी व भजन पार्टी सदस्यों ने पंजाबी शब्दों, धार्मिक भजनों विषयों पर गीत प्रस्तुत किए। चैत्र चौदस मेले में हजारों की संख्या में पंहुचने वाले श्रद्धालुओं के सहायता के लिए सूचना एवं जनसंपर्क विभाग कुरुक्षेत्र की तरफ से सूचना केंद्र स्थापित किया गया है। इस सूचना केंद्र के माध्यम से जरुरी सूचनाएं श्रद्धालुओं तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है। इतना ही नहीं मेले के दौरान अपनों से बिछुड़े परिजनों को मिलवाने का काम भी सूचना केंद्र के माध्यम से किया जा रहा है। दूर दराज से आए श्रद्धालुओं ने आज चैत्र चौदस के अवसर पर दिल खोलकर दान भी किया। मान्यता है कि पिहोवा क्षेत्र में किया जाने वाला पुण्य व पाप 13 दिन तक 13 गुणा फलीभूत होता है। जिसके चलते श्रद्धालु इस अवसर पर दिल खोलकर दान करते हैं। मेले में सुरक्षा एवं व्यवस्था को दुरस्त रखने के लिए शहर के बाहरी ओर आतंरिक जगहों पर नाकाबंदी ओर बेरिकेटस लगाकर सुरक्षा अधिकारियों ओर पुलिस कर्मचारियों ने सुरक्षा की कमान संभाल ली है। मेला क्षेत्र के आस पास पुलिस चैक पोस्ट बनाई गई है और आस-पास के जिलों से आए पुलिस कर्मचारियों को तैनात किया गया है।

संपादकीय

80,000 टन तेल लेकर मुंद्रा पहुंचा 'जग लाडकी', भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मिला बड़ा सहारा

भारत की ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री लॉजिस्टिक्स क्षमता के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है, जब भारतीय पोत 'जग लाडकी' 80,000 मीट्रिक टन से अधिक कच्चा तेल लेकर गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर सफलतापूर्वक पहुंचा। यह घटना केवल एक सामान्य तेल आपूर्ति नहीं है, बल्कि देश की ऊर्जा रणनीति, आयात प्रबंधन और वैश्विक चुनौतियों के बीच स्थिरता बनाए रखने की क्षमता का मजबूत संकेत भी है। ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बनी हुई है, इस तरह की आपूर्ति भारत के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। भारत विश्व के प्रमुख कच्चा तेल आयातकों में शामिल है और अपनी कुल जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है। इस परिप्रेक्ष्य में 'जग लाडकी' द्वारा लाई गई इतनी बड़ी मात्रा न केवल तत्काल ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में मददगार है, बल्कि यह आपूर्ति श्रृंखला को भी सुदृढ़ बनाती है। इससे देश के विभिन्न क्षेत्रों में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित होती है और कीमतों में संभावित उतार-चढ़ाव को भी नियंत्रित करने में सहायता मिलती है। गुजरात स्थित मुंद्रा पोर्ट देश के सबसे आधुनिक और व्यस्त बंदरगाहों में से एक है। इसकी उच्च क्षमता और उन्नत तकनीकी ढांचा इसे बड़े पैमाने पर कच्चे तेल के आयात और प्रबंधन के लिए उपयुक्त बनाता है। 'जग लाडकी' जैसे विशाल पोत का यहां सुरक्षित तरीके से पहुंचना और तेल की खेप का कुशलतापूर्वक अनलोड होना यह दशार्ता है कि भारत का पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित हो चुका है। इससे न केवल आयात प्रक्रिया तेज होती है, बल्कि लागत में भी कमी आती है। वैश्विक स्तर पर देखें तो कच्चे तेल की कीमतें हाल के वर्षों में कई कारणों से प्रभावित हुई हैं। भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति बाधाएं, उत्पादन में कटौती और वैश्विक मांग में उतार-चढ़ाव जैसे कारकों ने तेल बाजार को अस्थिर बनाए रखा है। ऐसे में भारत के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह समय पर और पर्याप्त मात्रा में कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित करे। 'जग लाडकी' का यह आगमन इसी रणनीतिक सोच का हिस्सा माना जा सकता है। भारत सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। एक ओर जहां देश नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा पर जोर दे रहा है, वहीं दूसरी ओर कच्चे तेल की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दीर्घकालिक आयात समझौते और रणनीतिक भंडारण पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इस प्रकार की बड़ी खेपें इन प्रयासों को मजबूती प्रदान करती हैं और आपूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा को कम करती हैं। मुंद्रा पोर्ट का रणनीतिक महत्व भी इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। पश्चिमी तट पर स्थित होने के कारण यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों के काफी करीब है, जिससे बड़े जहाजों के लिए यहां पहुंचना अपेक्षाकृत आसान होता है। इसके अलावा, यहां से देश के विभिन्न हिस्सों तक तेल की आपूर्ति सुगमता से की जा सकती है, जिससे लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और अधिक प्रभावी बनता है। यह पोर्ट न केवल ऊर्जा क्षेत्र, बल्कि समग्र व्यापारिक गतिविधियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। 'जग लाडकी' की इस यात्रा का एक और पहलू भारत की समुद्री क्षमता और व्यापारिक ताकत को दशार्ता है। बड़े पोतों का संचालन, उनका प्रबंधन और समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करना किसी भी देश के लिए आसान नहीं होता। यह मजबूत तकनीकी ढांचे, कुशल मानव संसाधन और प्रभावी समन्वय का परिणाम होता है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में इन क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण इस घटना में देखा जा सकता है। ऊर्जा विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले समय में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी आयात निर्भरता को कम करना और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना होगा। हालांकि, वर्तमान परिस्थितियों में कच्चा तेल देश की ऊर्जा जरूरतों का एक प्रमुख स्रोत बना हुआ है। इसलिए इसकी निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। 'जग लाडकी' द्वारा लाई गई यह खेप इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत देती है और यह दिखाती है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को लेकर सजग और सक्रिय है। इसके साथ ही, यह घटनाक्रम भारत के सप्लाई चेन मैनेजमेंट की मजबूती को भी उजागर करता है। कच्चे तेल की इतनी बड़ी मात्रा को समुद्र के रास्ते सुरक्षित लाना, बंदरगाह पर उतारना और फिर देशभर में वितरित करना एक जटिल प्रक्रिया है। इसमें किसी भी प्रकार की चूक से बड़े आर्थिक नुकसान हो सकते हैं। लेकिन इस तरह की सफल डिलीवरी यह साबित करती है कि भारत इस चुनौती का सामना करने में सक्षम है। अंततः, 'जग लाडकी' का मुंद्रा पोर्ट पर पहुंचना केवल एक लॉजिस्टिक उपलब्धि नहीं, बल्कि यह भारत की ऊर्जा नीति, आर्थिक स्थिरता और वैश्विक व्यापार में बढ़ती भागीदारी का प्रतीक है। यह घटना दशार्ती है कि देश किस प्रकार वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अपने संसाधनों का कुशल प्रबंधन कर रहा है और भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए खुद को तैयार कर रहा है। आने वाले समय में भी इस तरह के प्रयास भारत की ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत करेंगे।

युद्ध ने तोड़ी कई धारणाएं, कम नहीं होतीं अमेरिकी बाधाएं

डॉ. प्रभात ओझा (हि.स)

विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहलाने वाला अमेरिका इसके अलावा भी कई कारणों से पहचाना जाता है। दूसरे वर्ल्ड वॉर के बाद से सुदृढ़ होती उसकी आर्थिक व्यवस्था ने उसे अत्यधिक मजबूत बनाया। अपने प्राकृतिक संसाधनों के बूते उसने विश्व बाजार में दावेदारी पक्की कर ली। आज अमेरिकी डॉलर के दबदबे और सैन्य शक्ति के प्रभाव में उसका जवाब नहीं। कमोबेश यही स्थिति इजराइल की है, जो अपनी कुशल आधुनिक सेनाओं और खुफिया एजेंसी मोशाद के लिए प्रसिद्ध है। किसी भी आपात स्थिति से मुकाबले के लिए यहां आम नागरिकों के लिए भी सैन्य प्रशिक्षण इस देश को विशेष बनाता है। दुनिया की ऐसी दो बड़ी ताकतें एक साथ मिलकर लंबे समय से कई तरह के प्रतिबंध झेल रहे ईरान पर हमला करें, तो सहज परिणाम की कल्पना की जा रही थी। युद्ध के खिंचते चले जाने से यह धारणा टूटने लगी कि सोवियत संघ के बिखराव के बाद विश्व अमेरिका के पीछे एकध्रुवीय हो गया है। ईरान के साथ युद्ध के 14 वें-15वें दिन अमेरिका ने खुद दुनिया के देशों से एक अपील कर इस धारणा को खत्म कर दिया कि वह किसी से भी अकेले लड़ने में सक्षम है।

राष्ट्रपति ट्रंप की इस अपील में अमेरिका की लाचारी झलकने लगी कि साथी देश होर्मुज जलडमरू क्षेत्र को खुला, सुरक्षित और स्वतंत्र बनाने में सहयोग करें। ईरान के साथ इजराइल और अमेरिका के संघर्ष के चलते इस क्षेत्र से तेल और गैस आपूर्ति रुक गई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर ट्रंप ने इस तरह की अपील ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया सहित चीन से भी कर डाली। यह अपील ऐसे समय आई, जब कहा जा रहा था कि ईरान के पीछे चीन भी कई तरीकों से खड़ा है। अमेरिका की बौखलाहट को उसकी ओर से ईरान के खार्ग द्वीप पर किए हमले से समझा जा सकता है। ईरान के तेल का करीब 90 फीसद यहीं से निर्यात होता है। ईरान ने दावा किया कि अमेरिका हमले में तेल के बुनियादी ढांचे पर फर्क नहीं पड़ा। देखने की बात है कि इस हमले का वैश्विक तेल बाजार पर कितना असर होगा। भले तेल के बुनियादी ढांचे पर फर्क न पड़े, पर सैन्य तनाव तेल आपूर्ति में बाधक ही होगा।

दो हफ्ते से भी अधिक समय तक ईरान भी अमेरिकी और इजराइली हमलों का माकूल जवाब देता हुआ लगा। उन खाड़ी देशों में भी हमले हुए जहां अमेरिका ने अपने सैन्य अड्डे बना रखे हैं। कतर, कुवैत, सऊदी अरब, यूएई और बहरीन में मिसाइल, ड्रोन या इंटरसेप्शन के मामले दिखे। इन देशों ने सुरक्षात्मक स्थिति बनाए रखना सही समझा। समय के साथ उनका अमेरिका पर भरोसा खत्म हो जाए तो इसमें आश्चर्य नहीं।

अपनी दुर्गति देख अमेरिका ईरान से वापसी का फैसला कर ले, तो यह आश्चर्य की बात नहीं होगी। वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़कर अमेरिका ले आना लोगों को याद है। इस ताजा घटना के बाद मानवाधिकारों के उल्लंघन, हत्याओं के दोषी और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे मामलों में निकोलस पर अमेरिका में ही मुकदमा चल रहा है। उनकी पत्नी पर मादुरो को सहयोग करने के आरोप हैं। दोनों को किस तरह की सजा मिल सकती है, इस पर वर्ल्ड मीडिया को कोई शक नहीं है। यह जरूर है कि अमेरिका अब भारत सहित कई देशों को वेनेजुएला से तेल खरीदवाने की नीति पर काम कर रहा है। रूस से तेल लेने की कथित छूट की उसने समय सीमा तय करने का दावा किया।

अब ईरान पर हमले में इजराइल के साथ उतरने का अमेरिकी मकसद भी आर्थिक अधिक है। हालांकि उसे वेनेजुएला जैसी सफलता नहीं मिल सकी है। दुनिया में अमेरिका के कुछ प्रमुख सैन्य अभियान पहले भी असफल हो चुके हैं अथवा उसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं। इराक का मामला लोगों के जेहन से शायद उतर गया हो। वर्ष 2003 में इराक में उसके दखल से बाथ पार्टी की सरकार जरूर गिर गई। तीन साल के अंतराल पर 2006 में बगदाद के उत्तरी उपनगर काजिमैन के इराकी-अमेरिकी संयुक्त सैन्य अड्डे 'कैंप जस्टिस' में सद्दाम हुसैन को फांसी दे दी गई थी। इसके बावजूद सब कुछ अमेरिका के अनुकूल नहीं रहा। साल 2011 में वापसी के बाद 2014 में उसे फिर से इराक में दखल देना पड़ा था।

ऐसी प्रमुख घटनाओं में इसके पहले 1975 में वियतनाम युद्ध के बीच अमेरिका को अपनी सेनाएं वापस बुलानी पड़ी थी, तो अफगानिस्तान में तो लगभग दो दशक तक काबिज रही अमेरिकी सेनाएं 2021 में वापस आने को मजबूर हुईं। इन प्रमुख देशों के अतिरिक्त अन्य कई जगह अमेरिकी सेना उतारी गई, पर सामान्य तौर पर इस कवायद में मनोनुकूल सफलता नहीं मिली। कुछ विश्लेषक कहते हैं कि अमेरिका इस धारणा को तोड़ना चाहेगा। इसलिए वह अपनी सेनाओं को सीधे ईरान की धरती पर नहीं उतारना चाहता। कुछ और दिनों तक ईरान के सुदृढ़ आर्थिक ठिकानों को वह निशाने पर रखेगा। सुप्रीम लीडर को मारने के बावजूद अमेरिका के हाथ पूरी सफलता नहीं लगी। फिर ईरान की आर्थिक कमर तोड़ने और परमाणु क्षमता समाप्त करने का दावा करते हुए उसके अपना मकसद पूरा होने की घोषणा करने की उम्मीद जरूर बंधी। आखिर व्हाइट हाउस के एआई और क्रिप्टो प्रमुख डेविड ने भी तो यही सलाह दी। डेविड का कहना था कि यह अमेरिका के लिए अच्छा मौका है, जब वह अपनी जीत बताते हुए ईरान से निकल आए।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज व्यापारियों को बड़े निवेश से बचना चाहिए। घर में खुशी और उत्साह बना रहेगा। अनुशासन बनाए रखना जरूरी है। बिजनेस से जुड़ी महत्वपूर्ण मीटिंग हो सकती है। दोस्तों का सहयोग मिलेगा। बढ़ते खर्चों को संभालने पर ध्यान देंगे। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: आपकी प्रतिष्ठा और प्रभाव के कारण लोग आपकी सराहना करेंगे। बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। कला और रचनात्मक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में सामंजस्य बना रहेगा। इंटरव्यू में सफलता मिलने के संकेत हैं। मार्केटिंग से जुड़े कार्यों में लाभ मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: विदेश में नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आत्मविश्वास और साहस में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। किसी बड़ी परेशानी से राहत मिल सकती है। सहकर्मी और अधीनस्थ आपके काम से संतुष्ट रहेंगे। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: नए प्रोजेक्ट्स को लेकर आप सक्रिय रहेंगे। नौकरी में पदोन्नति के संकेत हैं। वैवाहिक जीवन में संवाद की कमी महसूस हो सकती है। आपकी वाणी मधुर रहेगी। आध्यात्मिक विषयों में रुचि बढ़ेगी। दूर के रिश्तेदारों से मुलाकात संभव है। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: आज थकान महसूस हो सकती है। बिना वजह विवाद से बचें। धैर्य के साथ काम करना जरूरी होगा। लेन-देन में गलती से आर्थिक नुकसान हो सकता है। किस्मत का साथ थोड़ा कमजोर रह सकता है। यात्रा के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: आप अपने काम करने के तरीके में सुधार लाएंगे। व्यापार में बड़े समझौते हो सकते हैं। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। विद्यार्थियों को अच्छे संस्थानों में प्रवेश मिल सकता है। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। अविवाहितों के विवाह के योग बन सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

तुला: सुबह काम का दबाव रहेगा, लेकिन शाम तक मन शांत हो जाएगा। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परिवार से जुड़े कार्यों में व्यस्तता रहेगी। ऑफिस में चुनौतीपूर्ण कार्य मिल सकते हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा। पार्टनर के साथ घूमने की योजना बन सकती है। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: व्यापार को लेकर नए विचार आते रहेंगे। शेयर बाजार में हुए नुकसान की भरपाई के लिए समय अनुकूल है। साहित्य और दर्शन में रुचि बढ़ेगी। प्रियजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। सरकारी नौकरी वालों का काम का दबाव कम हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

धनु: कामकाज में अपनी छवि को लेकर चिंता हो सकती है। वाहन में खराबी की संभावना है। नई चीजें सीखने की इच्छा बढ़ेगी। आर्थिक कमी के कारण कुछ काम रुक सकते हैं। विद्वानों का मार्गदर्शन मिलेगा। कानूनी मामलों में सतर्क रहें। *(सिटी दर्पण)*

मकर: स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। दिखावे से बचना जरूरी है। नए काम की शुरूआत के लिए दिन शुभ है। व्यापार के सिलसिले में यात्रा हो सकती है। आपकी कोई इच्छा पूरी हो सकती है। सामाजिक गतिविधियों में भाग लेंगे। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: आपके कुछ कार्यों से परिवार नाराज हो सकता है। विवाद करने के बजाय समझदारी से बात रखें। जरूरतमंदों की मदद के लिए धन उधार दे सकते हैं। छिपे हुए विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। किसी पर आंख बंद कर भरोसा न करें। *(सिटी दर्पण)*

मीन: किसी शुभ कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। छात्रों का प्रदर्शन पढ़ाई में बेहतर रहेगा। नौकरी में उच्च पद मिलने की संभावना है। आपके सपने पूरे हो सकते हैं। जीवनसाथी आपकी निष्ठा और समर्पण से प्रभावित होगा। *(सिटी दर्पण)*

विद्युत क्षेत्र में भारत के नेतृत्वकारी क्षमता की राह बुलंद करना: नई विकास गाथा को ऊर्जा प्रदान कर रहा है भारत

प्राचीन प्रार्थना 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' - अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो - केवल आध्यात्मिक आकांक्षा भर नहीं, अपितु आधुनिक भारत की गाथा को भी दर्शाती है। बीते दशक में, कभी लगातार कमी से परिभाषित होने वाले विद्युत इकोसिस्टम को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते, सबसे वैविध्यपूर्ण और सुधार-प्रेरित विद्युत बाजारों में से एक में परिवर्तित कर हमने इस आदर्श भावना को वास्तविकता में बदल दिया है।

जैसे-जैसे भारत स्वयं को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र, उभरती हुई डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित कर रहा है, वैसे-वैसे विद्युत क्षेत्र हमारी राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता की आधारशिला बन गया है।

पिछले दशक में, हमने उत्पादन और पारेषण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे राष्ट्रीय ऊर्जा की कमी वित्त वर्ष 2013-14 में 4.2% से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 तक मात्र 0.03% रह गई है। केवल वित्त वर्ष 2025-26 में ही (जनवरी 2026 तक), सभी स्रोतों से रिकॉर्ड 52.53 गीगावाट क्षमता जोड़ी गई है, जो एक ही वर्ष में जोड़ी गई अब तक की सर्वाधिक क्षमता है, जिसने 2024-25 में स्थापित 34.05 गीगावाट के पिछले सर्वोच्च स्तर को भी पार कर लिया है। कुल विद्युत उत्पादन वित्त वर्ष 2014 में 1,020.2 बीयू से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 1,830 बीयू हो गया है। प्रति व्यक्ति खपत 2014 में 957 किलोवाट-घंटे से बढ़कर 2025 में 1,460 किलोवाट-घंटा हो गई है, जो आर्थिक विकास और बेहतर पहुँच को दर्शाती है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि हर घर, खेत और उद्योग के पास उसकी आवश्यकता के अनुसार विश्वसनीय विद्युत उपलब्ध हो और भारत अब दुनिया में विद्युत का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता बन गया है।

यद्यपि हम 520 गीगावाट से अधिक विद्युत उत्पादित करने में सक्षम हैं, लेकिन किसी भी प्रणाली की असली परीक्षा अधिकतम मांग या पीक लोड को बिना किसी तरह के संचालनात्मक दबाव के संभाल सकने की उसकी क्षमता होती है। साल 2024 की गर्मियों में अधिकतम मांग रिकॉर्ड 250 गीगावाट तक पहुँच गई थी और वित्त वर्ष 2025-26 में यह 242.49 गीगावाट रही। इससे पहले मांग में इस तरह की वृद्धि से ग्रिड पर दबाव पड़ सकता था, लेकिन हमारे लोड डिस्पैच केंद्रों ने लगभग शून्य ऊर्जा हानि के साथ इसे सफलतापूर्वक प्रबंधित किया। यह मजबूती दुनिया के सबसे बड़े समकालिक ग्रिडों में से एक के कारण संभव हुई है, जिसमें 120 गीगावाट अंतर-क्षेत्रीय स्थानांतरण क्षमता है, जो देश को 'एक राष्ट्र-एक ग्रिड-एक फ्रीक्वेंसी' में एकीकृत करती है।

प्रेरणादायक बात केवल यह नहीं है कि हम कितनी विद्युत का उत्पादन करते हैं, बल्कि यह भी है कि हम उसे कैसे उत्पादित करते हैं। गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित क्षमता का अंश तेजी से बढ़ा है, जिसकी बदौलत भारत 50% संचयी गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित विद्युत क्षमता हासिल करने के अपने एनडीसी लक्ष्य को निर्धारित समय से लगभग पाँच वर्ष पहले ही हासिल करने में समर्थ हो सका है। यह स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और जलवायु के प्रति हमारी संकल्पबद्धता को दर्शाता है। 2014 से, मिशन मोड योजनाओं के माध्यम से विद्युत क्षेत्र को नए रूप में ढाला गया है, जिन्होंने पहुँच का विस्तार करते हुए सतत परिवर्तन को भी गति दी है। दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना ने भारत के हर गांव तक बिजली पहुँचायी, इसके बाद सौभाग्य योजना आई, जिसने लाखों घरों को बिजली से रोशन किया और ऊर्जा तक पहुँच को सभी के लिए वास्तविकता बना दिया।

एक अन्य परिवर्तनकारी सुधार सितंबर 2025 में समान आईएसटीएस सबस्टेशनों पर सौर और गैर-सौर घंटों के लिए अलग-अलग कनेक्टिविटी की शुरूआत है। सौर परियोजनाओं को सौर घंटों के दौरान पहुँच मिलती है, जबकि भंडारण और पवन परियोजनाओं को

श्री मनोहर लाल

गैर-सौर घंटों में पहुँच मिलती है। इससे बड़ी मात्रा में अप्रयुक्त पारेषण क्षमता का उपयोग संभव होता है, अतिरिक्त लाइनों की आवश्यकता के बिना नवीकरणीय और भंडारण परियोजनाओं के कमीशनिंग में तेजी आती है, पारेषण लागत घटती है और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होता है।

डिजिटल सशक्तिकरण हमारे आधुनिकीकरण की गाथा का महत्वपूर्ण अंश है। संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत 3.03 लाख करोड़ रुपये के खर्च के साथ हम पूरे देश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लागू कर रहे हैं, जिससे उपयोगिताओं और नागरिकों के बीच संबंधों में परिवर्तन आ रहा है। इस योजना के सकारात्मक परिणाम भी सामने आ चुके हैं: एटी एंड सी हानियां 2021 में 21.91% से घटकर 2025 में 15.04% हो गई हैं, और प्रति यूनिट आपूर्ति पर अंडर-रिकवरी 69 पैसे से घटकर 6 पैसे रह गई है।

जैसे-जैसे हमारी डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, भविष्य की मांग का पूर्वानुमान लगाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि वर्तमान मांग का प्रबंधन करना। डेटा सेंटर की क्षमता 2030 तक 1.4 गीगावाट से बढ़कर 9 गीगावाट होने का अनुमान है, और केवल ये सुविधाएँ ही भारत की कुल विद्युत खपत के लगभग 3% का उपयोग कर सकती हैं।

हमारा अगला लक्ष्य एआई, अनुसंधान एवं विकास और अन्य प्रौद्योगिकी-संचालित इकोसिस्टम से उत्पन्न विद्युत की विशाल और लगातार बढ़ती मांग को निरंतर रूप से पूरा करना है। जैसे-जैसे नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार हो रहा है, ऊर्जा भंडारण अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत तेजी से बढ़ती डिजिटल अवसंरचना को स्वच्छ ऊर्जा से संचालित करने के लिए पम्प्ड स्टोरेज परियोजनाओं और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों का बड़े पैमाने पर विकास कर रहा है। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन भारत को स्वच्छ ईंधनों के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है, ग्रिड स्थिरता और नवीकरणीय ऊर्जा की अधिक पैठ को बढ़ावा दे रहा है।

हम परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में भी निर्णायक कदम उठा रहे हैं, जो कम कार्बन और विश्वसनीय पावर मिक्स का एक आवश्यक हिस्सा है। 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु क्षमता का हमारा लक्ष्य और SHANTI अधिनियम, 2025, हमारी तकनीकी संप्रभुता को प्रमाणित करते हैं और निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए कानूनी व नीतिगत ढाँचा तैयार करते हैं। अब हमें जो चाहिए, और जिसे यह समिट उत्प्रेरित कर सकता है, वह है तकनीक, वित्त और आपूर्ति श्रृंखलाओं में वैश्विक साझेदारियाँ।

विकसित भारत को ऊर्जा प्रदान करने, ग्लोबल साउथ में विद्युतीकरण को तेज करने और मजबूत, भविष्य-सक्षम ऊर्जा तंत्र बनाने के लिए, हमें महत्वाकांक्षा तक सीमित न रह कर, समन्वित कार्रवाई की दिशा में आगे बढ़ना होगा। यही वह समय है जब सरकारें, उद्योग जगत के दिग्गज, नवप्रवर्तनकर्ता और वैश्विक साझेदार मिलकर एक ऐसी नई ऊर्जा संरचना का निर्माण करें—जो स्वच्छ, विश्वसनीय, डिजिटल रूप से एकीकृत और वैश्विक रूप से आपस में जुड़ी हुई हो। भारत को सीमा-पार विद्युत सहयोग का नेतृत्व करना चाहिए; अगली पीढ़ी के पारेषण, डिजिटल ग्रिड इंटेलिजेंस और ओएसओडब्ल्यूओजी -संरेखित बाजार तंत्र में साहसपूर्वक निवेश करना चाहिए; और डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोपावर नवाचार, लचीले गैस संसाधनों और स्वच्छ ऊर्जा का त्वरित उपयोग करना चाहिए। इस गति को ट्रांसमिशन सिस्टम ऑपरेटर और डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम ऑपरेटर के बीच मजबूत समन्वय और 2047 तक के लिए एकीकृत पावर सेक्टर रोडमैप द्वारा और भी सुदृढ़ किया जाना चाहिए, जो भारत को मजबूत, टिकाऊ और किफायती विद्युतीकरण का वैश्विक मॉडल बनाए। इस पृष्ठभूमि में, नई दिल्ली में आयोजित भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 विशेष महत्व रखता है। यह ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है जब राष्ट्र टिकाऊ, सुरक्षित और प्रौद्योगिकी-संचालित विद्युत तंत्र की दिशा में अपने संक्रमण को तेज कर रहा है।

'विकास को विद्युतीकृत करना, टिकाऊ भविष्य को मजबूत बनाना और दुनिया से जुड़ना' (अर्थात इलेक्ट्रिफाइंग ग्रोथ, एम्पावरिंग सस्टेनेबिलिटी, कनेक्टिंग ग्लोबली) विषय के साथ, यह समिट विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाते हुए वैश्विक ऊर्जा संक्रमण में भारत की नेतृत्वकारी क्षमता को प्रदर्शित करेगा। यह बुनियादी ढाँचे के आधुनिकीकरण, नवीकरणीय क्षमता के विस्तार और ग्रिड विश्वसनीयता को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगा। यह समिट सहयोग, नीतिगत संवाद और निवेश जुटाने के लिए राष्ट्रीय और वैश्विक दोनों स्तर पर एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा।

हमारा अनुमान है कि 2032 तक विद्युत उत्पादन में 345 बिलियन डॉलर और पारेषण एवं वितरण में 68 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश संभावित है, जबकि केवल ऊर्जा भंडारण में ही 35 बिलियन डॉलर से अधिक का अवसर मौजूद है। यह वास्तविक मांग पर आधारित है, क्योंकि भारत की कुल उत्पादन क्षमता पहले ही 520 गीगावाट से अधिक है और तेजी से बढ़ रही है, साथ ही ग्रिड के उत्सर्जन तीव्रता घट रही है।

आइए, हम सभी एकजुट होकर विकसित भारत को ऊर्जा प्रदान करें और ग्लोबल साउथ की साझा समृद्धि के मार्ग को आलोकित करें।

(लेखक भारत सरकार के केंद्रीय विद्युत मंत्री हैं)

संभावना के महासागर का मंथन

हमारी गौरवमयी एवं समृद्ध सनातन सांस्कृति परंपरा के महान पर्व गुड़ी पड़वा, हिंदू नववर्ष पर सब तरफ हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होता हुआ दिखाई देता है। नववर्ष आगमन में प्रकृति ने नूतन साज श्रृंगार कर लिया है, चन्द्रमा की ओजपूर्ण किरणें वनस्पति जगत सहित हमारे तन मन को आप्लावित करने लगी है, कहीं किसी वृक्ष पर बैठी कोयल मीठे स्वरों में कुहुकने लगी है, गुलाब मोगरा, चमेली, आम, नीम, महुआ की मदमय सुगंध सुरभि जीवन को नई ऊर्जा, नई चेतना एवं नया आयाम देने लगी है, किंशुक सुमन ने अपने मनभावन ओर आग उगलते रंग से हमारे मनोभावों को उद्दीप्त कर दिया है और अमलतास एवं गुलमोहर का उन्मादित सौंदर्य सिर चढ़कर बोलने लगा है। नियति के ऐसे मनमोहक परिदृश्य को निहारते हुए अरण्य निवासी योवनाओं के प्रणय गीतों का गुंजायमान मद्धिम स्वर भी सुनाई देने लगा है। ऐसे रसमय वातावरण में लगता है कि सनातन संस्कृति के प्रतीक नव संवत्सर के स्वागत हेतु नियति नटी ने अपना वैभव लुटाना शुरू कर दिया है। अतः प्रकृति की इस वैभवी कृपा को प्रणाम करते हुए, नव संवत्सर २०८३ का हर्षोल्लास पूर्वक स्वागत अभिनन्दन किया जाना चाहिए।

उत्सव प्रधान हमारे देश में उत्सवी दिनों को पूरी जिंदादिली से मनाया जाता रहा है, और चूंकि हिंदू नववर्ष गुड़ी पड़वा हमारी गौरवमयी एवं समृद्ध सनातन संस्कृति का महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्व है, इसलिए गुड़ी पड़वा पर हमारी उत्सव धर्मिता की अभिव्यक्ति भी स्वाभाविक ही है। हिंदू नववर्ष के शानदार आगाज से अंतर्मन आनंद की उन्मादकारी सीमाओं को छू लेने को आतुर है, ऐसे रंगारंग उत्सवी माहौल में हमारी सांस्कृतिक परंपराएं भी हमें अपने महाभावों को अभिव्यक्त करने हेतु प्रेरित करती है। अतः महान आध्यात्मिक वैभव से युक्त पंचाक्षर 'नमः शिवाय' और सनातन आध्यात्मिक संस्कृति के महानतम वंदनीय वाक्यों 'जय श्री राम' और जय श्री 'कृष्ण' के महाबोधि संबोधन से हम समवेत स्वरों में सनातन संस्कृति के महापर्व नववर्ष २०८३ गुड़ी पड़वा का स्वागत अभिनन्दन करते हुए नववर्ष के आगमन पर विश्व में शांति और सभी प्राणियों के कल्याण के निमित्त अति प्रासंगिक एवं समीचीन यह शुभमङ्गलकामना करते हैं, कि 'सभी सुखी हों, सभी निरोगी हों, सभी का जीवन मंगलमय हो, और किसी को भी कोई दुःख न हो।'

'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः,सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित दुःख भागभवेत।'

डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा (हि.स)

गुड़ी पड़वा से आरंभ नव संवत्सर संपूर्ण विश्व के लिए सुख समृद्धि दायक, अहिंसा, शांति और सौहार्द का संदेश वाहक तथा वैभव कारक होगा और हम जीवन में सर्वोच्च सफलताओं की और अपने कदम बढ़ाते हुए अविरल गति से निरंतर आगे बढ़ते जाएंगे।

जीवन में सर्वोच्चता की और बढ़ने की यह संकल्प शक्ति ही यकीनन हमें एक बेहतर कल की तरफ ले जाती है, जहां से उत्कर्ष का मार्ग प्रशस्त होता है, और उस मार्ग पर चलते हुए हम अपनी मंजिल तक पहुंचने में कामयाब हो सकते है, किंतु जीवनपथ में आने वाली वास्तविकताओं को भी हम नहीं नकार सकते, इसलिए उन्हें दृष्टिगत रखते हुए ही हमें अपने उद्देश्य प्राप्ति की दिशा में अग्रसर होना है।

जीवन के आलोक पथ पर अग्रसर होते हुए मानसिक स्तर पर चाहे हम सागर की अनंत गहराइयों को पा जाएं अथवा विंध्याचल की शैल श्रृंखलाओं को अपनी फौलादी बांहों में भर लें, किंतु वास्तविकताओं की विराटता भी हमें बार बार अपनी जमीनी हकीकत बताती ही रहती है, ऐसे में जीवन की वास्तविकताओं से रूबरु होते हुए एवं एक एक दिन के मैदानी अनुभव से ही श्रेष्ठता के आयामों को छुआ जा सकता है। महान उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु उठे कदम अंततः अपनी मंजिल पर पहुंच ही जाते हैं, किंतु जीवन पथ पर आगे बढ़ते हुए हमें यह समझना होगा कि रास्ते कभी भी सीधे सपाट नहीं हुआ करते हैं, इसलिए कठिन रास्तों से गुजरने की क्षमताएं भी हमें पहले ही विकसित करनी होगी, साथ ही हौसलों की बुलंदियों को बरकरार रखना होगा, क्योंकि एक वह हौसला ही तो है, जो भूतकाल की असफलताओं को नई सफलताओं में तब्दील कर देता है, और एक मुकम्मल जहां हमारे हाथों में सौंप देता है।

जीवन में आगे बढ़ते हुए कदाचित ऐसे से मोड़ भी आते हैं जब धैर्य ही हमारा आदर्श मित्र साबित होता है, क्यौकि धैर्यहीनता ही एक ऐसी बेड़ी है, जो हमारे कदमों को बरबस ही थाम लेती है, तब दिखाई दे रही मंजिल भी सहसा ही दूर दिखाई देने लगती है, और तब उस गतिमान समय की परिधि में आबद्ध हम लोग सहसा ही विचलित हो कर नियति पर नाराज हो जाते हैं, और तब व्यथा की विपरीतता में कह उठते हैं कि एक एक क्षण पहाड़ बन गया है, और जब खुशी का अवसर मिलता है तो कहने लगते हैं कि समय कितना जल्दी व्यतीत हो गया, ऐसा लगता है कि जैसे बात आजकल की ही हो, किंतु वह क्षण न तो पहाड़ की मानिंद था, और न ही चींटी द्वारा ले जाए जा रहे एक महीन कण की तरह अतिलघु ही था, वक्त का वह कतरा परिंदे की तरह आसमान को अपने आगोश में भर लेने के कथित मानसिक भावों से युक्त भी नहीं था, वास्तविकताओं में हमने ही उसे अपने संकीर्ण सुख-दुःखों से, हानि लाभ से या फिर जय-पराजय से संयुक्त कर दिया था, शायद इसीलिए वह शुचि वक्त अच्छा या खराब नाम पा गया। दरअसल वह कालचक्र के परिक्रमा पथ का एक नन्हा सा हिस्सा था, समय का वह एक कतरा था, जिस पर दौड़ते हुए हम कभी उत्कर्ष पर पहुंचे थे, और वह भी समय का ही एक कतरा था, जिस पर चलते हुए कदाचित हम लड़खड़ाते हुए गिर पड़े थे, और तब उस गतिमान शुचि समय को हमारे ही द्वारा कई संज्ञाओं से विभूषित कर दिया गया था, जबकि समय के उसी प्रवाह ने अन्य अनगिनत लोगों को अमृत तत्व से अभिसिंचित भी किया। निश्चित तौर पर उस एक ही समय को देखने का हमारा नजरिया तात्कालिक लाभ हानि के अल्पकालिक प्रवाह से ही संयुक्त था, शायद इसीलिए अनुभूतियां भी पृथक पृथक रूप ग्रहण कर गईं।

समय के उसी महावैभवी पथ पर एक तरफ जहां फूलों की सौंदर्य सुरभि समाई है, वहीं कंटक भी बिखरे पड़े हैं। यह वही पथ है जो एकबारगी हमें लहूलुहान कर देता है, किंतु संभावनाओं का अनन्त सागर भी तो वहीं से आकार ग्रहण करता है। यही है वह अरण्यपथ जो कठिन है, किंतु असीम संभावनाओं एवं उपलब्धियों से युक्त भी है। शायद यही है वह उपलब्धियो से ओतप्रोत रास्ता जिस पर चलते हुए दुविधाओं की सड़ांध समाप्त हो जाती है, और उद्देश्य पूर्ण यात्रा के फूल खिलते हुए दिखाई देते हैं, किंतु हमें यह समझना होगा कि यात्रा की इस सुख सुरभि में कांटों की वेदना भी समाई होती है, इसलिए प्रत्येक कदम सम्हाल कर रखने की जरूरत पेश आती है, क्योंकि कठिन कंटकाकीर्ण मार्ग को, अरण्यपथ को चुन लिया है जिसने, परीक्षाओं के सिलसिले उसके समक्ष कतारबद्ध खड़े नजर आते ही हैं। सफलताओं के ये आसान से लगने वाले रास्ते परीक्षाओं की वह पूर्व दिशा है, जिसे बादलों ने आच्छादित कर रखा है, किंतु सतत प्रयासों रुपी पुरुषार्थ उन्हें छिन्न भिन्न कर देता है, ओर सफलता रुपी स्वर्णिम प्रभात की नूतन रश्मियां प्रस्फुटित हो ही जाती है। कठिनाइयों के उन बेतरतीब सिलसिलों से होकर ही सफलताओं के महाद्वार खुलते हैं। यही है, वह दिव्यतम सुख की अनुभूति का महाद्वार, जहां से आसमानी बुलंदियां हमारे स्वागत समारंभ हेतु तत्पर दिखाई देती है। यही है वह चिरंतन शाश्वत सत्य के अनुसंधान का पथ जहां पर आगे बढ़ जाने पर फिर होकर भी नहीं होने की विराट संभावनाएं दस्तक देने लगती है। यही है वह अमृत का महाकोश, युग युगान्तर से जिसे हम खोजते आए हैं, और जिसकी छत्रछाया ने अनगिनत मानवों को महामानव के रूप में स्थापित कर दिया है।

आलोक पथ की ओर अग्रसर होते हुए तथा अपने कर्तव्य बोध, कर्मशीलता और राष्ट्र हित के महाभावों को सर्वोपरि स्थान प्रदान करते हुए हम पुनः नव संवत्सर 2083 का स्वागत अभिनन्दन करते हैं।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

भगवंत मान सरकार की उपलब्धि: मात्र चार वर्षों में भाखड़ा नहर के बराबर पानी राज्य के खेतों तक पहुंचाया गया

पहली बार बरसाती नदियों और नालों से 10,000 क्यूसेक अतिरिक्त पानी खेतों तक पहुंचाया गया, जो भाखड़ा नहर द्वारा दिए जाने वाले पानी के बराबर है

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाब की सिंचाई व्यवस्था में किए गए ऐतिहासिक बदलाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने मात्र चार सालों में मौसमी नदियों से 10,000 क्यूसेक पानी सुनिश्चित कर-के और बंद हो रही नहरी नेटवर्क को पुनर्जीवित करके राज्य के खेतों को भाखड़ा नहर के बराबर पानी की आपूर्ति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2022 में नहरी सिंचाई से केवल 26.50 प्रतिशत सिंचाई हो रही थी, जो बढ़कर आज 78 प्रतिशत हो गई है। इसी के तहत 22 किलोमीटर लंबी सरहाली नहर के लंबे समय से बंद पड़े सिस्टम को पुनर्जीवित किया गया है, फिरोजपुर-सरहिंद फीडर के माध्यम से पानी की 24 घंटे आपूर्ति सुनिश्चित की गई है और आजादी के बाद पहली बार 1,446 गांवों तक नहरी पानी पहुंचाया गया है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पिछले चार सालों में सिंचाई क्षेत्र में पंजाब सरकार द्वारा किए गए कार्यों का विस्तृत लेखा-जोखा पेश किया। मुख्यमंत्री ने कहा, अप्रैल 2022 से अब तक नहरों की लाइनिंग, मरम्मत, आधुनिकीकरण और बुनियादी ढांचे की मजबूती पर 6,700 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं, जो पंजाब के इतिहास में अब तक किया गया सबसे अधिक खर्च है। उन्होंने कहा कि पंजाब में नहरी पानी से लगभग 75.90 लाख एकड़ में सिंचाई की जा सकती है, जबकि मार्च 2022 तक केवल 20.89 लाख एकड़ को ही नहरी पानी मिल रहा था, जो महज 26.5 प्रतिशत ही बनता है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आज हमने नहरी पानी से सिंचाई के अंतर्गत रकबा लगभग 58 लाख एकड़ तक बढ़ा दिया है, जिससे नहरी पानी का उपयोग लगभग 78 प्रतिशत हो गया है। यह पहले के आंकड़ों से लगभग तीन गुना है। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब सरकार ने राज्य में उपलब्ध नहरी पानी का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया है।

जमीनी स्तर पर किए गए व्यापक कार्यों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, हमने लगभग 13,000 किलोमीटर नहरों के निर्माण और मरम्मत के लिए लगभग 2,000 करोड़ रुपए खर्च किए हैं, जिसके कारण नहरी पानी अब 58 लाख एकड़ रकबे तक पहुंच रहा है। इसके साथ लगभग 7,000 खालों को बहाल किया गया है। उन्होंने आगे कहा, कुल 15,539 नहरों की सफाई की गई है और 18,349 जल मार्गों को पुनर्जीवित किया गया है, जिससे अब राज्य के दूर-दराज वाले खेतों तक भी नहरी पानी पहुंचाया गया है।

ढांचागत पहलकदमियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब के इतिहास में पहली बार 545 किलोमीटर तक फैलीं 101 बंद पड़ी नहरों को पुनर्जीवित किया गया है। इनमें से बहुत सी नहरें 30 से 40 सालों से बंद थी और मिट्टी से भी भरी हुई थीं। हमने एक इंच जमीन पर कब्जा लिए बिना इन नहरों को बहाल किया है।

उन्होंने आगे कहा कि केवल बरसाती नालों को पुनर्जीवित करने से 2.75 लाख एकड़ को नहरी सिंचाई के अंतर्गत लाने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, पुरानी नहरी प्रणालियों को बहाल करके हमने यह सुनिश्चित किया है कि अब खेतों तक 10,000 क्यूसेक अतिरिक्त पानी पहुंच रहा है। वास्तव में हमने बिना कोई जमीन प्राप्त किए नई ह्यभाखड़ा नहरह्न बना दी है।

तरनतारन जिले की शानदार उदाहरण साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पिछली सरकारों की लापरवाही के कारण 22 किलोमीटर लंबी सरहाली माइनर नहर पूरी तरह से लुप्त हो गई थी। जब हमारे इंजीनियरों ने काम शुरू किया तो उन्होंने नहर को जमीनदोज पाया। स्थानीय लोग भी इसकी अस्तित्व को भूल गए थे। आज हमने इसे पुनर्जीवित किया और पूरी तरह कार्यशील कर दिया है।

मुख्य नहरी प्रणालियों को मजबूत करने के बारे में उन्होंने कहा, फिरोजपुर फीडर नहर, जो वास्तव में 1952 में बनाई गई थी, को रिकॉर्ड 35 दिनों में अपग्रेड किया गया था, जिससे इसकी क्षमता में 2,682 क्यूसेक की वृद्धि हुई है। इसी तरह मालवा की जीवन रेखा मानी जाने वाली सरहिंद नहर, जिसे 1950 के आसपास बनाया गया था, को 75 साल बाद अपग्रेड किया गया है, जिससे इसकी क्षमता में 2,844 क्यूसेक की वृद्धि हुई है।

उन्होंने आगे कहा, सरहिंद और पटियाला जैसी बड़ी नहरों की लाइनिंग करके, हमने पानी की उपलब्धता में लगभग 1.5 एमएएफ की वृद्धि की है और यह सुनिश्चित किया है कि राज्य के दूर-दराज के खेतों को भी अब पानी की कमी का सामना न करना पड़े।

किसानों को लंबे समय से परेशान करने वाली समस्याओं के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पहले नहरों में पानी रोटेशनल आधार पर आपूर्ति किया जाता था, जिससे किसानों को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता था। पहली बार हमने इस प्रणाली को खत्म कर दिया है और यह सुनिश्चित किया है कि किसानों को हर रोज पानी मिले।

उन्होंने आगे बताया कि सरकार ने पानी की बराबर वितरण सुनिश्चित करने के लिए जरूरत पड़ने पर हरिके पत्तन की ओर नहरों को उल्टी दिशा में चलाया।

कंडी क्षेत्र के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, होशियारपुर में कंडी नहर, जो लगभग 40 सालों से बंद पड़ी थी, को अब पुनः बहाल किया गया है। इलाके के लोग पानी की असली कीमत समझते हैं और इस नहर की पुनर्बहाली से उन्हें बहुत राहत मिली है। उन्होंने आगे कहा कि नहरी ढांचे के विस्तार के कारण आजादी के बाद अब पहली बार लगभग 1400 गांवों को नहरी पानी मिल रहा है। इनमें से बहुत से गांवों ने 20-50 सालों से नहरी पानी नहीं देखा था।

उन्होंने यह भी बताया कि चीमा माइनर, फिल्लौर माइनर, करमगढ़ लिंक, राजपुरा, पातड़ां, घग्गर और कोटला जैसी नई नहरी प्रणालियों ने क्षेत्रों में सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

बुनियादी ढांचे के विस्तार के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, हमने कई जिलों में सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 8 नई नहरें बनाई हैं और 18 पंप सिस्टम चालू किए हैं।

प्रशासकीय सुधारों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, कुशलता में सुधार लाने के लिए हमने फतेहगढ़ नहर डिवीजन और तरनतारन नहर डिवीजन जैसे समर्पित नहरी पानी और भूजल डिवीजन तैयार किए हैं और जवाबदेही तथा तुरंत अमल सुनिश्चित करने के लिए स्थायी तौर पर अधिकारी तैनात किए गए हैं।

भूजल संरक्षण के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, हमारी कोशिशों के कारण भूजल पर निर्भरता काफी हद तक कम की गई है। गुरदासपुर के एक गांव में भूजल की निकासी 61.48 प्रतिशत से घटकर लगभग 31 प्रतिशत हो गई है, जो एक शानदार उपलब्धि है। इससे आने वाली पीढ़ियों को लाभ होगा। उन्होंने आगे कहा कि सरकार का उद्देश्य सतही पानी (सर्फेस वाटर) के उपयोग को और बढ़ाना तथा भूजल स्रोतों पर निर्भरता कम करना है।

आपदा प्रबंधन और पर्यावरण बहाली के बारे में उन्होंने कहा कि बाढ़ की रोकथाम और पानी प्रबंधन के उद्देश्य से 195 कार्यों के लिए राज्य आपदा राहत कोष से 477 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। हमने 199 डी-सिल्टिंग साइटों की पहचान की है और जंगी स्तर पर नालों की सफाई के लिए नई चेन-माउंटेड मशीनें तैनात की हैं।

उन्होंने आगे कहा, सतलुज, रावी और घग्गर जैसी नदियों से गाद निकालने का काम चल रहा है और इसके तहत 245 मिलियन घन फुट गाद निकालने का लक्ष्य है, जिसमें से महत्वपूर्ण प्रगति पहले ही हो चुकी है। इसके अलावा बाढ़ के नुकसान को रोकने के लिए 206 किलोमीटर नदी तटबंधों को मजबूत किया जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा, अवैध कब्जों को रोकने और जान-माल की रक्षा के लिए पंजाब नहर और ड्रेनेज एक्ट, 2023 के तहत 850 में से 849 नालों को नोटिफाई किया गया है।

लंबे समय से रुके बुनियादी ढांचे संबंधी प्रोजेक्ट का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, शाहपुर कंडी डैम प्रोजेक्ट, जो 25 सालों से अधिक समय से लटका हुआ था, अब 3394.49 करोड़ रुपए की लागत से पूरा हो गया है। इससे रणजीत सागर डैम की क्षमता बढ़ेगी और पाकिस्तान के इलाके में बहने वाले हमारे पानी पर रोक लगेगी।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मजबूत स्टैंड लेते हुए कहा, जिन्होंने पंजाब के पानी के रक्षक होने का दावा किया था, उन्होंने ही हमारे पानी को तबाह कर दिया। हमने अपने पानी और सिस्टम दोनों को पुनर्जीवित किया है।

उन्होंने कहा, नहरी पानी में आवश्यक खनिज होते हैं और इसकी बढ़ती उपलब्धता फसली उत्पादकता में महत्वपूर्ण सुधार लाएगी। किसान खुश हैं क्योंकि बहुत से लोगों को पहली बार अपने खेतों में नहरी पानी मिला है।

पंजाब की आध्यात्मिक भावना का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, हम अपने गुरुओं के महान संदेश ह्यपवणु गुरू पाणी पिता माता धरति महतु॥ह्न से प्रेरणा लेते हैं और हम अपने प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने आगे कहा कि सिंचाई विभाग को राजस्व उत्पन्न करने वाले मॉडल के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि हमने पर्यटन को प्रोत्साहित करने और राजस्व उत्पन्न करने के लिए बोटिंग सुविधाएं, आराम घर, हेडवर्क्स और अन्य बुनियादी ढांचे सहित 26 पर्यटन स्थल विकसित किए हैं। इस मौके जल संसाधन मंत्री बरिंदर गोयल और अन्य व्यक्तित्व भी मौजूद थे।

स्पीकर ने सिविल सेवा परीक्षा के सफल विद्यार्थियों को पंजाब विधानसभा में किया सम्मानित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विधान सभा के स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवां ने उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पंजाब विधानसभा में विशेष रूप से सम्मानित किया, जिन्होंने सिविल सेवा परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करके पंजाब का नाम रोशन किया है।

इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, समर्पण और संघर्ष की भरपूर सराहना करते हुए कहा कि ये नौजवान देश का भविष्य हैं और इनकी सफलता अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा है।

कार्यक्रम के दौरान अमन अलूण, रसनीत कौर, मनप्रीत कौर, जयंत गर्ग और कृतिका चौधरी को सम्मानित किया गया और स्पीकर ने उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना की।

विद्यार्थियों और अभिभावकों को बधाई देते हुए स्पीकर स. संधवां ने कहा कि सिविल सेवा प्रतियोगी परीक्षा पास करना एक बड़ी उपलब्धि है, जिसके लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है।

उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह देते हुए कहा कि वे लोगों की सेवा में तत्परता से जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए हमेशा सच्चाई, ईमानदारी और न्याय को प्राथमिकता दें।

उन्होंने कहा कि कलम और कुर्सी की ताकत यदि लोगों की भलाई के लिए प्रयोग किया जाए तभी समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवां ने देश के सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि पंजाब की बेटियों-बेटों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और जुनून से साबित कर दिया है कि यदि इरादे मजबूत हों तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती।

पटियाला की हीरे जैसी बेटियाँ सिमरनदीप कौर और रसनीत कौर, बलाचौर की कृतिका चौधरी और मानसा की मनप्रीत कौर और आकृति सिंगला ने अपने परिवारों और पंजाब का मान बढ़ाया है।

अंत में स्पीकर स. संधवां ने कहा कि हमारी सरकार भविष्य में भी ऐसे होशियार और अग्रणी विद्यार्थियों को सम्मानित करती रहेगी। इस अवसर पर विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा, कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां, कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां, गोल्डी कंबोज और अन्य कई नेता इस सम्मान समारोह में उपस्थित थे।

वन स्टॉप सेंटरों के माध्यम से 17,651 महिलाओं को निःशुल्क सहायता: डॉ. बलजीत कौर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा हिंसा और संकट का सामना कर रही महिलाओं के लिए सहायता प्रणाली को और मजबूत करने हेतु निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इन प्रयासों के तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक राज्य भर में स्थापित वन स्टॉप सेंटरों के माध्यम से कुल 17,651 महिलाओं को निःशुल्क और समेकित सहायता प्रदान की गई है।

यह जानकारी देते हुए सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि इन केंद्रों में संकटग्रस्त महिलाओं को एक ही स्थान पर त्वरित और समन्वित सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इन सेवाओं में चिकित्सा सहायता, कानूनी सहायता, पुलिस सहायता, मानसिक परामर्श, अस्थायी आवास और भोजन

जैसी आवश्यक सुविधाएं शामिल हैं।

वर्षवार आंकड़े साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 3,592 महिलाओं को, 2023-24 में 3,633 महिलाओं को, 2024-25 में 5,305 महिलाओं को तथा 2025-26 में 5,121 महिलाओं को ये सेवाएं प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि यह लगातार बढ़ते आंकड़े सरकार की बढ़ती पहुंच और महिलाओं में बढ़ते विश्वास को दशार्ते हैं।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा, ये केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि साहस, आत्मविश्वास और नई शुरूआत की जीवंत कहानियां हैं। जो महिलाएं कभी भय और अन्याय का सामना कर रही थीं, वे आज सम्मान और आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन को फिर से संवार रही हैं। वन स्टॉप सेंटर महिलाओं के लिए सुरक्षा, सहारा और सशक्तिकरण का मजबूत आधार बन चुके हैं। उन्होंने आगे बताया कि पंजाब के सभी जिलों में वन स्टॉप सेंटर स्थापित किए जा चुके हैं, ताकि कोई भी जरूरतमंद महिला सहायता से वंचित न रहे।

मंत्री ने अपील की कि प्रत्येक महिला को वूमेन हेल्पलाइन नंबर 181 (टोल-फ्री) की जानकारी अवश्य होनी चाहिए और इसका अधिक से अधिक प्रचार किया जाना चाहिए, ताकि संकट के समय तुरंत सहायता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि यह हेल्पलाइन महिलाओं के लिए सुरक्षा, सहारा और विश्वास की एक मजबूत कड़ी साबित हो रही है।

संक्षिप्त-समाचार

चीफ खालसा दीवान चैरिटेबल सोसायटी की लोकल कमेटी और एग्जीक्यूटिव कमेटी चंडीगढ़ की संयुक्त बैठक आयोजित

चंडीगढ़। श्री गुरु हरकृष्ण सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, सेक्टर 40-सी, चंडीगढ़ में चीफ खालसा दीवान चैरिटेबल सोसायटी की लोकल कमेटी और एग्जीक्यूटिव कमेटी चंडीगढ़ की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। यह बैठक चीफ खालसा दीवान चैरिटेबल सोसायटी के चीफ पैट्रन सरदार अशोक सिंह जी बागड़िया और पैट्रन सरदार दलीप सिंह जी बांगा के मार्गदर्शन में, लोकल कमेटी के प्रधान डॉ. परमजीत सिंह जी के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। इस बैठक के दौरान स्कूल में शिक्षा के स्तर को और ऊंचा उठाने तथा पिछले शैक्षणिक वर्ष में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त उपलब्धियों पर विचार-विमर्श किया गया और उनकी सराहना की गई। स्कूल के विद्यार्थियों ने हाल ही में आयोजित इंटर-स्कूल और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक प्राप्त किए। खेलों के क्षेत्र में तैराकी, वेटलिफ्टिंग, जूडो और शतरंज में विद्यार्थियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते। फेंसिंग की टीमों ने भी विभिन्न वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए। गतका प्रतियोगिताओं में भी विद्यार्थियों ने सिंगल सोटी और फ्री सोटी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीते। इसके अतिरिक्त राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में बास्केटबॉल, फेंसिंग, गतका, शतरंज और एथलेटिक्स में भी विद्यार्थियों ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किए। 69वीं स्कूल नेशनल गेम्स (लुधियाना) में गतका टीम की छात्राओं ने भी सराहनीय प्रदर्शन करते हुए सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार भी प्राप्त हुए। संगीत के क्षेत्र में भी विद्यार्थियों ने जोनल और समूह शब्द गायन में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया। स्कूल की एन.एस.एस. विंग के विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस परेड में द्वितीय तथा गणतंत्र दिवस परेड में प्रथम स्थान हासिल किया।

करण औजला के पी-पॉप कल्चर इंडिया टूर में झूमा चंडीगढ़, लेज के लिए कुछ भी कैंपेन ने बढ़ाया जोश

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में उस समय जबरदस्त जोश और उत्साह देखने को मिला, जब मशहूर गायक करण औजला ने पी-पॉप कल्चर इंडिया टूर के तहत मंच संभाला। बड़ी संख्या में पहुंचे फैंस ने संगीत और इस खास मौके का जमकर जश्न मनाया। इस उत्साह को लेज ने और बढ़ा दिया । लेज ने लेज के लिए कुछ भी कैंपेन के जरिए फैंस के अनुभव को और शानदार बना दिया। कॉन्सर्ट से पहले, लेज ने क्रिएटर्स और फैंस को यह दिखाने के लिए आमंत्रित किया कि वे अपने पसंदीदा स्नैक के लिए कितनी दूर तक जा सकते हैं। प्रतिभागियों ने कैंपेन थीम पर अपने मजेदार और शरारती अंदाज में वीडियो और पोस्ट शेयर किए। इस चैलेंज में सोशल मीडिया पर क्रिएटर्स की जोरदार भागीदारी देखने को मिली, और चुने गए विजेताओं को चंडीगढ़ में होने वाले इस बहुप्रतीक्षित कॉन्सर्ट में शामिल होने का मौका मिला। कॉन्सर्ट के दौरान लेज ने पूरे वेन्यू पर शानदार फैन एक्सपीरियंस के जरिए उत्साह को और बढ़ा दिया। करण औजला के स्टेज पर आने से ठीक पहले, लेज ने चंडीगढ़ के आसमान को एक शानदार ड्रोन शो से रोशन कर दिया, जिसमें ब्रांड की नई पहचान पेश की गई और एक यादगार रात की शुरूआत हुई। वेन्यू पर लगे लेज के बूथ्स पर फैंस ने लेज के लिए कुछ भी थीम से प्रेरित स्पिन द व्हील गेम का आनंद लिया, जिसमें वे अपने पसंदीदा लेज पैक जीतकर फिर से जोश से भरे कॉन्सर्ट माहौल में शामिल हो गए। लेज की भारत में नई ब्रांड पहचान, लगभग 100 वर्षों में किए गए उसके सबसे बड़े वैश्विक बदलाव का हिस्सा है। यह बदलाव कृषि और बेहतरीन खेतों में उगाए गए आलुओं पर आधारित है जो ब्रांड के अगले चरण की शुरूआत को दशार्ती है और बदलती उपभोक्ता पसंद को भी प्रतिबिंबित करती है। नई पैकेजिंग में सर्वोत्तम आलुओं से निर्मित जैसे स्पष्ट संदेश शामिल किए गए हैं, जो लेज की उत्तम गुणवत्ता वाली सामग्री के प्रति उसकी लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हैं, साथ ही वही स्वाद बनाए रखते हैं जिसे उपभोक्ता जानते और पसंद करते हैं। जब भीड़ करण औजला के लोकप्रिय गीतों पर झूम रही थी और प्रशंसक मिलकर इस पल का उत्सव मना रहे थे, तब यह शाम एक बार फिर याद दिला गई कि जिन अनुभवों को लोग पसंद करते हैं, उनके लिए वे सच में लेज के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं।

सैमसंग ने लॉन्च किया गैलेक्सी एम 17ई 5जी फोन

चंडीगढ़। सैमसंग ने भारत में नया स्मार्टफोन गैलेक्सी एम 17ई 5जी लॉन्च किया, जिसकी शुरूआती कीमत 13,999 रुपये है। यह 20 मार्च से सैमसंग डॉट कॉम, अमेजन और रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध होगा। यह डिवाइस युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। ोन में 6.7 इंच की स्क्रीन के साथ 120 हर्ट्ज.रिफ्रेश रेट दिया गया है, जो स्मूथ विजुअल अनुभव देता है। इसमें 6000 एमएएच बैटरी, मीडियाटेक डाइमेंसिटी 6300 5जी प्रोसेसर और एआरएम माली-जी57 ग्राफिक्स प्रोसेसर दिया गया है, जो बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करता है। कैमरे की बात करें तो इसमें 50 मेगापिक्सल मुख्य कैमरा और 8 मेगापिक्सल फ्रंट कैमरा है। एंड्रॉयड 16 आधारित वन यूआई 8 पर चलने वाला यह फोन गूगल जेमिनी एआई और सर्कल टू सर्च जैसे स्मार्ट फीचर्स से लैस है।

सीमा पार की अवैध सप्लाई-चेन का हिस्सा थे बरामद किए गए ग्रेनेड : डीजीपी गौरव यादव

पंजाब में संभावित आतंकी हमला टला; दो ग्रेनेडों सहित दो व्यक्ति गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/बठिंडा

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों पर पंजाब को सुरक्षित प्रदेश बनाने के मद्देनजर चल रहे अभियान के दौरान बड़ी सफलता दर्ज करते हुए, काउंटर इंटेलिजेंस (सी.आई.) बठिंडा ने दो आरोपियों को दो हैंड ग्रेनेडों सहित गिरफ्तार करके संभावित आतंकी हमले को टाल दिया है। यह जानकारी निदेशक जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान बूटा सिंह उर्फ गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपू निवासी गिल्लवाली (फिरोजपुर) और हरमंदर सिंह उर्फ निक्का निवासी मोठांवाली (मोगा) के रूप में हुई है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बरामद किए गए ग्रेनेड सीमा पार की अवैध सप्लाई-चेन का हिस्सा थे, जिसका उद्देश्य सीमावर्ती प्रदेश में शांति और सुरक्षा भंग करना था।

डीजीपी ने कहा कि आगे-पीछे के संबंध स्थापित करने और इस मॉड्यूल में शामिल अन्य सदस्यों की पहचान करने के लिए आगे की जांच की जा रही है।

- पुलिस टीमों ने अप्रिय घटना को किया नाकाम: ए.आई.जी. सी.आई. अवनीत सिद्धू

ऑपरेशन संबंधी विवरण साझा करते हुए सहायक इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (ए.आई.जी.) सी.आई. बठिंडा अवनीत कौर सिद्धू ने कहा कि पुलिस टीमों को विश्वसनीय स्रोतों से पुख्ता सूचना मिली थी कि आतंकी मॉड्यूल से जुड़े दो कार्यकर्ताओं ने हैंड ग्रेनेड प्राप्त किए हैं। इस पुख्ता सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए सी.आई. बठिंडा की पुलिस टीम ने मोगा-फिरोजपुर रोड से दोनों संदिग्धों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए।

ए.आई.जी. ने कहा कि काउंटर इंटेलिजेंस टीमों की सतर्क एवं सक्रिय कार्रवाई के कारण एक अप्रिय घटना को नाकाम कर दिया गया है। इस संबंध में पुलिस स्टेशन स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) फाजिल्का में विस्फोटक अधिनियम की धारा 3, 4 और 5 के तहत एफआईआर नंबर 06 दिनांक 17.03.2026 को मामला दर्ज किया गया है।

गैंगस्टरां ते वार का 57वां दिन: पंजाब पुलिस ने 541 स्थानों पर की छापेमारी; 179 गिरफ्तार

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों पर शुरू किए गए निर्णायक अभियान ह्यगैंगस्टरां ते वारह्न के 57वें दिन पंजाब पुलिस ने राज्य भर में गैंगस्टरों के साथियों द्वारा पहचान किए गए और मैप किए गए 541 स्थानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि ह्यगैंगस्टरां ते वारह्न - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्णायक लड़ाई है, जिसकी शुरूआत 20 जनवरी, 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के पूर्ण समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्य भर में विशेष कार्रवाई कर रही हैं। आज 57वें दिन पुलिस टीमों ने 179 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से तीन हथियार बरामद किए, जिसके साथ अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 15251 हो गई है। इसके अलावा 97 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई है, जबकि 59 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान 15 फरार अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि लोग एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के द्वारा गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं और अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों के बारे में भी सूचना/जानकारी साझा की जा सकती है। इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपने अभियान युद्ध नशेयां विरुद्ध को 382वें दिन भी जारी रखते हुए आज 85 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 255 ग्राम हेरोइन, 3 किलो अफीम, 680 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 1400 रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इसके साथ केवल 382 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 54134 हो गई है। नशा छुड़ाऊ अभियान के हिस्से के रूप में पंजाब पुलिस ने आज 56 व्यक्तियों को नशा मुक्ति और पुनर्वास उपचार करवाने के लिए राजी किया है।

- पुलिस टीमों ने 97 व्यक्तियों के खिलाफ की एहतियातन कार्रवाई, 59 को पूछताछ के बाद किया रिहा
- लोग एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के द्वारा गुप्त रूप से दे सकते हैं गैंगस्टरों के बारे में जानकारी
- युद्ध नशेयां विरुद्ध के 382वें दिन 85 नशा तस्कर गिरफ्तार

तेल अवीव में ईरान का 100 से अधिक स्थानों पर हमला

लारीजानी की मौत का प्रतिशोधः 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' से दहला इजराइल, खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी ठिकानों पर भी वार

एजेंसी (हि.स.)

तेल अवीव

फोटोः हि.स.

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने ईरान के पूर्व शीर्ष सुरक्षा अधिकारी डॉ. अली लारीजानी की हमले में मौत के बाद इजराइल के खिलाफ जोरदार कार्रवाई की है। आईआरजीसी ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव में 100 से अधिक ठिकानों पर हमला किया है। डॉ. लारीजानी की मौत अमेरिका-इजराइल के एकीकृत सैन्य अभियान में हुई है। अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध का आज 19वां दिन है।

ईरान के प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, यह जानकारी आईआरजीसी के बयान में दी गई। आईआरजीसी ने कहा है कि उसने अमेरिका-इजराइल की आक्रामकता के जवाब में अपने ऑपरेशन 'ट्रू प्रॉमिस 4' की 61वीं लहर के दौरान इन ठिकानों पर हमला किया। बयान में कहा गया कि दुश्मन ठिकानों को निशाना बनाने के लिए मल्टी-वॉरहेड वाली खुर्रमशहर-4 और कद्र मिसाइलों के साथ-साथ इमाद और खैबर शिकन प्रोजेक्टाइल का इस्तेमाल किया गया। यह हमला ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के पूर्व सचिव डॉ. लारीजानी की मौत का बदला लेने के लिए किया गया।

प्रेस टीवी के अनुसार, इस हमले में इजराइल की बेहद आधुनिक हवाई रक्षा प्रणालियों के ध्वस्त कर दिया गया। परिणामस्वरूप तेल अवीव में आंशिक ब्लैक आउट हो गया। इस वजह से इजराइल की सेना को मौजूदा हालात पर काबू पाने और प्रभावित लोगों को बचाने में काफी मुश्किल का सामना करना पड़ा। इस बीच, कॉर्प्स ने बताया कि ऑपरेशन 'ट्रू प्रॉमिस 4' के तहत अब तक 230 से ज्यादा इजराइलियों की मौत हो चुकी है। आईआरजीसी के अनुसार, तेल अवीव के अलावा पवित्र शहर अल-कुद्स, बंदरगाह हाइफा, बीर शेवा और नेगेव रेगिस्तान में संवेदनशील और रणनीतिक ठिकानों को भी निशाना बनाया है। इसके अलावा कतर, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और सऊदी अरब में स्थित अमेरिकी चौकियों पर हमला किया गया। सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल की राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा, आपदा राहत, एम्बुलेंस और रक्त बैंक सेवा 'मैगन डेविड एडोम' (एमडीए) ने बताया कि मध्य इजराइल में ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले में दो लोगों की मौत हो गई। इनमें एक महिला भी है। दोनों रामत गान शहर में लहूलुहान मिले। मिसाइल के टुकड़े तेल अवीव के ठीक उत्तर में स्थित बेनी ब्राक शहर में भी गिरे। इस दौरान एक व्यक्ति को हल्की चोटें आईं। इजराइल डिफेंस फोर्सेज ने एक्स पर लिखा, होम फ्रंट कमांड की टीमें देश के मध्य भाग में उन जगहों पर तुरंत पहुंची हैं, जहां मिसाइल गिरने की खबरें मिली थीं। होम फ्रंट कमांड की बचाव और राहत टीमें काम कर रही हैं। होम फ्रंट कमांड ने निवासियों को सलाह दी कि अब वे सुरक्षित स्थानों (शेल्टर) से बाहर निकल सकते हैं। इस बीच, आईडीएफ ने लेबनान में हिजबुल्लाह के रॉकेट लॉन्चरों और लड़ाकों को निशाना बनाते हुए हवाई हमलों की बौछार की है। आईडीएफ ने मंगलवार को बताया कि यह उसके ऑपरेशन रोअरिंग लायन का हिस्सा है। इस बीच, 'डिपार्टमेंट ऑफ वॉर' ने एक्स पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें लिखा गया है, हम राष्ट्रपति ट्रंप के आदेशों को पूरी गति और सटीकता के साथ पूरा कर रहे हैं। ऑपरेशन 'एपिक फ्यूरी' ने ईरान की सेना को पूरी तरह से तबाह कर दिया है। अमेरिकी नौसेना के एडमिरल और कमांडर ब्रैड कूपर ने एक वीडियो में कहा, हम अपने सैन्य उद्देश्यों पर पूरी तरह से केंद्रित हैं। हमारा मकसद ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोन और नौसैनिक खतरों को खत्म करना है। अब तक, हमारी वायु सेना, नौसेना और मरीन कोर के विमान चालकों ने मिलकर 6,000 से अधिक लड़ाकू उड़ानें भरी हैं। अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान के समुद्र तट पर स्थित महत्वपूर्ण ईरानी मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाया है।

ईरानी हमले में यूएई स्थित ऑस्ट्रेलियाई एयरबेस को मामूली नुकसान

इस्तांबुल। पश्चिम एशिया में पिछले 19 दिनों से जारी सैन्य संघर्ष के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अल मिन्हाद एयर बेस पर ईरानी हमले में ऑस्ट्रेलियाई सैन्य सुविधाओं को मामूली नुकसान पहुंचा है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने बताया कि कोई भी ऑस्ट्रेलियाई कर्मी घायल नहीं हुआ है और सभी सुरक्षित हैं। यह हमला ऐसे समय में आया है जब ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच जारी संघर्ष पूरे क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ा रहा है। तुर्किये की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलू (एए) और अन्य मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यूएई के अल मिन्हाद एयर बेस पर ईरानी हमले से उसकी सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बानीज ने बुधवार को घटना के संबंध में बताया कि इस हमले में ऑस्ट्रेलियाई सैनिकों को कोई चोट नहीं आई और सभी पूरी तरह सुरक्षित हैं। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार घटना ऑस्ट्रेलियाई समय के अनुसार मंगलवार सुबह लगभग 9.15 बजे हुई। प्रोजेक्टाइल पास की सड़क पर गिरा और इसके कारण आग लगी, जिससे बेस के एक ब्लॉक और मेडिकल सुविधा को मामूली नुकसान हुआ। प्रधानमंत्री अल्बानीज ने कहा कि इसमें कोई भी ऑस्ट्रेलियाई कर्मी घायल नहीं हुआ है। आग बहुत छोटी थी और यह प्रोजेक्टाइल सीधे बेस को नहीं मार सका। अल मिन्हाद एयर बेस, जिसका मालिकाना हक यूएई के पास है, ऑस्ट्रेलिया के लिए मध्य पूर्व में प्राथमिक सैन्य, लॉजिस्टिक्स, निगरानी और प्रशिक्षण केंद्र के रूप में काम करता है। यहां वर्तमान में 100 से अधिक ऑस्ट्रेलियाई सैनिक तैनात हैं, जो ब्रिटिश और अमेरिकी सेनाओं के साथ काम कर रहे हैं। हालांकि 2021 में अफगानिस्तान से वापसी के बाद सैनिकों की संख्या में काफी कमी आई थी। अल्बानीज ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि गिरा प्रोजेक्टाइल ड्रोन था या मिसाइल, लेकिन इससे लगी आग ने केवल मामूली नुकसान किया। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान पूरे क्षेत्र में बेतरतीब हमले कर रहा है। अल मिन्हाद एयर बेस को इस महीने की शुरूआत में भी निशाना बनाया गया था, लेकिन उस हमले में ऑस्ट्रेलियाई सुविधाओं को कोई नुकसान नहीं हुआ था। अमेरिका, इजराइल के सैन्य कार्रवाई के जवाब में ईरान ने ड्रोन और मिसाइल हमलों के जरिए इजराइल, जॉर्डन, इराक और खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी और सहयोगी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है।

बगदाद में अमेरिकी दूतावास के पास ईरानी ड्रोन हमलों से दहशत

इरबिल (इराक)। पश्चिम एशिया में करीब तीन हफ्तों से अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष से पूरे क्षेत्र में अस्थिरता और बढ़ गई है। ईरान द्वारा इराक के इरबिल और बगदाद में अमेरिकी दूतावासों को निशाना बनाकर किए गए ड्रोन और रॉकेट हमलों ने हालात को और गंभीर बना दिया है। इरबिल में जहां आत्मघाती ड्रोन हमले को एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम किया, वहीं बगदाद में हुए हमले में दूतावास परिसर को नुकसान पहुंचा और आग लग गई। तुर्किये की समाचार एजेंसी अनादोलू और अन्य मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम एशिया में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं, जहां इरबिल और बगदाद में अमेरिकी दूतावासों को निशाना बनाकर किए गए ताजा हमलों ने क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा दिया है। मंगलवार देर रात उत्तरी इराक के इरबिल शहर में अमेरिकी दूतावास और सेरबेस्ती इलाके के पास कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं। यह हमला आत्मघाती ड्रोन के जरिए किया गया था, जिसे समय रहते एयर डिफेंस सिस्टम ने सक्रिय होकर नाकाम कर दिया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस ड्रोन को हवा में ही मार गिराया गया, जिससे किसी बड़े नुकसान को टाल दिया गया। हालांकि इस घटना पर कुर्दिश क्षेत्रीय सरकार की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। इरबिल में हमले की यह पहली घटना नहीं है। जब से अमेरिका, इजराइल के खिलाफ ईरान ने जवाबी कार्रवाई शुरू की है तब से इस इलाके में लगभग रोजाना धमाकों की खबरें सामने आ रही हैं। एयर डिफेंस सिस्टम को बार-बार सक्रिय करना पड़ रहा है, जिससे यह साफ संकेत मिलता है कि क्षेत्र में खतरा लगातार बना हुआ है। वहीं, मंगलवार शाम को बगदाद में भी अमेरिकी दूतावास को निशाना बनाकर बड़ा हमला किया गया। ड्रोन और रॉकेटों के जरिए किए गए इस हमले ने राजधानी में दहशत फैला दी। दूतावास की सुरक्षा में तैनात हवाई रक्षा प्रणालियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कई प्रोजेक्टाइल्स को हवा में ही नष्ट कर दिया, लेकिन एक ड्रोन दूतावास परिसर की बाहरी दीवार से टकरा गया, जिससे आग लग गई।

होर्मुज क्षेत्र में ईरानी मिसाइल ठिकानों पर अमेरिका ने गिराया बंकर-बस्टर बम

एजेंसी (हि.स.)

पेरिस/वाशिंगटन

पश्चिम एशिया में 19 दिन से जारी सैन्य संघर्ष खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरानी मिसाइल ठिकाने पर बंकर-बस्टर बम से हमला करते हुए अपने सबसे शक्तिशाली हथियारों का इस्तेमाल किया है। इस ऑपरेशन में 5,000 पाउंड वजनी डीप पेनिट्रेटर बम का इस्तेमाल किया गया, जो मजबूत और भूमिगत सैन्य ठिकानों को नष्ट करने के लिए बनाए जाते हैं। इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो सहयोगियों की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिका को अब किसी बाहरी मदद की जरूरत नहीं है। वहीं इजरायल का दावा है कि उसने ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों को निशाना बनाकर बड़ा झटका दिया है, जिससे क्षेत्र में तनाव और गहरा गया है। फ्रांस के प्रमुख समाचार पत्र ले मोंडे, अमेरिका के वॉल स्ट्रीज जर्नल और अन्य मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने एक बड़ी सैन्य कार्रवाई करते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान के मिसाइल ठिकानों पर शक्तिशाली बंकर-बस्टर बमों से हमला किया है। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) ने मंगलवार को बताया कि इस ऑपरेशन में 5,000 पाउंड वजनी डीप पेनिट्रेटर बमों का इस्तेमाल किया गया, जो मजबूत और भूमिगत सैन्य ठिकानों को नष्ट करने के लिए बनाए जाते हैं। अमेरिकी सेना के अनुसार जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, वहां ईरान की एंटी-शिप क्रूज मिसाइलें तैनात थीं। ये मिसाइलें अंतरराष्ट्रीय जहाजों के लिए बड़ा खतरा मानी जा रही थीं, खासकर उस समय जब ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का कदम उठाया था। यह जलमार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुनिया का लगभग पांचवां हिस्सा तेल इसी रास्ते से गुजरता है।

ईरानी ड्रोन से निपटने के लिए यूक्रेन ने खाड़ी देशों में भेजे 201 सैन्य विशेषज्ञ

एजेंसी (हि.स.)

लंदन

फोटोः हि.स.

पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष के बीच ईरानी ड्रोन के खतरों से निपटने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने घोषणा की है कि उनका देश 200 से अधिक सैन्य विशेषज्ञों को तैनात कर चुका है। ये विशेषज्ञ ईरानी 'शाहिद' ड्रोन से बचाव में क्षेत्रीय देशों की मदद कर रहे हैं।

अल जजीरा के अनुसार यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा है कि उनका देश खाड़ी और पश्चिम एशिया में ईरानी ड्रोन खतरों से निपटने के लिए सक्रिय रूप से मदद कर रहा है। उन्होंने बताया कि 201 यूक्रेनी एंटी-ड्रोन सैन्य विशेषज्ञ पहले से ही विभिन्न देशों में तैनात हैं, जबकि 34 अन्य विशेषज्ञ जल्द भेजे जाने के लिए तैयार हैं।

जेलेंस्की ने मंगलवार को लंदन में ब्रिटिश संसद के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि ये विशेषज्ञ खास तौर पर ईरानी 'शाहिद' ड्रोन से बचाव की तकनीक में प्रशिक्षित हैं। ये वही ड्रोन हैं जिनका इस्तेमाल रूस 2022 से यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में कर रहा है। जेलेंस्की के अनुसार यूक्रेन की हमलावर टीम पहले से खाड़ी देश संयुक्त अरब अमीरात, कतर और सऊदी अरब में मौजूद हैं, जबकि कुवैत में भी जल्द तैनाती की जा रही है। कई अन्य देशों के साथ भी समझौते हो चुके हैं।

वहीं, रूस और ईरान के रिश्तों पर हमला बोलते हुए जेलेंस्की ने कहा कि दोनों देश नफरत में भाई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान द्वारा बनाए गए 'शाहिद-136' ड्रोन में अब रूसी पुर्जे. भी इस्तेमाल किए जा रहे हैं, जिससे उनकी क्षमता और बढ़ गई है। जेलेंस्की का दावा है कि यूक्रेन अब ड्रोन युद्ध में अग्रणी बन चुका है और युद्ध के मैदान में रूस को होने वाले 90% नुकसान के पीछे यूक्रेनी ड्रोन हैं।

यूक्रेन रोजाना लगभग 2000 इंटरसेप्टर ड्रोन बनाने में सक्षम है, जिनका उपयोग दुश्मन ड्रोन को हवा में ही मार गिराने के लिए किया जाता है। इस दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिरजेलेंस्की ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर और नाटो प्रमुख मार्क रुटे से मुलाकात की। साथ ही, यूक्रेन और यूनाइटेड किंगडम के बीच एक नई रक्षा साझेदारी पर हस्ताक्षर हुए, जिसके तहत ड्रोन और आधुनिक रक्षा उपकरणों के निर्माण में सहयोग बढ़ाया जाएगा।

वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि पश्चिम एशिया में ईरानी ड्रोन से निपटने के लिए उन्हें यूक्रेन की मदद की आवश्यकता नहीं है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को ईरान में जारी तनाव से किसी भी तरह का फायदा नहीं मिलना चाहिए—चाहे वह तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हो या प्रतिबंधों में ढील। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेन अपने अनुभव और तकनीक के जरिए दुनिया के अन्य देशों को भी ड्रोन हमलों से सुरक्षित बनाने में मदद करना चाहता है।

नेपाल के खोटांग जिले में निजी हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, सभी यात्री सुरक्षित

एजेंसी (हि.स.)

काठमांडू

फोटोः हि.स.

नेपाल के खोटांग जिले में एयर डायनेस्ट का एक हेलीकॉप्टर बुधवार दोपहर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में एक यात्री मामूली रूप से घायल हुआ है। केपिलासगढी-2 के वडाध्यक्ष मिलन कुमार राई के अनुसार खोटांग निवासी नागमणि राई की पत्नी मनमछी राई का यूके में निधन हो गया था, जिसके बाद अंतिम संस्कार के लिए उनका शव नेपाल लाया गया।

हेलीकॉप्टर में पांच लोग सवार थे, इस कारण उसमें शव रखने की जगह नहीं थी, इसलिए शव को अलग वाहन से लाया जा रहा था। नागमणि राई के परिजन हेलीकॉप्टर से काठमांडू से खोटांग आ रहे थे। उन्होंने बताया कि काठमांडू से पांच यात्रियों को लेकर 9ठ-अत्रद्ध हेलीकॉप्टर आज सुबह 11 बजे उड़ा था। लैंडिंग के दौरान केपिलासगढी गांवपालिका-2, खार्ताम्छा के बालाबेसी क्षेत्र में 11 बजकर 51 मिनट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में काठमांडू निवासी काजीबहादुर राई के दाहिने पैर में हल्की चोट आई है। उन्होंने बताया कि हेलीकॉप्टर में सवार नागमणि राई, उनके पुत्र बालकुमार राई, पुत्री सम्झना राई, रिश्तेदार लक्ष्मी राई भी घायल हुए हैं।नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने भी पुष्टि की है कि काठमांडू से खोटांग जा रहा यह हेलीकॉप्टर लैंडिंग के दौरान पलटकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।प्राधिकरण के अनुसार एक यात्री के मामूली रूप से घायल होने के अलावा चालक दल और अन्य सभी यात्री सुरक्षित हैं। घायल काजीबहादुर राई को कंपनी के दूसरे हेलीकॉप्टर से बचाव कर काठमांडू लाया जा चुका है।

नेपाल में जेन जी प्रदर्शन के दौरान जेल तोड़कर भागे 1200 कैदी अभी भी फरार

काठमांडू। जेनजी आंदोलन के दौरान पिछले साल 9 सितंबर को सुन्धारा स्थित केंद्रीय कारागार से भागे एक हजार दो सौ से अधिक कैदी अब भी फरार हैं। केंद्रीय कारागार कार्यालय के सूचना अधिकारी बैकुंठ रेग्मी के अनुसार 9 सितंबर की सुबह तक केंद्रीय कारागार में कुल 3,880 कैदी थे। उसी दिन 3,517 कैदी भाग गए थे। उनमें से अधिकांश को वापस लाया जा चुका है, लेकिन अभी भी करीब 1,200 कैदी फरार हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में केंद्रीय कारागार में कुल 3,313 कैदी मौजूद हैं। इनमें 1,920 सजायाफ्ता कैदी और 1,493 विचाराधीन बंदी शामिल हैं। कारागार प्रशासन के अनुसार कुल कैदियों में से 1,749 केंद्रीय कारागार में, 1,250 सुधार गृह में और 314 महिला सेल में रखे गए हैं। जेनजी आंदोलन के दौरान केंद्रीय कारागार को सामान्य क्षति पहुंची थी। हालांकि, जेल परिसर के भीतर मौजूद सभी पांच भवन सुरक्षित रहे, जिसके कारण कैदियों को दोबारा वापस लाने में प्रशासन को अपेक्षाकृत आसानी हुई है।

सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान तीन सफाई कर्मचारियों की मौत

एजेंसी (हि.स.)

रायपुर

फोटोः हि.स.

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पचपेढ़ी नाका स्थित रामकृष्ण केयर अस्पताल में मंगलवार रात सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान एक दर्दनाक हादसे में तीन सफाई कर्मचारियों की दम घुटने से मौत हो गई। अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. संदीप दवे ने घटना को दुखद बताया और कहा कि ये मजदूर आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से काम कर रहे थे। अस्पताल प्रबंधन ने मृतकों के परिजनों को 15-15 लाख रुपये का मुआवजा देने और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का आश्वासन दिया है। उधर, हादसे के बाद अस्पताल परिसर में भारी हंगामा मच गया और परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। टिकरापारा और न्यू राजेंद्र नगर थाने की पुलिस मौके पर तैनात है। टिकरापारा थाना प्रभारी और एडीसीपी पश्चिम राहुल देव शर्मा ने हादसे में तीन मजदूरों की मौत की पुष्टि की है। मृतकों की पहचान गोविंद सेंद्र(35 वर्ष), अनमोल मचकन (25 वर्ष)और प्रशांत कुमार (22 वर्ष)के रूप में हुई है, जो सिमरन सिटी क्षेत्र के निवासी थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और मामले की जांच के लिए मर्ग कायम किया है। टिकरापारा थाना पुलिस ने बताया कि वर्तमान में मर्ग कायम किया है और जांच के बाद दोषियों पर गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जायेगा।

हुमायूं कबीर की पार्टी 182 सीटों पर लड़ेगी चुनाव, ममता के खिलाफ उम्मीदवार का ऐलान

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता

फोटोः हि.स.

तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर ने बुधवार को अपनी नई पार्टी जनता उन्नयन पार्टी के 15 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। उन्होंने घोषणा किया कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 182 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कहा कि उनकी पार्टी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भवानीपुर सीट से एक मुस्लिम उम्मीदवार उतारेगी।

पिछले वर्ष तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित किए गए विधायक हुमायूं कबीर हाल के महीनों में मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद बनाने की अपनी योजना को लेकर चर्चा में रहे हैं, जिस पर राज्य की राजनीति में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थीं। संवाददाता सम्मेलन में कबीर ने कहा कि हम 182 सीटों पर उम्मीदवार दे रहे हैं। आज हम मालदा और मुर्शिदाबाद के उम्मीदवारों की घोषणा कर रहे हैं। पूरी सूची रविवार को दोपहर एक बजे जारी की जाएगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि उनकी पार्टी के साथ तालमेल में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) भी कुछ सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। विधायक कबीर ने बताया कि उनकी पार्टी दक्षिण कोलकाता की हाई प्रोफाइल भवानीपुर सीट से ममता बनर्जी के खिलाफ पूनम बेगम को उम्मीदवार बनाएगी, जो गैर-बंगाली मुस्लिम उम्मीदवार हैं। भवानीपुर सीट इस बार भी सबसे चर्चित मुकाबलों में से एक मानी जा रही है, जहां ममता बनर्जी का मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी से होने की संभावना है। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में भी इन दोनों नेताओं के बीच कड़ा राजनीतिक मुकाबला देखने को मिला था।

ईद

पुरानी दिल्ली में ईद की तैयारियां जोरों पर

खरीदारों से ठसाठस भरे बाजार, हुए गुलजार

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

पवित्र रमजान महीने के आखिरी दिनों में ईद की तैयारियों को लेकर बाजारों में काफी भीड़ उमड़ रही है। इसके मद्देनजर मुस्लिम बहुल जामा मस्जिद इलाके में बाजार सुबह 5 बजे तक खुल रहे हैं। भीड़ का आलम यह है कि यहां पर पैदल चलना भी दुश्वार नजर आ रहा है। लोग पूरी रात खरीदारी करने के साथ-साथ पुरानी दिल्ली के लजीज पकवानों का भी लुत्फ उठा रहे हैं।

एक महीना रमजान का रोजा रखने के बाद ईद-उल-फित्र का त्यौहार पूरी अकीदत और ऐहतराम के साथ मनाया जाता है। ईद को माहे-रमजान का रोजा रखने का इनाम माना जाता है। इसलिए ईद पर मुसलमानों के जरिए नए कपड़े बनवाए जाते हैं। इसके अलावा खुशियां मनाने के लिए तरह-तरह के पकवान बनते हैं, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण सेवइयां होती हैं। इसे अपने घर वालों, रिश्तेदारों और पड़ोसियों के साथ मिलजुलकर खाया जाता है। यही वजह है कि यहां बाजारों में बनारसी, लच्छा और मोटी समेत अलग-अलग तरह की सेवइयों की दुकानें सजी हैं, जिनकी लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। जामा मस्जिद क्षेत्र में वैसे तो रमजान के शुरूआती दिनों से ही गहमा-गहमी शुरू हो जाती है और बाजार सज जाते हैं, लेकिन जैसे-जैसे ईद का समय करीब आते ही बाजारों में भीड़ बढ़ जाती है। यही नजारा इस समय यहां पर देखने को मिल रहा है। बाजार में कपड़े, इत्र और श्रृंगार की दुकानों में बेशुमार लोग खरीदारी करते हुए दिखाई पड़े रहे हैं। इसके अलावा खजूर और ड्राई फ्रूट्स की दुकानों में भी लोगों को खरीदारी करते हुए देखा जा रहा है। यहां मौजूद रेस्टोरेंट और खाने-पीने की दुकानों में भी रात भर लोगों को खाते-पीते देखा जा सकता है, क्योंकि दिन में रोजा रखने की वजह से इन खाने पीने की दुकानों में सन्नाटा रहता है। इफ्तार का समय होने के बाद से ही सभी रेस्टोरेंट और खाने-पीने के होटल गुलजार हो जाते हैं। जामा मस्जिद इलाके का उर्दू बाजार, मटिया महल, चूड़ी वालान, चितली कबर, सुई वालान, कमरा बंगश, जटवाड़ा बाजार, तिराहा बैहरम खान, दिल्ली गेट बाजार, सर सैयद रोड बाजार को बड़ी ही खूबसूरत तरीके से सजाया गया है। बिजली के रंग-बिरंगे बल्ब से यहां पर रोशनी की गई है, जो की देखने में काफी दिलकश लगती है। बाजारों की यह सजावट लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कल गुरुवार 19 मार्च को ईद का चांद कमेटियों के जरिए देखने की कोशिश की जाएगी और अगर चांद नजर आ गया, तो उस दिन चांद रात होगी और शुक्रवार 20 मार्च को ईद मनाई जाएगी। अगर चांद नजर नहीं आया, तो अगले दिन यानी 21 मार्च शनिवार को ईद उल फित्र का त्यौहार मनाया जाएगा। सभी मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में ईद की नमाज को लेकर के मस्जिदों में विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। ईद की नमाज को लेकर के सभी प्रकार की सावधानियां बरती जा रही हैं।

संक्षिप्त-समाचार

सुशीला कार्की ने पशुपतिनाथ मंदिर में किया रुद्राभिषेक

काठमांडू। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने आज सुबह अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ पशुपतिनाथ मन्दिर में दर्शन कर रुद्राभिषेक किया। प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि हाल ही में चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने के बाद उन्होंने अपने आराध्यदेव पशुपतिनाथ को धन्यवाद स्वरूप यह पूजा अर्पित की। यह जानकारी प्रधानमंत्री के सचिवालय ने दी है। सचिवालय के अनुसार, कार्की ने देश को शांति और स्थिरता के मार्ग पर आगे बढ़ाने में सभी पक्षों से मिले सहयोग के लिए कृतज्ञता व्यक्त की। साथ ही, उन्होंने कामना की कि आने वाले दिनों में देश और अधिक प्रगति की दिशा में आगे बढ़े। सचिवालय की विज्ञप्ति के अनुसार, कार्की ने देशभर के नेपाली नागरिकों के बीच एकता, सद्भाव और आत्मीयता की भावना और मजबूत होने का आव्हान किया। पूजा कार्यक्रम में उनके मंत्रिमंडल के कई मंत्रियों एवं उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारियों की भी उपस्थिति रही। पशुपति क्षेत्र विकास कोष के सदस्य सचिव प्रकाशमणि शर्मा तथा कार्यकारी निदेशक सुवास जोशी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

मणिपुर के प्रतिबंधित संगठनों के तीन कैडर गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों के विरुद्ध जारी अभियान की कड़ी में बीते 24 घंटों के दौरान पुलिस एवं सुरक्षा बलों ने राज्य के अलग-अलग हिस्सों से तीन उग्रवादी संगठनों के तीन कैडरों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से कई तरह की सामग्री भी बरामद की गयी है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा आज सुबह जारी बयान में बताया गया है कि मंगलवार को सुरक्षा बलों ने काकचिंग ज़िले के सुगनू थानांतर्गत सिंगटॉम इलाके से प्रतिबंधित संगठन आरपीएफ/पीएलए के एक सक्रिय कैडर एलांगबम अबिनाश उर्फ राकेश (21) को गिरफ्तार किया है। वह मूल रूप से काकचिंग जिला के हियांगलाम माखा लेइकाई का रहने वाला बताया गया है। दूसरे अन्य एक अभियान में इसी दिन सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्वी ज़िले के इरिलबुंग थानांतर्गत इरिलबुंग हाई स्कूल, बामोन कांपू के पास से प्रतिबंधित संगठन केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक सक्रिय कैडर इंफाल पूर्वी जिले के वांगखेई अयांगपल्ली निवासी मुतुम रंजन सिंह उर्फ मंगल (46) को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल फोन और एक स्कूटर जब्त किया गया। तीसरे अभियान में सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिमी ज़िले के सिंगजामेई थानांतर्गत कांचीपुर इलाके से प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक (प्रो) के एक सक्रिय कैडर इंफाल पूर्वी जिले के वानम सांग्बोक माखा लेइकाई निवासी ताओरेम अरुणकुमार सिंह (32) को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड जब्त किया गया। इस बीच राज्य के संवेदनशील जिलों के सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा बल तलाशी अभियान और क्षेत्र पर नियंत्रण जारी रखे हुए हैं, जिसके परिणामस्वरूप हथियार और गोला-बारूद बरामद हुए हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि मंगलवार को चलाए गये अभियान के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर जरूरी सामान ले जाने वाले 326 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है और वाहनों की निर्बाध और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील हिस्सों में सुरक्षा काफिला उपलब्ध कराया गया है। मणिपुर के अलग-अलग ज़िलों में, पहाड़ों और घाटियों दोनों में इस दौरान कुल 114 नाके एवं चेक पॉइंट लगाए गए थे, हालांकि किसी को भी हिरासत में नहीं लिया गया।

रायगढ़ जिले में कंटेनर कार पर पलटा, 3 लोगों की मौत, 5 घायल

मुंबई। मुंबई के पास रायगढ़ जिले के खोपोली में बुधवार को मुंबई-पुणे हाईवे पर ब्रेक फेल होने के बाद एक अनियंत्रित कंटेनर कई वाहनों को टक्कर मारते हुए एक कार पर पलट गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर पुणे से मुंबई की ओर जाने वाली लेन में खोपोली के पास नई टनल के समीप हुई। अचानक कंटेनर का ब्रेक फेल हो गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित कंटेनर ने रास्ते में चल रही कई गाड़ियों को टक्कर मार दी और अंततः एक कार के ऊपर पलट गया। घटना की सूचना मिलते ही खोपोली आईआरबी पेट्रोलिंग, देवदूत सिस्टम, बोरघाट हाईवे ट्रैफिक पुलिस, खोपोली पुलिस स्टेशन, डेल्टा फोर्स, महाराष्ट्र सिक्योरिटी फोर्स सहित अन्य राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए। सभी टीमों ने मिलकर त्वरित कार्रवाई करते हुए घायलों को वाहन से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि घायलों का इलाज जारी है। मृतकों और घायलों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। खोपोली पुलिस स्टेशन की टीम पूरे मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों की विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी की बड़ी कार्रवाई, 5 लोगों को मानव तस्करी से बचाया

सुपौल। भारत-नेपाल सीमा पर तैनात 45वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल ने मानव तस्करी के एक बड़े प्रयास को विफल करते हुए 5 व्यक्तियों को सुरक्षित रेस्क्यू किया है। इस कार्रवाई में 4 नाबालिग (3 युवतियाँ और 1 युवक) तथा 1 वयस्क युवक शामिल हैं। द्वितीय कमान अधिकारी जगदीश कुमार शर्मा ने बताया कि 17 मार्च को मानव तस्करी की आशंका को देखते हुए सभी सीमा चौकियों पर सघन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान सीमा चौकी नरपतपट्टी की पेट्रोलिंग टीम ने 3 युवतियों और 2 युवकों को संदिग्ध अवस्था में रोका। पूछताछ में सभी के नेपाली निवासी होने की पुष्टि हुई। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ कि एक नेपाली और एक भारतीय तस्कर द्वारा उन्हें रोजगार का झांसा देकर नेपाल से जयपुर ले जाया जा रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसबी की मानव तस्करी रोधी इकाई की उपस्थिति में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर सभी को आगे की कार्रवाई के लिए भपटियाही थाना को सौंप दिया गया। इसी क्रम में 18 मार्च को सीमा चौकी शैलेशपुर पर चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को नेपाल से भारत की ओर आते हुए पकड़ा गया। उसने अपना नाम ज्ञानेंद्र प्रसाद यादव, निवासी सरली (नेपाल) बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से 3,50,000 नेपाली मुद्रा बरामद की गई।

चुनौतीपूर्ण पूल डी में भारत, प्रदर्शन पर रहेगा फोकसः कोच मारिजन

'पूल-डी' में भारत के सामने चीन और इंग्लैंड की चुनौती

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 के लिए अपनी क्वालिफिकेशन पक्की करने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम मंगलवार शाम को टूर्नामेंट के ड्रॉ की घोषणा के बाद इस बड़े इवेंट की तैयारी कर रही है। आगामी टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम को पूल डी में इंग्लैंड, चीन और दक्षिण अफ्रीका के साथ रखा गया है। यह टूर्नामेंट इस साल अगस्त में होने वाला है। इस ग्रुप में चीन सबसे ऊंची रैंक वाली टीम है, जो अभी दुनिया में चौथे नंबर पर है।

भारत की हाल की प्रतिद्वंद्वी और एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर्स (हैदराबाद, तेलंगाना) की विजेता टीम इंग्लैंड छठे स्थान पर है, जबकि भारत और दक्षिण अफ्रीका क्रमशः नौवें और उन्नीसवें स्थान पर हैं। खेलने की बिल्कुल अलग-अलग शैलियों के साथ यह ग्रुप भारतीय टीम के लिए एक रोमांचक चुनौती पेश करेगा। आगे आने वाली कड़ी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए टीम के मुख्य कोच सजोर्ड मारिजने को पूरा भरोसा है कि उनकी टीम लगातार अपनी हॉकी शैली का प्रदर्शन कर सकती है। हॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में मारिजने ने कहा कि यह एक बहुत ही प्रतिस्पर्धी और संतुलित पूल है। इसमें इंग्लैंड और चीन जैसी टीमें हैं जो अलग-अलग शैलियां और ढेर सारा अनुभव लेकर आती हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका की महिला राष्ट्रीय हॉकी टीम हमेशा अप्रत्याशित होती है और अपने दिन पर बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह ड्रॉ की बात नहीं है, यह इस बात की बात है कि हम मैदान पर कैसा प्रदर्शन करते हैं। विश्व कप में, हर मैच में आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है। हम सभी विरोधी टीमों का सम्मान करते हैं, लेकिन हमारा ध्यान अपनी शैली की हॉकी को निरंतरता और साहस के साथ खेलने पर है। हाल ही में हैदराबाद (तेलंगाना) में संपन्न हुए एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर्स में भारत ने दूसरा स्थान हासिल किया। हालांकि फाइनल में उसे इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा। फाइनल में मिली इस हार के बावजूद टीम के लिए कई सकारात्मक पहलू रहे। टीम ने इस टूर्नामेंट का समापन दूसरे सबसे ज्यादा गोल (11 गोल) करने वाली टीम के तौर पर किया, जिनमें से छह गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए थे। टूर्नामेंट पर विचार करते हुए कोच ने टीम को लगातार सुधार करने और निरंतरता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया और इस बात पर जोर दिया कि वे मैदान के दोनों छोरों पर ज्यादा सटीक खेलें। उन्होंने कहा कि हमने आगे बढ़कर अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन हमारे लिए सबसे जरूरी बात यह है कि हम अपने मौकों को गोल में बदलने पर ध्यान दें, चाहे वे फील्ड गोल हों या पेनल्टी कॉर्नर। इसके अलावा, हमें रक्षात्मक रूप से भी अपनी रणनीतियों पर काम करते रहना होगा। टूर्नामेंट का इंतजार करते हुए और तैयारियों पर रोशनी डालते हुए सजोर्ड मारिजने ने कहा कि हमारा यूएसए और अर्जेंटीना का दौरा है, न्यूजीलैंड में नेशंस कप है और जर्मनी में प्रैक्टिस मैच हैं। हम नीदरलैंड्स में भी कुछ मैच खेलेंगे। ये तय मैच और हमारे कैंप मिलकर हमें विश्व कप और एशियन गेम्स के लिए तैयार होने के लिए मैचों और प्रशिक्षण का एक बहुत अच्छा मेल देते हैं।

आईपीएल 2026ः आरसीबी टीम से जुड़े विराट, भुवनेश्वर और क्रुणाल

बेंगलुरू। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली, अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, क्रुणाल पांड्या और देवदत्त पडिक्कल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले टीम से जुड़ गए हैं। आईपीएल के इस सीजन की शुरूआत 28 मार्च से हो रही है। आरसीबी अपने अभियान की शुरूआत सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में करेगी। आरसीबी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए इन स्टार खिलाड़ियों के पहुंचने की पुष्टि की। आरसीबी ने एक्स पर विराट के आगमन के बारे में पोस्ट करते हुए लिखा, उन्हें देखने की जरूरत नहीं है.. यह जानने के लिए कि वे आ रहे हैं। कैलेंडर देखें। संकेत मिल जाएंगे। 'स्विंग किंग' भुवनेश्वर भी टीम में शामिल हो गए हैं। आरसीबी ने एक्स पर पोस्ट किया कि वह शांति लाते हैं, लेकिन उनका प्रभाव जबरदस्त है। भुवी घर लौट आए हैं और यह अनुभवी खिलाड़ी एक बार फिर जिम्मेदारियां संभालने के लिए तैयार हैं। हमारे स्विंग किंग को अपना प्यार दिखाएं। पडिक्कल भी टीम से जुड़ गए हैं, जिन्होंने पिछले सीजन में नंबर तीन पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आरसीबी ने एक्स पर पोस्ट किया कि 2020 में पदार्पण किया। 2026 में भी हमारे ही। बेंगलुरु के अपने स्टार बॉय, देवदत्त पडिक्कल आईपीएल 2026 के लिए पूरी तरह तैयार हैं। क्रुणाल के टीम से जुड़ने पर फ्रेंचाइजी ने पोस्ट कर लिखा कि औरा 'के' से शुरू होता है और 'एल' पर खत्म होता है। वह वापस आ गया है। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि बेंगलुरु का मौसम आज थोड़ा और ठंडा हो गया है। 12वीं मैन आर्मी, हमारे 'क्लच गॉड' क्रुणाल पांड्या पर अपना प्यार बरसाना शुरू कर दो।

आईसीसी रैंकिंगः वनडे ऑलराउंडर्स में दूसरे पायदान पर मिराज, टी-20 में सैंटनर की छलांग

एजेंसी (हि.स.)
दुबई

बांग्लादेश वनडे टीम के कप्तान मेहदी हसन मिराज ने हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया, जिसका फायदा उन्हें नवीनतम आईसीसी प्लेयर रैंकिंग में मिला है। पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान बांग्लादेश के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों में मेहदी भी शामिल थे। इस ऑलराउंडर ने तीनों मैचों में पांच विकेट लिए और उनकी टीम ने सीरीज 2-1 से जीत ली।

इन प्रयासों की बदौलत मेहदी वनडे गेंदबाजों की नवीनतम रैंकिंग में नौ पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए, जबकि वनडे ऑलराउंडर्स की सूची में दो पायदान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस सप्ताह उल्लेखनीय सुधार करने वाले बांग्लादेश के खिलाड़ियों में मेहदी अकेले नहीं हैं। उनके साथी खिलाड़ी तंजीद हसन (31 पायदान ऊपर चढ़कर 55वें स्थान पर) और लिटन दास (10 पायदान ऊपर चढ़कर 82वें स्थान पर) ने वनडे बल्लेबाजों की

रैंकिंग में सुधार किया, जबकि तस्कीन अहमद (12 पायदान ऊपर चढ़कर 28वें स्थान पर) और मुस्तफिजुर रहमान (13 पायदान ऊपर चढ़कर 47वें स्थान पर) ने वनडे गेंदबाजों की सूची में बढ़त हासिल की। पाकिस्तान के सलमान अली आगा वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में नौ पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर पहुंच गए और वनडे ऑलराउंडरों की रैंकिंग में तीन पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर आ गए। वहीं शाहीन शाह अफरीदी वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में एक पायदान ऊपर चढ़कर 17वां स्थान पर हासिल किया। ताजा टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर को बड़ा फायदा हुआ है। कीवी कप्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में 11 स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। टी-20 ऑलराउंडरों की सूची में भी वे दो स्थान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेली जा रही पांच मैचों की सीरीज के पहले दो मैचों में अच्छे प्रदर्शन के लिए यह फायदा मिला है। सैंटनर हाल ही में हुए आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप के दौरान भी न्यूजीलैंड के सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक थे। उन्होंने प्रोटियाज के खिलाफ शुरूआती दो मैचों में भी उसी फॉर्म को बरकरार रखा है, जिसमें उन्होंने तीन विकेट लिए और 35 रन बनाए, जिससे सीरीज 1-1 से बराबरी पर है और अभी तीन मैच शेष हैं।

टीम के साथी लॉकी फर्ग्यूसन (18 पायदान ऊपर चढ़कर 51वें स्थान पर) ने भी टी-20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार किया है, जबकि डेवोन कॉनवे (चार पायदान ऊपर चढ़कर 70वें स्थान पर) टी-20 बल्लेबाजों की सूची में सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाले खिलाड़ी हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका के जॉर्ज लिंडे ने 33 रनों की पारी के दम पर टी-20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडरों की रैंकिंग में 11 पायदान ऊपर चढ़कर 23वां स्थान हासिल किया है।

आईपीएल 2026ः राजस्थान रॉयल्स ने नई जर्सी का अनावरण किया

एजेंसी (हि.स.)
जयपुर

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन के लिए अपनी नई जर्सी का बुधवार को अनावरण किया। आईपीएल के पहले सीजन की विजेता रही रॉयल्स ने सोशल मीडिया एक्स पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की। पोस्ट के कैप्शन में लिखा, नया लुक, वही हल्ला बोल। जर्सीः रिवील्ड। नव नियुक्त कप्तान रियान पराग, युवा और आक्रामक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और लेग स्पिनर रवि बिश्नोई इस दौरान मौजूद थे। उन्होंने आईपीएल 2026 सीजन के लिए अपनी नई जर्सी प्रदर्शित की।

आईपीएल की शुरूआत 28 मार्च से हो रही है। राजस्थान रॉयल्स अपना पहला मैच 30 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ खेलेगी। रियान पराग आरआर के लिए सात सीजन खेले हैं। इस दौरान 84 आईपीएल मैचों में 1566 रन बनाए हैं। इस सीजन

फोटोः हि.स.

संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल होने के बाद रियान पराग को राजस्थान रॉयल्स का नया कप्तान बनाया गया है। 25 वर्षीय बिश्नोई को पिछले साल दिसंबर में हुई मिनी नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने 7.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। उससे पहले वह लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा थे। बिश्नोई ने अब तक 77 आईपीएल मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 72 विकेट हासिल किए हैं। उभरते हुए युवा सितारों में से एक वैभव सूर्यवंशी को 2024 में राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा था। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 मैचों में 252 रन बनाए थे।

ब्रैड हैडिन को न्यू साउथ वेल्स पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रैड हैडिन को न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) की पुरुष टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वे ग्रेग शिप्पर्ड की जगह लेंगे और जून से अपना कार्यभार संभालेंगे। ग्रेग का कार्यकाल उनके अनुबंध में एक साल शेष रहते हुए ही समाप्त कर दिया गया था। 48 वर्षीय हैडिन नवंबर 2014 में क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के लिए अपना आखिरी मैच खेलने के बाद पहली बार वापसी कर रहे हैं। हैडिन अपने साथ कोचिंग का व्यापक अनुभव लेकर आए हैं। हैडिन ने इससे पहले डैरेन लेहमैन और जस्टिन लैंगर के मार्गदर्शन में ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के सहायक और फील्डिंग कोच के रूप में काम किया है। वह वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग में रिकी पोंटिंग की कोचिंग वाली पंजाब किंग्स के सहायक कोच हैं और इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद के भी सहायक कोच रह चुके हैं। हैडिन ने एक बयान में कहा, एनएसडब्ल्यू क्रिकेट मेरे जीवन का एक अभिन्न अंग रहा है और मुख्य कोच के रूप में इस टीम में फिर से शामिल होना मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है।' उन्होंने कहा, मैं हमारे मौजूदा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं ताकि एनएसडब्ल्यू क्रिकेट में एक नई जान फूंकी जा सके और एक ऐसी टीम बनाई जा सके जिसकी खेल शैली दमदार और विशिष्ट हो, जिस पर हम सभी गर्व कर सकें।

आईपीएल में पैट कमिंस की अनुपस्थिति में हैदराबाद की कप्तानी करेंगे ईशान किशन

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की शुरूआत से पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने बड़ा फैसला लेते हुए विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को टीम का कप्तान नियुक्त किया है। किशन शुरूआती कुछ मैचों में टीम की कप्तानी करेंगे, क्योंकि नियमित कप्तान पैट कमिंस अभी तक पीठ की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को टीम का उप-कप्तान बनाया है।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर बुधवार को आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद ने बताया कि चोट से उबरने के कारण पैट कमिंस कुछ मैच नहीं खेल पाएंगे। जब तक वह ठीक नहीं हो जाते, ईशान किशन कप्तान और अभिषेक शर्मा उप-कप्तान रहेंगे।

फोटोः हि.स.

हालांकि फ्रेंचाइजी ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि कमिंस कितने मैच नहीं खेल पाएंगे।

ईशान किशन ने हाल ही में आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। टूर्नामेंट में उन्होंने 193 के स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए थे। अगर आईपीएल के पिछले सीजन के प्रदर्शन की बात करें तो किशन ने 14 मैचों में 152.58 की स्ट्राइकरेट से 354 रन बनाए थे, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल था। किशन ने घरेलू टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में झारखंड टीम की कप्तानी करते हुए टीम को खिताब जिताया था।

सनराइजर्स हैदराबाद अपने अभियान की शुरूआत 28 मार्च को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ करेगी।

पीतलनगरी इलेवन ने ब्राससिटी स्टार को 91 रनों से दी शिकस्त

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
मुरादाबाद

मुरादाबाद डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन मुरादाबाद के नेता जी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में बुधवार को इंटर क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट में पीतलनगरी इलेवन और ब्राससिटी स्टार के बीच 16 ओवर का मैच खेला गया। पीतलनगरी इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्राससिटी स्टार को 91 रनों से शिकस्त दी। साथ ही अमित को बेहतरीन गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मुरादाबाद डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि बुधवार को हुए मुकाबले में टॉस जीतकर पीतलनगरी इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और निर्धारित 16 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 165 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। पीतलनगरी इलेवन की ओर से सिराज ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 57 रनों की पारी खेली जबकि अनुज कुमार ने 49 और मलिंगा ने 23 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ब्राससिटी स्टार पीतलनगरी इलेवन की गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी।

शक्ति की आराधना और आत्म-शुद्धि का महापर्वः चैत्र नवरात्रि

भारतीय संस्कृति में त्योहारों का विशेष महत्व है और इनमें 'नवरात्रि' का पर्व आध्यात्मिक चेतना और शक्ति की उपासना का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है। आज से चैत्र नवरात्रि के साथ ही न केवल माँ दुर्गा की पूजा-अर्चना शुरू हो रही है, बल्कि हिंदू नव-वर्ष (विक्रम संवत 2083) का भी मंगलमय शुभारंभ हो गया है। पूरे क्षेत्र के मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा हुआ है और 'जय माता दी' के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया है। नवरात्रि का अर्थ है 'नौ विशेष रातें'। आध्यात्मिक दृष्टिकोण से ये नौ दिन हमारे भीतर की नकारात्मकता (काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार) को समाप्त कर दैवीय गुणों को जाग्रत करने का समय हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी, ऋतु परिवर्तन के इस समय में उपवास और सात्विक आहार शरीर को शुद्ध करने और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक होते हैं। इन नौ दिनों में माँ दुर्गा के नौ रूपों—शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। माँ का हर स्वरूप हमें जीवन जीने का एक नया मंत्र देता हैः विषम परिस्थितियों में विचलित न होना। अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहना। समाज के प्रति संवेदनशील होना।

नारी शक्ति का सम्मान ही सच्ची पूजा

नवरात्रि का वास्तविक संदेश नारी शक्ति का सम्मान है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है– 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः' अर्थात जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवताओं का वास होता है। आज जब महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में–चाहे वह पत्रकारिता हो, खेल हो या विज्ञान–अग्रणी भूमिका निभा रही हैं, तब नवरात्रि का यह पर्व हमें उनके प्रति और अधिक संवेदनशील और आदरपूर्ण बनने की प्रेरणा देता है। नवरात्रि के अंतिम दिनों में होने वाला कन्या पूजन इस बात का प्रतीक है कि हर कन्या में देवी का अंश है। यह अनुष्ठान समाज में लैंगिक समानता और बच्चों के प्रति प्रेम व सुरक्षा का भाव पैदा करने का एक सशक्त माध्यम है।

नवरात्रि व्रत नियम

नवरात्रि के पहले दिन विधि-विधान से कलश स्थापना अवश्य करनी चाहिए। मान्यता है कि, इससे घर में देवी दुर्गा का वास बना रहता है। व्रत रखने वाले व्यक्ति को नकारात्मक विचारों से दूर रहना चाहिए और मन, वचन व कर्म की पवित्रता बनाए रखनी चाहिए। नवरात्रि के दिनों में ब्रह्मचर्य का पालन अवश्य करना चाहिए। प्रतिदिन मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा-अर्चना करें और दुर्गा चालीसा का पाठ पढ़ें। इससे विशेष पुण्य फल मिलता है। नवरात्रि के दौरान अष्टमी या नवमी के दिन कन्याओं को भोजन कराकर उनका आशीर्वाद लें। पूजा स्थल को हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए। इसके पास जूते-चप्पल या गंदगी जैसा कोई भी सामान न रखें। नवरात्रि के समय घर में मांसाहार और शराब का सेवन पूरी तरह से वर्जित माना गया है। अगर अखंड ज्योति जला रहे हैं, तो भूलकर भी घर को खाली न छोड़े। नवरात्रि में प्याज और लहसुन का सेवन भी नहीं करना चाहिए, क्योंकि इसे तामसिक आहार माना जाता है। इस अवधि में बाल, दाढ़ी या नाखून काटने से भी बचना चाहिए। व्रत रखने वालों को जमीन पर सोना चाहिए।

पूजा सामग्रियां

पूजा के लिए सबसे पहले बताशे, कपूर, पीतल का दीया, मिट्टी, मिट्टी का पात्र और उसका ढक्कन खरीद लें। इसके बाद आप एक कलावा, रुई की बत्ती, सिंदूर, धूप बत्ती, पूजा के लिए थोड़े साफ और साबुत चावल, रबर बैंड, नथ, गजरा, मांग टीका भी शामिल करें। इस दौरान देवी के लिए कान की बाली, कंघी, शीशा और लाल रंग की नई साफ चुनरी भी लें। अब आप जटा नारियल, जल, गंगाजल, चुनरी, दीपक, मौली, सुपारी, दूर्वा भी पूजा सामग्री में शामिल करें। इसके बाद साफ लौटा, सूखा नारियल, फूल माला, पान, माता के लिए वस्त्र, रुई बत्ती, तिल का तेल या घी भी रखें। इस दौरान दीया, मिठाई, , शीशा, बिछिया, इत्र, चोटी, लाल चूड़ियां, सिंदूर, बिंदी, महावर, गले के लिए माला, पायल और मेंहदी भी रखें। भोग के लिए कुछ फल, मिठाई भी रखें। साथ ही कुछ दान के लिए भी अपनी क्षमता के अनुसार चीजें शामिल करें।

नवरात्रि व्रत में दिन में कितनी बार कर सकते हैं भोजन

कुछ श्रद्धालु नवरात्रि के दौरान निर्जला व्रत का पालन करते हैं। इस प्रकार के व्रत में व्यक्ति पूरे दिन या कई बार पूरे नौ दिनों तक केवल पानी या फल का ही सेवन करता है। इसे काफी कठिन माना जाता है। इसे आमतौर पर वही लोग करते हैं जो लंबे समय से व्रत-साधना का अभ्यास रखते हैं। कई लोग नवरात्रि में फलाहार व्रत रखते हैं। इसमें दिन में एक या दो बार फल, दूध, दही, मेवा या व्रत में खाए जाने वाले विशेष आहार जैसे कुट्टू या सिंहाड़े के आटे से बनी चीजें खाई जाती हैं। अधिकतर लोग इसी नियम का पालन करते हैं, क्योंकि इससे शरीर को ऊर्जा भी मिलती रहती है और व्रत का नियम भी बना रहता है। कई परिवारों में यह परंपरा भी होती है कि पूरे दिन व्रत रखने के बाद शाम को मां दुर्गा की पूजा करने के पश्चात एक बार भोजन किया जाता है। इस भोजन में सामान्य अनाज की जगह व्रत के अनुकूल सामग्री का ही उपयोग किया जाता है। धार्मिक दृष्टि से नवरात्रि व्रत का मुख्य उद्देश्य शरीर को कष्ट देना नहीं है। यह मन को संयमित और जागरूक बनाए रखने का समय है। व्रत के माध्यम से व्यक्ति अपने विचारों को सकारात्मक बनाता है, इंद्रियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करता है और पूरी श्रद्धा के साथ देवी दुर्गा की उपासना करता है।

चैत्र नवरात्र तिथियां

- 19 मार्चः मां शैलपुत्री पूजा और कलश स्थापना
- 20 मार्चः मां ब्रह्मचारिणी की आराधना
- 21 मार्चः मां चंद्रघंटा की पूजा
- 22 मार्चः मां कूष्मांडा का पूजन
- 23 मार्चः मां स्कंदमाता की उपासना
- 24 मार्चः मां कात्यायनी की वंदना
- 25 मार्चः मां कालरात्रि की पूजा
- 26 मार्चः मां महागौरी (महाअष्टमी व्रत)
- 27 मार्चः मां सिद्धिदात्री (राम नवमी)

चैत्र नवरात्रि में मां की स्थापना करते समय न करें ये गलती

इस साल चैत्र नवरात्रि 19 मार्च, 2026 से शुरू हो रही है। शक्ति की उपासना के इन नौ दिनों के दौरान, भक्त अपने घरों में देवी दुर्गा की चौकी स्थापित करते हैं। लेकिन अगर चौकी स्थापित करते समय दिशा या नियमों में कोई गलती हो जाती है, तो पूजा का पूरा फल प्राप्त नहीं होता है। शास्त्रों में चौकी स्थापना को लेकर कुछ महत्वपूर्ण नियमों का उल्लेख किया गया है। आइए जानते हैं कौन से हैं वो नियम।

चौकी स्थापना नियम

देवी की चौकी हमेशा ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) में स्थापित करना चाहिए। यदि आप इस दिशा में पूजा करते हैं, तो सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। यदि आप चौकी को गलत दिशा में रखते हैं, तो पूजा का प्रभाव कम हो सकता है। कुछ लोग एक साथ कई मूर्तियां या चित्र रख देते हैं। लेकिन शास्त्रों के अनुसार, एक ही स्थान पर तीन मूर्तियां रखना अशुभ माना जाता है। बेहतर यही है कि अधिकतम दो मूर्तियां ही रखी जाएं। नवरात्रि पूजा में काले रंग का उपयोग करना अशुभ माना जाता है। काले कपड़े पहनना या पूजा स्थल पर काले कपड़े बिछाना गलत है। इसके बजाय, लाल और पीले जैसे शुभ रंगों का उपयोग किया जाना चाहिए। कलश स्थापना का विशेष महत्व है। कलश को देवी दुर्गा की मूर्ति या चित्र के दाईं ओर रखा जाना चाहिए। यदि इसे गलत स्थान पर रखा जाता है, तो पूजा का पूरा फल प्राप्त नहीं होता है।

कलश स्थापना शुभ मुहूर्त

चैत्र नवरात्रि पर कलश स्थापना के लिए पहला शुभ मुहूर्तः प्रातः 06 बजकर 52 मिनट से प्रातः 07 बजकर 43 मिनट तक । चैत्र नवरात्रि पर कलश स्थापना के लिए दूसरा मुहूर्तः दोपहर 12 बजकर 05 मिनट से 12 बजकर 53 मिनट तक रहेगा।

कलश स्थापना विधि

कलश स्थापना के लिए आप एक मिट्टी का पात्र लें और उसमें साफ मिट्टी डालें। इस दौरान पात्र को पूजा मिट्टी से भरें और उसे फैला लें। कुछ जौ के बीज लेकर उसे पात्र में डालकर मिलाएं। इसके बाद पात्र पर साफ पानी से थोड़ा छिड़काव करें। वहीं एक तांबे के लोटे में साफ जल भरकर उसपर मौली बांधें। लोटे में सुपारी, पान का पत्ता, सिक्के, चावल और बताशें डाल दें। इसके बाद 7 या 11 अशोक के पत्त लेकर उसे साफ करें। सभी पत्तों को लोटे में डालकर एक गोला बना लें। अब आप एक पानी वाले नारियल पर चुनरी और कलावा बांधकर उसे लोटे के ऊपर रखें। इसपर रोली से तिलक लगाएं और कलश को मिट्टी के पात्र के बीच में स्थापित कर लें। इसके बाद आप देवी का श्रृंगार करें और धूप जलाएं। दीपक जलाकर आरती करें और कुछ फल देवी को अर्पित करें। अंत में दुर्गा सप्तशती और आरती का पाठ करते हुए सभी को प्रसाद बांट दें।

आपकी योजना-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत सामाजिक कल्याण योजनाओं को प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाने का प्रशासक का आह्वान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सामाजिक कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, चंडीगढ़ ने सामाजिक कल्याण सलाहकार समिति के सहयोग से आज टैगोर थिएटर, सेक्टर-18 में आपकी योजना-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता फैलाना और उन्हें प्रभावी रूप से नागरिकों तक पहुँचाना है। इस कार्यक्रम में पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि प्रशासक की सामाजिक कल्याण स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री सत्य पाल जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने संबोधन में प्रशासक ने कहा कि लोकतांत्रिक समाज की वास्तविक शक्ति उसके सबसे कमजोर और वंचित वर्गों के उत्थान में निहित है तथा प्रशासन समावेशी विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है ताकि कोई भी व्यक्ति पीछे न रह जाए। महिलाओं के सशक्तिकरण, बच्चों के संरक्षण, वरिष्ठ नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा तथा दिव्यांगजनों के समर्थन से जुड़ी विभिन्न पहलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ये योजनाएँ गरिमा, आत्मनिर्भरता और समान अवसरों को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए नशा-विरोधी अभियानों सहित जागरूकता प्रयासों के महत्व पर भी बल दिया और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया ताकि कल्याणकारी लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुँच सकें और विकसित भारतह्व 2047 के लक्ष्य को साकार किया जा सके।

सभा को संबोधित करते हुए श्री सत्य पाल जैन ने विभाग के प्रयासों की सराहना की और अपनी अध्यक्षता में शुरू की गई पहलों का उल्लेख किया, जिनमें शगुन योजना के तहत बेटियों के विवाह हेतु 31,000 की सहायता, मजदूर भवन के निर्माण के लिए भूमि आवंटन की प्रगति, जीएमएसएच-16 में शाम की ओपीडी सेवाओं का संचालन, पेंशन वृद्धि के प्रस्ताव तथा सेक्टर-49 में नए वरिष्ठ नागरिक गृह की योजना शामिल है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य कल्याणकारी योजनाओं को समाज के सबसे जरूरतमंद वर्गों तक पहुँचाना है। पहल का उद्देश्य योजनाओं की घर-घर पहुँच सुनिश्चित करना और उनकी सुलभता बढ़ाना है। चंडीगढ़ की लगभग 10.5 लाख की आबादी में विभाग करीब 4.7 लाख महिलाओं, 1.17 लाख बच्चों, 72,000 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों और लगभग 15,000 दिव्यांगजनों को सेवाएँ प्रदान कर रहा है। इसके लिए 450 आंगनवाड़ी केंद्र एवं क्रेच, 14 बाल देखभाल संस्थान, वन स्टॉप सेंटर-शक्ति सदन, कार्यरत महिला छात्रावास, वरिष्ठ नागरिक गृह तथा प्रयास जैसी संस्थागत सुविधाओं का मजबूत नेटवर्क विकसित किया गया है। नेत्रा डिजिटल लाइब्रेरी और पोषण अमृत वन जैसी पहलें भी प्रमुख रूप से रेखांकित की गईं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 72.47 करोड़ के बजट में से लगभग 69 करोड़ का उपयोग किया गया। मिशन वात्सल्य तथा मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 जैसे प्रमुख कार्यक्रमों में उच्च उपयोगिता दर्ज की गई, जिससे अवसंरचना उन्नयन, बाल देखभाल सेवाओं के विस्तार और लाभार्थियों को निरंतर सहायता सुनिश्चित हुई। कार्यक्रम में विभागीय पहलों पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गई तथा गरिमा के साथ सशक्तिकरण और समावेशी विकासं के दृष्टिकोण को पुनः दोहराया गया। इस अवसर पर सामाजिक कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव अनुराधा एस. चागती, निदेशक पालिका अरोड़ा, पूर्व मेयर देवेश मोदगिल तथा अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

हरियाणा रोडवेज के महाप्रबंधक को आज से गांव में बस सेवा शुरू करने के दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने खंड बरवाला के गांव त्रिलोकपुर में आयोजित रात्रि ठहराव कार्यक्रम में ग्रामीणों की बस चलवाने की मांग पर तुरंत संज्ञान लेते हुए हरियाणा रोडवेज के महाप्रबंधक को ग्रामीणों व विद्यार्थियों के लिए बस सेवा शुरू करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने रात्रि ठहराव के दौरान गांव त्रिलोकपुर में ग्रामीणों की समस्या सुनी और मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को गंभीरता व बिना विलंब किए समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। उपायुक्त ने इस दौरान कुल 35 समस्याएं सुनीं और अधिकतम का मौके पर समाधान किया तथा शेष समस्याओं का के लिए अधिकारियों को जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने डेरा बाबा बंगाली समिति व अन्य लोगों की मेले के दौरान सामान बेचने संबंधी अनुरोध पर वन विभाग को अपनी जगह में नवरात्र मेले के दौरान 10 दिन के लिए दुकानदारों को अस्थाई रूप से सामान बेचने की अनुमति देने के निर्देश दिए। डीसी ने गांव के किसान रामकरण की किसान सम्मान निधि योजना का लाभ न मिलने की समस्या पर संज्ञान लेते हुए कृषि विभाग को एक सप्ताह में आईडी बनाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजना का लाभ दिलवाने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने बताया कि सरकार का रात्रि ठहराव कार्यक्रम करने का उद्देश्य जिला प्रशासन के द्वारा ग्रामीणों क्षेत्रों में लोगों के घर द्वार पर उनकी सामूहिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं को सुनना व निर्धारित समयावधि में उनका समाधान सुनिश्चित करना है। साथ ही राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करना व लोगों तक उन योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक जिला सचिवालय में समाधान शिविर का आयोजन किया जाता है। इन शिविरों में सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर अपने-अपने विभाग से संबंधित शिकायतों का समाधान करते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि रात्रि ठहराव कार्यक्रम में प्राप्त सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।

इस अवसर पर डीसीपी सृष्टि गुप्ता, एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी श्री विशाल पराशर, गांव त्रिलोकपुर के सरंपच विनोद कुमार, जनस्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता श्री समीर शर्मा, समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पंचकूला में बाल एवं किशोर श्रम उन्मूलन अभियान के तहत छापेमारी, चार बच्चों को बचाया गया

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

श्री अजय कुमार घनघस, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, एडीआर केंद्र, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय परिसर, पंचकूला ने बताया कि श्री जगदीप सिंह लोहान, सदस्य सचिव, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेशों और श्री संजय संधिर, जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला के मार्गदर्शन में, जिला पंचकूला में 'बाल एवं किशोर श्रम उन्मूलन के लिए अखिल भारतीय बचाव एवं पुनर्वास अभियान' सक्रिय रूप से चलाया जा रहा है।

श्री घनघस ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य बाल एवं किशोर श्रम में लगे बच्चों की पहचान करना, उन्हें बचाना और उनका पुनर्वास करना है, तथा उचित देखभाल, सुरक्षा और शिक्षा के माध्यम से समाज में उनके पुनः एकीकरण को सुनिश्चित करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बाल श्रम एक गंभीर सामाजिक बुराई है और कानून का उल्लंघन करते पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला इस अभियान को विभिन्न विभागों और हितधारकों के साथ घनिष्ठ समन्वय में संचालित कर रहा है। इनमें जिला बाल संरक्षण इकाई, श्रम विभाग, मानव तस्करी विरोधी इकाई, विशेष किशोर पुलिस इकाई, बाल कल्याण समिति, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति नियंत्रक, और 'बचपन बचाओ आंदोलन' के जिला समन्वयक, तथा जिला कार्य बल (डीटीएफ), पंचकूला शामिल हैं। ऐसी अवैध प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए जिले भर में विभिन्न स्थानों पर संयुक्त टीमें निरीक्षण और छापेमारी कर रही हैं। आज अभियान के दौरान, जिला पंचकूला के रामगढ़ और मट्टावाला क्षेत्रों में एक छापेमारी की गई। इन समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप, विभिन्न प्रतिष्ठानों से चार बच्चों को बचाया गया, जहाँ वे मजदूरी करते पाए गए थे। रामगढ़ पुलिस चौकी में तत्काल एक डीडीआर (दैनिक रोजनामचा रिपोर्ट) दर्ज की गई और आवश्यक कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

नगराधीश जागृति की अध्यक्षता में पंचकूला में जनगणना 2027 के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

नगराधीश सुश्री जागृति की अध्यक्षता में आज सेक्टर-1 स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जनगणना-2027 को डिजिटल माध्यम से सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से फील्ड ट्रेनर्स के प्रशिक्षण हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मास्टर ट्रेनर्स राजकीय महाविद्यालय, कालका के सहायक प्रोफेसर डॉ. रविंदर कुमार श्योराण तथा राजकीय महाविद्यालय, सेक्टर-1, पंचकूला के सहायक प्रोफेसर श्री वरुण सिंह यादव ने प्रतिभागियों को जनगणना के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने जनगणना के दौरान शेड्यूलिंग, पंजीकरण तथा हाउस लिस्टिंग एप के प्रभावी उपयोग के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों के सहायक एवं एसोसिएट प्रोफेसरों ने भाग लिया और जनगणना कार्य की बारीकियों को गंभीरता से समझा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों को समय रहते प्रशिक्षित करना तथा यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी डिजिटल एप्लिकेशन और निर्धारित प्रक्रियाओं से भली-भांति परिचित हो। कार्यशाला को संबोधित करते हुए नगराधीश सुश्री जागृति ने जनगणना कार्य के महत्व को रेखांकित किया और इससे जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रभावी प्रशिक्षण पर जोर दिया। जिला जनगणना समन्वयक मधु यादव ने बताया कि 16 से 18 मार्च तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जनगणना को निर्धारित समय सीमा में और त्रुटिरहित ढंग से पूरा करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना है । उन्होंने कहा कि इस बार जनगणना में पहली बार डिजिटल उपकरणों का उपयोग किया जाएगा, इसलिए सभी अधिकारियों को तकनीकी पहलुओं की जानकारी गंभीरता से ग्रहण करनी चाहिए। इस प्रशिक्षण में भाग लेने वाले अधिकारी आगामी अप्रैल माह में आयोजित कार्यशालाओं में प्रगणक पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

संक्षिप्त-समाचार

रिश्वतखोरी के मामले में बिजली विभाग के लाइनमैन को 4 वर्ष की सजा

चंडीगढ़/सोनीपत। भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए माननीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सोनीपत की अदालत ने एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है। अदालत ने बिजली विभाग, मुरथल (जिला सोनीपत) में कार्यरत आरोपी सुरेन्द्र (लाइनमैन) को रिश्वत लेने के मामले में दोषी ठहराते हुए 4 वर्ष के कठोर कारावास तथा 10,000 रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई है। मामले के अनुसार, दिनांक 18 जून 2020 को एक शिकायतकर्ता ने राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी सुरेन्द्र ने उसके ट्यूबवेल का ट्रांसफार्मर बदलने के बदले 8,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए ब्यूरो ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियोग संख्या 05, दिनांक 18.06.2020, धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। जांच के दौरान आरोपी को 8,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। पर्याप्त साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए धारा 7 एवं 13 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत सजा सुनाई। यह फैसला न केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ एक कड़ा संदेश है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि कानून के हाथ लंबे हैं और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री आज करेंगे जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता

पंचकूला। हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल गोयल 19 मार्च को दोपहर 12:00 बजे सेक्टर-1 स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि समिति के गैर सरकारी सदस्यों के साथ साथ जिला व पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों पर की गई कार्यवाही की समीक्षा करने के साथ साथ उनके समयबद्ध निपटान के लिए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये जाएँगे। उन्होंने कहा कि जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति का अपना एक महत्व होता है क्योंकि कई महत्वपूर्ण सुझाव इस बैठक के माध्यम से प्राप्त होते है, जिनसे लोकहित कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में सहायता मिलती है।

हिंदू नव वर्ष विक्रमी संवत 2083 के उपलक्ष्य में शहर के सभी मंदिरों में बंटेगा खीर प्रसाद

चंडीगढ़। हिंदू पर्व महासभा ने हिंदू नव वर्ष विक्रमी संवत 2083 (19 मार्च) के उपलक्ष्य में सभी मंदिरों में खीर प्रसाद वितरण का निर्णय लिया है। संस्था के अध्यक्ष बीपी अरोड़ा और महासचिव कमलेश चंद्र सूरी ने बताया कि इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए तिलक की व्यवस्था भी होगी। सुबह प्रभात फेरी, मंदिरों में हवन, दो घंटे संकीर्तन और भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। मंदिरों को रोशनी से सजाया जाएगा। 19 मार्च को श्री सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-23बी में शाम 6:30 से रात 10 बजे तक कार्यक्रम होगा। भजन संध्या, स्वामी कृष्ण कांता महाराज के प्रवचन, माता की चौकी और अंत में भंडारा भी आयोजित होगा। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि श्री रामनवमी से पूर्व 24 मार्च को दोपहर एक बजे से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा सेक्टर-23बी स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर से प्रारंभ होगी। इसके बाद यात्रा सेक्टर-22 डी मार्केट और श्री जय शिव त्रिवेणी मंदिर (सेक्टर-22डी) पहुंचेगी। इसके पश्चात शोभायात्रा श्री सत्यनारायण मंदिर (सेक्टर-22सी) और सेक्टर-22सी मार्केट से होकर अरोमा चौक पहुंचेगी। वहां से श्री प्राचीन शिव मंदिर (सेक्टर-21सी) की ओर बढ़ेगी। आगे यात्रा आजाद मार्केट (सेक्टर-20डी) और सेक्टर-20सी मार्केट से होते हुए श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर (सेक्टर-20) पहुंचेगी। इसके बाद श्री गुग्गा माड़ी संकट मोचन हनुमान मंदिर और श्री चैतन्य गौड़ीय मठ (सेक्टर-20) में जाएगी। अग्रसेन भवन (सेक्टर-30ए), श्री कृष्ण भक्ति आश्रम (सेक्टर-30ए) और श्री शिव शक्ति मंदिर (सेक्टर-30बी) से होकर गुजरेगी। सेक्टर-30 मार्केट तथा सेक्टर-30-29 व 32-31 की डिवाइडिंग रोड से आगे बढ़ेगी। सेक्टर-31डी और सेक्टर-31सी मार्केट से होती हुई सेक्टर-31बी स्थित प्राचीन श्री बाबा बालक नाथ मंदिर में संपन्न होगी।

सीडीओई के दीक्षांत समारोह में 84 छात्रों को अकादमिक उपलब्धियों और 75 को डिग्री से किया सम्मानित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

डिस्टेंस लर्निंग में सफलता के लिए अनुशासन और निरंतर प्रेरणा बेहद आवश्यक है। इसके लिए नेशनल एजुकेशन पॉलिसी शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा दे रही है। ऐसे में छात्रों को एआई आधारित कौशल सीखने के साथ इसका जिम्मेदारी से उपयोग करना जरूरी है। यह बात बुधवार को पंजाब यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजूकेशन में आयोजित 9वें दीक्षांत और 49वें पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी, बद्दी के प्रो-चांसलर प्रो. आर. के. गुप्ता ने कही। कार्यक्रम में सत्र 2023-24 के छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं और मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।

समारोह में कुल 75 छात्रों को कला, वाणिज्य, प्रबंधन और डिप्लोमा कोर्स में डिग्रियां प्रदान की गई, जबकि 84 छात्रों को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डिस्टेंस एजुकेशन प्राप्त करने वाले छात्रों की मेहनत और समर्पण की सराहना की गई, जिन्होंने अपनी पढ़ाई का सफर कठिन परिस्थितियों में पूरा किया। उन्होंने यह भी बताया कि सीडीओई में हाल ही में स्थापित नया स्टूडियो शिक्षण प्रणाली को और सुदृढ़ करेगा।

कार्यक्रम की शुरूआत सीडीओई की निदेशक प्रो. हर्ष गंधार द्वारा गणमान्य अतिथियों के स्वागत और वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुति से हुई। उन्होंने संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि केशव जैन, तन्वी गुप्ता और कीर्ति जैसे छात्रों ने यूपीएससी और पीपीएससी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाएं उत्तीर्ण कर संस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा को जीवनभर जारी रखने और इसे केवल रोजगार तक सीमित न रखने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि पंजाब विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. वाई. पी. वर्मा ने विद्यार्थियों को बदलते समय के अनुरूप खुद को ढालने और दृढ़ता बनाए रखने का संदेश दिया। वहीं, पुरस्कार वितरण समारोह की मुख्य अतिथि और डीन इंस्ट्रक्शंस प्रो. योजना रावत ने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है। इस अवसर पर कला संकाय की डीन प्रो. मधुरिमा वर्मा भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. पूर्वा मिश्रा और डॉ. कमला संधू ने किया, जबकि सह-संयोजक के रूप में डॉ. रविंदर कौर, डॉ. अनिल कुमार और डॉ. सुचा सिंह ने सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. शीना पाल ने किया और अंत में प्रो. स्वर्णजीत कौर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

पीजीआई देश के प्रमुख ट्रांसप्लांट सर्जरी सम्मेलन की मेजबानी करेगा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पीजीआई का रीनल ट्रांसप्लांट सर्जरी विभाग, 19-21 मार्च 2026 तक इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रांसप्लांट सर्जन्स के वार्षिक सम्मेलन की मेजबानी करते हुए गर्व महसूस कर रहा है। पूरे भारत के प्रमुख ट्रांसप्लांट केंद्रों से प्रतिनिधियों के आने की उम्मीद है, जिनके साथ देश भर से अंतर्राष्ट्रीय फैकल्टी और वक्ता भी शामिल होंगे। पहला दिन दो समानांतर कार्यशालाओं के साथ शुरू होगा। मल्टी-ऑर्गन रिट्रीवल और बेंचिंग कार्यशाला में फैकल्टी के मार्गदर्शन में वैस्कुलर टांके लगाने के स्टेशनों के साथ, लिवर हाइलर डिसेक्शन, किडनी एन-ब्लॉक/स्प्लिट, और अग्न्याशय की बुनियादी बातों में मृत शरीर पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। डायलिसिस वैस्कुलर एक्सेस कार्यशाला में फिस्टुला बनाना, एंजियोप्लास्टी, और व्यावहारिक अल्ट्रासाउंड और एंजियोप्लास्टी सिमुलेशन शामिल हैं। पहले दिन का मुख्य आकर्षण प्रतिष्ठित मुख्य भाषण होगा, जिसका शीर्षक है 'सिविल अस्पताल से ट्रांसप्लांट विश्वविद्यालय तक', जिसे डॉ. प्रांजल मोदी 19 मार्च को शाम 4:00 बजे अढउ ऑडिटोरियम में देंगे। सीमित संसाधनों वाले सिविल अस्पताल से लेकर भारत के सबसे अग्रणी ट्रांसप्लांट कार्यक्रमों में से एक को बनाने तक की डॉ. मोदी की यात्रा ISTS की भावना का प्रतीक है। वैज्ञानिक कार्यक्रम के लिए समर्पित है, जिसमें ठोस अंग प्रत्यारोपण के पूरे दायरे को शामिल किया गया है। प्रो. निकोस केसरिस (गाइज हॉस्पिटल लंदन) और डॉ. इओनिस लुकोपोलोस सहित प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय फैकल्टी, प्रत्यारोपण में सर्जिकल तकनीकों पर चर्चा करेंगे। दोपहर का एक विशेष सत्र अग्न्याशय को निकालने, बेंचिंग, प्रत्यारोपण, और एक साथ अग्न्याशय-किडनी प्रत्यारोपण पर गोलमेज चर्चा के लिए समर्पित है।

निर्देश किसी भी प्रकार की देरी या त्रुटि का सीधा प्रभाव निर्वाचन नामावली की शुद्धता पर पड़ेगा

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता सूची पुनरीक्षण की गहन समीक्षा की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

जिला निर्वाचन अधिकारी-सह-उपायुक्त, यूटी चंडीगढ़ ने आज 01-चंडीगढ़ संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों की समीक्षा एवं उन्हें गति देने हेतु एक बैठक की अध्यक्षता की। यह कार्य भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुपालन में किया जा रहा है।

विशेष गहन पुनरीक्षण अप्रैल 2026 से प्रारंभ होना निर्धारित है। समय-सीमा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए तथा त्रुटिरहित निर्वाचन डाटाबेस की आवश्यकता पर बल देते हुए उपायुक्त ने कहा कि इस चरण में किसी भी प्रकार की देरी या त्रुटि का सीधा प्रभाव निर्वाचन नामावली की शुद्धता पर पड़ेगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे तैयारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और समयबद्ध एवं त्रुटिरहित ढंग से पूरा करें। समावेशी एवं पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया के महत्व को रेखांकित करते हुए उपायुक्त ने कहा, स्वच्छ, अद्यतन एवं प्रामाणिक निर्वाचन नामावली ही स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की आधारशिला है, और इसकी गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

बैठक के दौरान दिए गए प्रमुख निर्देर्श

मतदाता मैपिंग: 16.03.2026 तक मैपिंग 71% होने पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी AEROs को तत्काल 100% मैपिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

प्रपत्रों का निस्तारण: सभी लंबित प्रपत्रों का 2-3 दिनों के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, प्रत्येक स्तर पर कड़ी निगरानी रखी जाए।

डाटा गुणवत्ता अभियान: अव्यवस्थित (गिबरिश) प्रविष्टियों एवं मानक से भिन्न फोटो को हटाने हेतु विशेष अभियान प्राथमिकता के आधार पर चलाया जाए।

मानव संसाधन तैनाती: नोडल अधिकारी (मैनपावर) द्वारा पर्याप्त कर्मियों एवं स्वयंसेवकों की व्यवस्था की जाएगी। सभी आवश्यकताएं तत्काल प्रस्तुत की जाएं।

सामग्री की उपलब्धता: सभी आवश्यक सामग्री उपलब्ध है, तथापि किसी अतिरिक्त आवश्यकता को तुरंत सूचित किया जाए। गणना प्रपत्रों की छपाई नोडल अधिकारी (सामग्री प्रबंधन) के माध्यम से की जाएगी।

मीडिया एवं जनसंपर्क रणनीति: बैनर, पोस्टर, रेडियो जिंगल, रटर अभियान एवं विज्ञापनों के माध्यम से व्यापक संचार योजना शीघ्र प्रारंभ की जाएगी।

सोशल मीडिया निगरानी: भ्रामक जानकारी पर चिंता व्यक्त करते हुए उपायुक्त ने फर्जी या भ्रामक सामग्री के विरुद्ध सख्त निगरानी एवं त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रामाणिक जानकारी के नियमित प्रसार हेतु सोशल मीडिया टीम को सुदृढ़ किया जाएगा।

247 सहायता प्रणाली: SIR अवधि के दौरान राज्य संपर्क केंद्र (1950) एवं इछड हेल्प डेस्क चौबीसों घंटे कार्यरत रहेंगे, ताकि नागरिकों को निर्बाध सहायता मिल सके। जिला निर्वाचन अधिकारी-सह-उपायुक्त ने चंडीगढ़ के नागरिकों से अपील की कि एसआईआर की सफलता के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे अपने मतदाता विवरण का सत्यापन एवं अद्यतन करें, सही फोटो एवं पता सुनिश्चित करें, डुप्लीकेट, स्थानांतरित या मृत प्रविष्टियों की सूचना दें। सहायता हेतु नागरिक राज्य संपर्क केंद्र 1950 (247) पर संपर्क कर सकते हैं या अपने संबंधित बूथ स्तर अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। उपायुक्त ने पुनः सभी हितधारकों–राजनीतिक दलों, मीडिया एवं नागरिकों–से पूर्ण सहयोग एवं समर्थन की अपील करते हुए कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता सामूहिक जिम्मेदारी एवं समयबद्ध कार्यवाही पर निर्भर करती है।

सीएम भगवंत मान ने कमांडेंट कमल सिसोदिया को महिला उद्यमी पुरस्कार से सम्मानित किया

चंडीगढ़। 13वीं बटालियन सीआरपीएफ की कमांडेंट कमल सिसोदिया को पंजाब सरकार द्वारा प्रतिष्ठित महिला उद्यमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पंजाब के सीएम भगवंत मान द्वारा उन्हें महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि कमांडेंट कमल सिसोदिया पिछले 25 वर्षों से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने हजारों महिलाओं का कौशल विकास कर उन्हें निरंतर प्रेरित किया है, जिससे उनके जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है और वे आत्मनिर्भर बन सकी हैं। उनके नेतृत्व में अनेक कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें फुलकारी कढ़ाई, जूती डिजाइनिंग, सिलाई-कढ़ाई (टेलरिंग) तथा विभिन्न हस्तशिल्प जैसे पंजाबी तोरण निर्माण आदि का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सरकार की हनी बी कीपिंग मिशन के अंतर्गत सीआरपीएफ के जवानों एवं आम नागरिकों के लिए मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए, जिससे स्वरोजगार एवं आय के नए अवसर सृजित हुए।